दीपिका हॉलीवुड वॉक... 7

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

नगरीय क्षेत्रों में झुग्गी... 11

■ वर्ष 31 अंक 10 ■ जबलपुर शुक्रवार 4 जुलाई 2025 डाक/नगर संस्करण ■ पृष्ठ 12 ■ मूल्य रु. 3.00

बागेश्वर धाम में टेंट गिरने से श्रद्धालु की मौत

छतरपुर। छतरपुर जिले में गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम परिसर में टेंट गिर गया। लोहे का एंगल सिर में लगने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई जबकि भगदड़ में 8 लोग घायल हुए हैं। हादसा गुरुवार सुबह करीब 7 बजे आरती के बाद हुआ। बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु टेंट के नीचे इकट्ठा हुए थे। घायलों को छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक श्याम लाल कौशल के दामाद राजेश कुमार कौशल ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के मनकापुर गांव के रहने वाले हैं। ससुराल बस्ती जिले के चौरी सिकंदर पुर गांव में है। परिवार के 6 लोग कार से बुधवार रात बागेश्वर धाम आए थे। शुक्रवार को धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री का जन्मदिन है। इससे पहले गुरुवार सुबह सभी लोग तैयार होकर शास्त्री के दर्शन करने पहुंचे थे।

केरल में फंसा फाइटर जेट एफ-35 नहीं हुआ ठीक

तिरुअनंतपुरम। ब्रिटिश रॉयल नेवी का फाइटर जेट एफ-35 अभी भी केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़ा है। कई बार रिपेयरिंग के बावजूद विमान उड़ान भरने की स्थिति में नहीं है। ब्रिटेन से इंजीनियरों की टीम इसे ठीक करने आईए लेकिन अब तक मरम्मत सफल नहीं हो सकी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब फाइटर जेट को टुकड़ों में मिलिट्री कार्गो एयरक्राफ्ट के जरिए वापस ब्रिटेन ले जाया जाएगा। फाइटर जेट की 14 जून की रात केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी पाई गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। जेट 13 दिन से एयरपोर्ट पर ही खड़ा है।

इलेक्शन तक छात्रसंघ ऑफिस बंद

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने लॉ कॉलेज में गैंगरेप को लेकर दाखिल की गई तीन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। हाईकोर्ट ने बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से भी रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि छात्र चुनाव होने तक ये कमरे बंद रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कमरों का इस्तेमाल किसी भी काम के लिए नहीं किया जा सकता है। जरूरत होने पर वैध कारणों के साथ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार को आवेदन देना होगा।

पंजाब के नए मंत्री बने अरोड़ा को मिले 3 विभाग

चंडीगढ़। राज्यसभा छोड़कर लुधियाना से उपचुनाव जीतने वाले संजीव अरोड़ा पंजाब सरकार के नए एनआरआई, उद्योग और वाणिज्य मंत्री बन गए हैं। गुरुवार को राजभवन में हुए समारोह में उन्होंने 17वें मंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। लुधियाना वेस्ट उपचुनाव जीतने के बाद संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाए जाने का वादा किया गया था। इसी वजह से उनकी कैबिनेट में एंट्री हुई है। आप सरकार के करीब साढ़े 3 साल के कार्यकाल में यह 7वां कैबिनेट विस्तार है। एनआरआई विभाग पहले कुलदीप धालीवाल के पास थाए लेकिन उन्होंने अब इस्तीफा दे दिया है। वहीं उद्योग विभाग तरुणप्रीत के पास था, जिसको वापस लेकर अरोड़ा को दिया गया है।

पीएम मोदी ने घाना की संसद को किया संबोधित, कहा-

हमारा लोकतंत्र सिस्टम नहीं, संस्कार है

अकारा

प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को दो दिवसीय यात्रा पर घाना पहुंचे हैं। गुरुवार को घाना ने पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान %द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना% से सम्मानित किया गया। इसके बाद पीएम मोदी ने घाना की संसद को संबोधित किया। संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सर्वोच्च सम्मान देने के लिए आभार जताया। पीएम मोदी ने कहा कि आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे अत्यंत गौरव का अनुभव हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है, यह एक ऐसी भूमि है जो लोकतंत्र की भावना से ओतप्रोत है। पीएम मोदी ने आगे कहा, विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में मैं अपने साथ 1.4 अरब भारतीयों की सद्भावना और शुभकामनाएं लेकर आया हूं। घाना से मिले सर्वोच्च सम्मान के लिए मैं 140 करोड़ भारतीयों की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं। घाना को सोने की भूमि के रूप में जाना जाता है, न केवल आपकी धरती के नीचे छिपी हुई चीजों के लिए बल्कि आपके दिल में मौजूद गर्मजोशी और ताकत के लिए भी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मुझे दूरदर्शी राजनेता तथा घाना के प्रिय पुत्र डॉ. क्वामे नक्रूमा को श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने एक बार कहा था कि हमें एकजुट करने वाली ताकतें हमें अलग रखने वाले आरोपित प्रभावों से कहीं अधिक बड़ी हैं। उनके शब्द हमारी साझा यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

हमारी दोस्ती घाना के प्रसिद्ध शुगर लोफ अनानास से भी ज्यादा मीठी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपकी अनुमति से मैं कह सकता हूं कि हमारी दोस्ती घाना के प्रसिद्ध शुगर लोफ अनानास से भी ज्यादा मीठी है। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा के साथ मिलकर हम अपने संबंधों को एक व्यापक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।

घाना साहस के साथ खड़ा है

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत में 2500 राजनीतिक दल हैं। 20 अलग-अलग पार्टियां अलग-अलग राज्यों में सरकार चला रही हैं। यही वजह है कि भारत में आने वाले लोगों को भारत में भव्य स्वागत होता है। घाना में भारत के लोग उसी तरह घुले-मिले हैं जैसे चाय में शक्कर मिली होती है। पीएम ने कहा, जब हम घाना को देखते हैं तो हम एक ऐसे राष्ट्र को देखते हैं जो साहस के साथ खड़ा है। समावेशी प्रगति के प्रति आपकी प्रतिबद्धता ने वास्तव में घाना को पूरे अफ्रीकी महाद्वीप के लिए प्रेरणा का केंद्र बना दिया है। घाना की संसद को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- भारत और घाना के संबंध काफी मजबूत हैं। भारत-घाना समावेशी विकास की ओर बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे लिए लोकतंत्र सिस्टम नहीं संस्कार हैं। घाना में पिछले कुछ वर्षों से काफी तेजी से विकास हुआ है। इस वक्त भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा- दुनिया इस वक्त कई समस्याओं से जूझ रही है, जिसमें आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन इस समय बड़ी समस्याएं हैं।

सबके भले की बात करता है भारत

पीएम मोदी ने इस मौके कहा- दुनिया ने कोरोना काल का संकट भी देखा और भारत ने दुनिया के तमाम देशों को वैक्सीन भेजे। हमारा मंत्र सबका साथ-सबका विकास है। लोकतंत्र जितना मजबूत होगा, दुनिया उतनी ही सशक्त बनेगी। घाना एक ऐसा देश है जो साहस के साथ खड़ा है। भारत सबके भले की बात करता है। वैश्विक उठपटक सबके लिए चिंता का कारण है। घाना गणराज्य की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, भारत के लोगों ने शांति, सुरक्षा और विकास में अपना विश्वास जताया है। पिछले वर्ष उन्होंने लगातार तीसरी बार एक ही सरकार को चुना, ऐसा छह दशक से अधिक समय के बाद हुआ।

सर्वोच्च सम्मान से पीएम को नवाजा

पीएम मोदी को घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा द्वारा देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना प्रदान किया गया। इस सम्मान पर पीएम मोदी ने कहा, यह मेरे और 1.4 अरब भारतीयों के लिए गर्व का क्षण है। मैं राष्ट्रपति महामा, घाना सरकार, और घाना के लोगों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मैं यह सम्मान दोनों देशों की युवा पीढ़ी, उनकी आकांक्षाओं, समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, और भारत-घाना के ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित करता हूं। पीएम मोदी को 24 देश अपना सर्वोच्च सम्मान भी दे चुके हैं। गुरुवार यानी 3 जुलाई को घाना ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया।

किसान मर रहे हैं और तमाशा देख रही है सरकार

महाराष्ट्र में राहुल गांधी ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली। देश की आर्थिक रीढ़ कहे जाने वाले किसान आज भी आत्महत्या करने को मजबूर हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में सरकार की ओर से पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मार्च 2025 के बीच केवल तीन महीनों में 767 किसानों ने आत्महत्या की। इनमें से सबसे अधिक मामले विदर्भ क्षेत्र से दर्ज हुए हैं। किसानों की आत्महत्या के मामले को लेकर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने लिखा, ये सिर्फ आंकड़ा नहीं, 767 उजड़े घर हैं। सोचिए सिर्फ 3 महीने में महाराष्ट्र में 767 किसानों ने आत्महत्या कर ली। 767 घर उजड़ गए और ये परिवार अब कभी नहीं संभल पाएंगे ।केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सरकार चुप है और बेखौफ से देख रही है। कांग्रेस सांसद ने महंगाई, बिजली, डीजल, खाद की कीमतें और एमएसपी की गारंटी न मिलने को आत्महत्या के पीछे की बड़ी वजह बताया है। उन्होंने लिखा, किसान हर दिन कर्ज की गहराई में डूब रहे हैं। बीज महंगे हैं, खाद महंगी है, डीजल महंगा है लेकिन ₹ की कोई गारंटी नहीं है। जब वे कर्ज माफी की मांग करते हैं तो उन्हें नजरअंदाज किया जाता है।

पीएम मोदी पर राहुल गांधी ने बोला हमला

राहुल गांधी ने लिखा, लेकिन जिनके पास करोड़ों हैं, उनके लोन मोदी सरकार आराम से माफ कर देती है। आज की ही खबर देख लीजिए, अनिल अंबानी का 48 हजार करोड़ का ₹ फ्रॉड। पीएम मोदी ने कहा था किसानों की आमदनी दोगुनी करेंगे, आज हाल ये है कि अन्नदाता की जिंदगी आधी हो रही है। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ये सिस्टम चुपचाप लेकिन लगातार किसानों को मार रहा है और मोदी जी अपने ही ₹ का तमाशा देख रहे हैं।

बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

केजरीवाल का ऐलान, अब कांग्रेस से गठबंधन नहीं

अहमदाबाद

आम आदमी पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अहमदाबाद में कहा इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। अब हमारा किसी से कोई गठबंधन नहीं है। केजरीवाल गुजरात के दो दिन के दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के विसावदर उपचुनाव में हमने कांग्रेस से अलग लड़कर तीन गुना ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा यह जनता का सीधा संदेश है कि अब विकल्प आम आदमी पार्टी है। आगे गुजरात में चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। दिल्ली में हार पर कहा कि ऊपर.नीचे होता रहेगा। पंजाब में हमारी सरकार दोबारा बनेगी। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की सरकार ने गुजरात को बर्बाद कर दिया है। सूरत समेत कई शहर पानी में डूबे हुए हैं। किसान, युवा और व्यापारी समेत सभी वर्ग परेशान हैं। इसके बाद भी बीजेपी गुजरात में जीतती आ रही है, क्योंकि लोगों के पास विकल्प नहीं था। कांग्रेस पार्टी को बीजेपी को जीत दिलाने के लिए ठेका दिया जाता है। अब आम आदमी पार्टी आ गई है। आम आदमी पार्टी को लोग एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। विसावदर में जिस तरह से लोगों ने वोट दिया। ये माहौल, ये गुस्सा पूरे गुजरात के लोगों के अंदर है।

तेज बारिश के चलते रोकी गई चारधाम यात्रा

शिमला में फोरलेन का डंगा, मंडी में मकान गिरा

शिमला

उत्तराखंड में तेज बारिश को देखते हुए चारधाम यात्रा को अस्थाई रूप से रोक दिया गया है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जब यात्रा मार्ग श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह से सुरक्षित होगा, तभी आगे यात्रा शुरू की जाएगी। उत्तराखंड में केदारनाथ मार्ग पर बुधवार रात सोनप्रयाग के पास लैंडस्लाइड हुई और रास्ता बंद हो गया। इस दौरान 40 श्रद्धालु फंस गए। एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। अब भी 29 लोग लापता हैं। गुरुवार को 2 और शव मिले। खराब मौसम के चलते राहत कार्य में दिक्कत आ सकती है, क्योंकि मौसम विभाग ने कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के ढली में गुरुवार को निर्माणाधीन फोरलेन का बड़ा डंगा भरभराकर गिर गया। ढली के लिंडीधार में फोरलेन के लिए लगाया गया 20 से 25 फीट ऊंचा डंगा 5 से 7 सेकेंड में ढह गया। इससे एक मकान को खतरा पैदा हो गया है। वहीं स्थानीय व्यक्ति के सेब के कई पेढ़ों को भी इससे नुकसान पहुंचा है। बता दें किए चंडीगढ़ से शिमला के ढली तक फोरलेन निर्माण का काम चल रहा है। फोरलेन के तीसरे चरण में हो रहे काम में ज्यादातर जगह ऊंचे-ऊंचे डंगे लगाए जा रहे हैं। ढली में भी काफी ऊंचा डंगा कुछ समय पहले ही लगाया गया था। फोरलेन बनने से पहले ही यह गिर गया है। इससे फोरलेन निर्माण की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

असली - नकली किन्नरों की भिड़ंत, बीच सड़क पर किया मुंडन

सतना। शहर के कृष्णनगर इलाके में गुरुवार को असली और नकली किन्नरों के बीच अजीबोगरीब टकराव देखने को मिला। खुद को किन्नर बताकर घर-घर जाकर वसूली कर रहे एक व्यक्ति को असली किन्नरों ने बीच सड़क पर पकड़ लिया और उसका सिर मुंडवा दिया। यह घटना सुखेजा हाउस के पास दोपहर करीब साढ़े 11 बजे हुई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ऑटो में सवार होकर 8 लोग इलाके में पहुंचे थे, जिनमें से 4 ढोलक बजा रहे थे और बाकी घरों में जाकर यह पूछ रहे थे कि क्या कोई उत्सव या मांगलिक कार्य है। उनकी गतिविधियों को देखकर स्थानीय लोगों को संदेह हुआ तो उन्होंने असली किन्नरों को सूचना दे दी। सूचना मिलते ही कुछ असली किन्नर मौके पर पहुंचे। उन्हें देखते ही नकली किन्नरों में भगदड़ मच गई। 7 लोग भागने में सफल हो गए, लेकिन एक व्यक्ति पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति को बीच सड़क पर लाकर पहले उसके कपड़े उतरवाए गए और फिर कैंची व उस्तरे से उसका मुंडन कर दिया गया।

मालगाड़ी ने दूसरी ट्रेन को मारी टक्कर

साहिबगंज। झारखंड के साहिबगंज जिले से एक बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। जिले के बरहरवा रेलवे सेटिंग यार्ड में एक बड़ा रेल हादसा टल गया। दरअसल, पत्थर लदी एक मालगाड़ी के डब्बे अचानक अनियंत्रित होकर खिसक गए और एक खड़ी मालगाड़ी से जा टकराए। इस घटना ने रेलवे प्रशासन की लापरवाही और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मालगाड़ी पत्थरों से लदी हुई खड़ी थी, तभी उसके कुछ डिब्बे अपने आप आगे की ओर लुढ़कने लगे। अनियंत्रित रफ्तार में डिब्बे आगे जाकर दूसरी खड़ी मालगाड़ी से टकरा गए और देखते ही देखते कई डिब्बे एक-दूसरे पर चढ़ते चले गए। इस दौरान रैक पटरी से उतर गए, जिससे बड़ा नुकसान होने की आशंका है।

पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर दिल्ली हाईकोर्ट की रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को पतंजलि को निर्देश दिया है कि वह डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ कोई भी नकारात्मक या भ्रामक विज्ञापन न दिखाए। यह आदेश जस्टिस मिनी पुष्करणा ने डाबर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। डाबर ने कोर्ट में तर्क रखा कि इस तरह के विज्ञापन न सिर्फ उनके उत्पाद को बदनाम करते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को गुमराह भी करते हैं। च्यवनप्राश एक पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधि हैए जिसे ड्रग्स और कॉस्मेटिक एक्ट के तहत नियमानुसार ही बनाना होता है। ऐसे में अन्य ब्रांड्स को सामान्य कहना गलतए भ्रामक और नुकसानदायक है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी। फिलहाल पतंजलि च्यवनप्राश के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई है। केस में डाबर की तरफ से वरिष्ठ वकील संदीप सेठी ने वकालत कीए जबकि पतंजलि की ओर से वरिष्ठ वकील राजीव नायर और जयंत मेहता पेश हुए थे। संदीप सेठी ने कहाए पतंजलि अपने विज्ञापन में डाबर के च्यवनप्राश को सामान्य और आयुर्वेद की परंपरा से दूर बताकर प्रोडक्ट की छवि को नुकसान पहुंचा रहा है। इस विज्ञापन में स्वामी रामदेव खुद यह कहते नजर आते हैं कि जिन्हें आयुर्वेद और वेदों का ज्ञान नहींए वे पारंपरिक च्यवनप्राश कैसे बना सकते हैं? इसके अलावा डाबर ने कहा पतंजलि के विज्ञापन में 40 औषधियों वाले च्यवनप्राश को साधारण कहा गया है। यह हमारे उत्पाद पर सीधा निशाना है। डाबर अपने च्यवनप्राश को 40 जड़ी-बूटियों से बने होने का दावा करता है। डाबर का कहना है कि च्यवनप्राश बाजार में उनकी 60 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। डाबर ने यह भी कहा कि पतंजलि के विज्ञापन में यह संकेत भी दिया गया है कि दूसरे ब्रांड्स के उत्पादों से स्वास्थ्य को खतरा हो सकता है।

पुराने वाहनों को नो-फ्यूल आदेश वापस लेने की तैयारी

मंत्री ने कहा पॉल्यूशन देखकर रोक लगे, 1 जुलाई से होना था लागू

नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता आयोग को लेटर लिखकर पुराने वाहनों पर ईंधन भरवाने की रोक को फिलहाल रोकने की अपील की है। ये जानकारी गुरुवार को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दी। उन्होंने कहा कि जब तक ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचानने वाला सिस्टम पूरे एनसीआर में पूरी तरह नहीं लग जाता, तब तक इस नियम को लागू न किया जाए। सरकार वायु प्रदूषण कम करने के लिए कई कदम उठा रही है और इसका असर जल्द दिखेगा। दरअसल सीएक्यूएम ने अप्रैल में आदेश दिया था कि 1 जुलाई से पुराने वाहनों में ईंधन नहीं डाला जाएगाए ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके। ये नियम दिल्ली के साथ-साथ बाहर से आए पुराने वाहनों पर भी लागू है।

इस पर सिरसा ने कहा ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचानने वाला सिस्टम पूरे एनसीआर में अभी लागू नहीं हुआ है। जहां अभी लगाया गया है, वहां ठीक से काम नहीं कर रहा। कैमरेए सेंसर्स और स्पीकर्स में टेक्निकल प्रॉब्लम आ रही है। ऐसे में इस नियम को लागू करना उचित नहीं है।

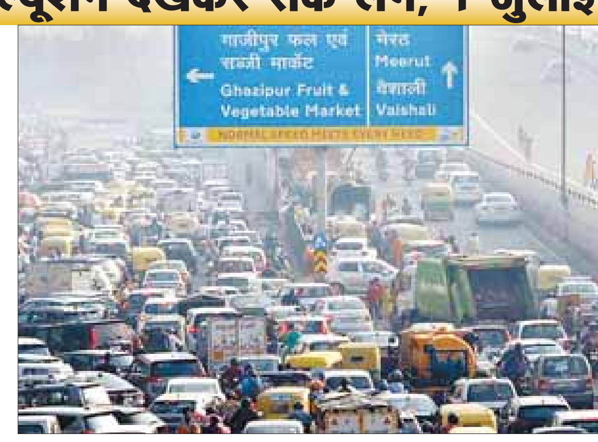

मार्च में नए नियम की की थी घोषणा

एक मार्च को पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा था कि जुलाई से 15 साल और उससे ज्यादा पुराने वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा। एयर पॉल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली सरकार ने यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा था कि हम पेट्रोल पंपों पर गैजेट लगा रहे हैं जो 15 साल से पुराने वाहनों की पहचान करेंगे। ऐसे वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जाएगा।

95 प्रतिशत लेबर पेंमेंट 5 प्रतिशत मटेरियल धन्य है जिला शिक्षा अधिकारी

मौके पर नहीं हुआ कार्य फिर भी सप्लायर गिरोह बना फर्जी बिल तैयार कर डकारी शासकीय राशि

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)

बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षक ही जब फर्जीवाडा मे संलिप्त हो तो फिर उनसे बच्चों को अच्छी शिक्षा देने की उम्मीद करना बेकार है। पैसे के लालच मे शिक्षक अंधे होकर फर्जीवाडा करने मे उतारू है। शासकीय उच्च. माध्य. विद्यालय निपनिया एवं हाई स्कूल सकन्दी के प्रचार्य और जिला शिक्षाधिकारी के सांठ गांठ से विद्यालय मे हुए फर्जीवा? नें शिक्षा जगत की पोल खोल कर रख दी है जिसकी सर्वत्र निंदा हो रही है। विद्यालय को कमाई का जरिया बनाने वाले ऐसे शिक्षको एवं जिला शिक्षाधिकारी के खिलाफ अभिभावकों नें ठोस कार्यवाही की मांग की है। विद्यालय को कमाई का जरिया बनाने वाले प्रचार्य राधिका तिवारी, सुग्रीव शुक्ला और जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची का कारनामा सामने आते ही विद्यालयों मे ह?कम मचा हुआ है। कंही जांच की आंच और विद्यालय तक न पंहुचे इस बात का सभी को डर सताने लगा है। जिस तरह से सुधाकर कंस्ट्रक्शन के बिलो मे भुगतान का उल्लेख है वह दर व समाग्री निर्धारित कीमत से अधिक है। वंही रंगरोहन न होने व सस्ते समाग्री का उपयोग कर महंगे वस्तुओं का बिल

लगाकर भुगतान लिया गया है। यदि इन विद्यालयों मे लगाये गये बिल कि जांच की जाये तो सामग्री से ज्यादा मजदूरी का भुगतान किया गया है। जिला शिक्षाधिकारी कार्यालय द्वारा की गयी सहमति व कोषालय प्रभारी द्वारा किये गये भुगतान को सामने रखा जायेगा तो निश्चित ही लाखो के हेराफेरी सामने आयेगी।

ट्रेजरी ऑफिसर की भूमिका संदिग्ध– गौरतलब है कि उक्त दोनों विद्यालय मे अनुरक्षण मद से कार्य कराया जाना बताया गया है किन्तु स्थानीय लोगों की माने तो उक्त ग्राम मे इतनी संख्या मे राज्य मिस्त्री और लेवर नहीं है। मजे की बात तो यह है कि सुधाकर कंस्ट्रक्शन ओदारी का जो बिल भुगतान हेतु लगाया गया है उसमे प्रचार्य निपनीय द्वारा 04 अप्रैल 2025 को देयक सत्यापित किया है जबकी सुधाकर कस्ट्रक्शन नें 05 मई 2025 को बिल तैयार किया है जो स्वयं मे फर्जी होना प्रमाणित करता है इसके बाद भी ट्रेजरी ऑफिसर नें बिना जांच के आंख बंद कर बिल का भुगतान कर दिया है।

नहीं हुआ कार्य, फर्जी बिल पर निकाल ली राशि– शासकीय हाई स्कूल सकन्दी मे फर्जी देयक जिसमे 168 लेवर एवं 65 राज मिस्त्री 4 लीटर ऑयल पेंट पुताई के लिये लगे थे, जिसकी राशि एक लाख छः हजार नौ सौ चौरासी रूपये प्रभारी प्रचार्य सुग्रीव शुक्ला एवं प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची द्वारा कोषालय से आहरित कर बंदर बांट कर लिया गया है। इसी तरह शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय निपनिया मे भी 275 लेवर एवं 150 राज मिस्त्री 20 लीटर ऑयल पेंट पुताई और 10 नग खि?की लगवाई एवं चार नग दरवाजा की फिटिंग मे दो लाख इकतिस हजार छ सौ पचास रूपये प्रभारी प्रचार्य राधिका तिवारी और जिला शिक्षाधिकारी नें फर्जी तरीके से निकाल कर बंदर बांट कर लिया गया है।

कार्य का नहीं हुआ फोटो ग्राफी– जानकारों की माने तो अनुरक्षण मद से कराये गये कार्यों का कार्य के पूर्व एवं कार्य पूर्ण होने के बाद फोटो ग्राफ्स को देयक के साथ संलग्न होने पर ही भुगतान किया जाना चाहिए किन्तु ऐसा नहीं किया गया है। ट्रेजरी ऑफिसर नें बिना फोटो ग्राफ्स के ही देयक पारित कर भुगतान कर दिया गया है जो गंभीर वित्तीय अनियमित्ता की श्रेणी मे आता है।

स्कूल से शिक्षक घर ले गये लाईट – सकन्दी हाई स्कूल का हालात यह है कि स्कूल मे जो लाईट फिटिंग हुई थी वह स्कूल से गायब है। वंहा एक स्विच तक नही लगा है। ऐसा लग रहा है मानो जैसे वंहा के शिक्षक पूरी लाईट को उखा? कर अपने घर ले गये हो और यंहा कार्य कराने के बजाय प्रचार्य व जिला शिक्षाधिकारी फर्जी बिल लगाकर राशि डकारने मे लगे है।

इनका कहना है..

बिल की जिले के अधिकारियों द्वारा जांच चल रही है। जांच होने के बाद प्रतिवेदन के आधार पर कार्यवाही होगी।

फूल सिंह मरपाची
जिला शिक्षा अधिकारी
जिला शहडोल

एसडीएम का निपनीया मे कुछ काम था, उन्ही के साथ सकन्दी जांच करने के लिये गये थे। रिकार्ड नहीं मिल पाया है। रिकॉर्ड हेतु बोला गया है। लेट हो जाने के कारण निपनिया स्कूल नहीं जा पाये है।

हीरालाल सिंह पेंड्रो
बी.ई.ओ. ब्यौहारी

जांच मे पाया गया कि जो बिल लगा है उसके हिसाब से कार्य नहीं हुआ है।

नारेन्द्र सिंह धुर्वे
एस.डी.एम. ब्यौहारी

डिंडौरी में पहली बार निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, भक्तों ने खींचा रथ और लगाए जयकारे

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जुलाई माह में पूरे उड़ीसा समेत देश-विदेश में प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का आयोजन इस बार डिंडौरी जिले में भी देखने को मिला। इस्कॉन संस्था के तत्वावधान में डिंडौरी में पहली बार भगवान जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुण्य लाभ अर्जित किया। रथयात्रा का शुभारंभ पुराने डिंडोरी के कंपनी चौक से हुआ। प्रारंभ से पूर्व श्रद्धालुओं द्वारा मधुर भजन-कीर्तन, पूजन और आरती की गई। इसके बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की प्रतिमाओं को सुसज्जित रथ पर विराजमान कर रथयात्रा प्रारंभ हुई। रथ खींचने के लिए नगर के कोने-कोने से भक्तजन उमड़ पड़े। जैसे-जैसे रथ आगे बढ़ता गया, श्रद्धालुओं की भीड़ जुड़ती गई और चारों ओर च्जय जगन्नाथज्ञ के जयकारे गूंजते रहे। नगर में जगह-जगह भक्तों ने पुष्पवर्षा कर रथयात्रा का स्वागत किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पूजा-पाठ कर भगवान से सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। पुरानी डिंडोरी से प्रारंभ होकर रथयात्रा सीवी कॉलेज तक पहुंची। वहां यात्रा के समापन के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर अपने आपको धन्य माना। इस आयोजन में इस्कॉन संस्था के कार्यकर्ताओं और भगवान कृष्ण के भक्तों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं ने पहली बार नगर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा देखने और उसमें सहभागी बनने पर गहरी आस्था और प्रसन्नता व्यक्त की।

करप्शन पर एक्शन: पौड़ीमाल पंचायत सचिव जोहन लाल कोरबा निलंबित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

ग्राम पंचायत पौड़ीमाल के सचिव जोहन लाल कोरबा को जिला पंचायत डिंडौरी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में की गई गंभीर लापरवाही, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी तथा सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के निराकरण में विफलता के चलते की गई है। जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर द्वारा जारी आदेश के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), जनमन आवास योजना, मनरेगा और सीएम हेल्पलाइन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में सचिव की प्रगति अत्यंत निराशाजनक पाई गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत 212 आवासों में से केवल 159 पूर्ण, शेष 53 अब भी अपूर्ण। जनमन आवास योजना में स्वीकृत 14 में से मात्र 2 आवास पूर्ण। समग्र सीडिंग 362 पात्र हितग्राहियों में से सिर्फ 90 की ही सीडिंग। मनरेगा में मजदूर नियोजन लक्ष्य 37,949 के मुकाबले सिर्फ 12,696 श्रमिक नियोजित – जो कुल लक्ष्य का केवल 33.46त्न है। वित्तीय वर्ष 2021-25 के बीच स्वीकृत 1071 कार्यों में से 68

कार्य अब भी अधूरे। सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतें 83 से लेकर 238 दिनों तक लंबित। सचिव जोहन लाल को पूर्व में कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था, जिसका उन्होंने उत्तर नहीं दिया। साथ ही, वे कई बार समीक्षा बैठकों में बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इन सभी मामलों को गंभीर कदाचरण और अनुशासनहीनता मानते हुए मध्यप्रदेश पंचायत सेवा नियम 2011 के नियम 7 के अंतर्गत उन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन की अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा, और उनका मुख्यालय जनपद पंचायत डिंडौरी रखा गया है।

युवाओं ने किया एक पेड़ मॉ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए जिले में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में एक पे? मॉ के अभियान चलाया जा रहा है। एक पे? मॉ के अभियान में युवा भी उत्साह और उमंग के साथ सहभागी बनकर पर्यावरण स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए पौधरोपण कर रहे है। एक पे? मॉ के नाम अभियान के तहत अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान धनपुरी परिसर में एसबीआई बैंक के मैनेजर विंध्याचल कुमार,

युवा गोलू दुबे, प्रदीप प्रिंस, अभिजीत अंष, अक्षत राम दुबे ने जामुन, नीम जैस अन्य पौधो का रोपण किया।

उप मुख्यमंत्री आज रहेंगे शहडोल जिले के प्रवास पर

शहडोल (स्वतंत्रमत)

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी राजेंद्र शुक्ल 4 जुलाई को शहडोल जिले प्रवास पर रहेंगे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल 4 जुलाई को कार द्वारा प्रात: 8 बजे रीवा से शहडोल के लिए प्रस्थान करेंगे, प्रात: 10:50 बजे शहडोल आगमन होगा, प्रात: 11 बजे प्रतिभाषाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना अंतर्गत विद्यार्थियो को लैपटॉप हेतु राषि अंतरण कार्यक्रम में सहभागिता निभाएंगे, दोपहर 1 बजे सर्किट हाउस आरक्षित रहेगा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल दोपहर 2 बजे पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस संगोष्ठी कार्यक्रम जिला भाजपा कार्यालय शहडोल में सहभागिता निभाएंगे एवं अपरान्ह 4 बजे शहडोल से कटनी के लिये प्रस्थान करेंगे।भारतीय जनता पार्टी के पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस के अवसर पर शहडोल कमला नगर स्थित अटल निलय संभागीय मुख्यालय जिला भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने जानकारी देते हुए गुरुवार को बताया है कि पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस के अवसर पर शहडोल भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन 4 जुलाई को किया जाएगा संगोष्ठी कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला संगठन प्रभारी पीतांबर टोपनानी एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष करेगी पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मृति दिवस पर आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के समस्त वरिष्ठ अपेक्षित ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता गण कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता निभाएं।

बीसीसीआई अंपायर की परीक्षा में सचिन पाराशर ने हासिल की 16वीं रैंक

शहडोल (स्वतंत्रमत)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जून 2025 में आयोजित अंपायरिंग परीक्षा का परिणाम 03 जुलाई को घोषित किया है। इस परीक्षा में मध्यप्रदेश के शहडोल निवासी सचिन पाराशर ने सफलता हासिल की है। इसके पहले सचिन पाराशर एमपीसीए के कोच के तौर पर सेवाएं दे रहे थे। अब वह बीसीसीआई अंपायर की भूमिका में नजर आएंगे। सचिन पाराशर रिटायर्ड बीईओ अशोक शर्मा के सुपुत्र एवं सहारा ट्रेवल्स के संचालक भाजपा नेता गोपाल शर्मा के भतीजे है। परीक्षा परिणाम घोषणा होने की जानकारी लगते ही सचिन पाराशर के परिवारजनों को शहडोल नगर वासियों एवं जिले वासियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

शिक्षकों के संलयन आदेश निरस्त: दो दिन में मूल शाला में दें उपस्थिति, वरना रुकेगा वेतन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

शिक्षकों के संलयन को लेकर च्खबर का असरज्ञ सामने आया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी करंजिया द्वारा मंगलवार को एक सख्त आदेश जारी करते हुए संलयन (संलग्नीकरण) की सभी प्रक्रियाओं को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। आदेश के अनुसार, संकुल प्राचार्यों एवं बीईओ स्तर पर जिन शिक्षकों को शैक्षणिक व्यवस्थाओं के अंतर्गत अन्य विद्यालयों में संलग्न किया गया था, अब वे सभी शिक्षक अपनी मूल पदस्थापना शाला में दो दिवस के भीतर उपस्थिति दें। शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे उपस्थिति के साथ-साथ आदेश पालन की सूचना कार्यालय को प्रस्तुत करें। आदेश की अवहेलना करने पर संबंधित शिक्षक का वेतन रोका जाएगा।

– अस्थायी व्यवस्था केवल आवश्यकता पर

यदि किसी शिक्षक की मूल संस्था में उपस्थिति देने से किसी अन्य विद्यालय में शिक्षकविहीन स्थिति उत्पन्न होती है, तो ऐसी दशा में शिक्षक को अस्थायी रूप से

जनजातीय अंचलों में नहीं शिक्षक, अधर में लटका बच्चों का भविष्य

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) प्रदेश में एक जुलाई से नया शिक्षा सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन डिंडौरी जिले सहित कई जनजातीय अंचलों की स्कूलों में अभी भी शिक्षकों की भारी कमी बनी हुई है। मध्यप्रदेश शासन के लोक शिक्षण संचालनालय ने एक जुलाई से अतिथि शिक्षक नियुक्त करने का आदेश तो जारी कर दिया है, परंतु जनजातीय कार्य विभाग अब तक मौन है। इससे आदिवासी अंचलों की स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था ठप होने की आशंका बढ़ गई है।डिंडौरी जिले में शिक्षकों के थोकबंद स्थानांतरण के बाद भी कार्यमुक्ति की प्रक्रिया अधूरी है। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अधिकांश शिक्षकों को अब तक कार्यमुक्त नहीं किया गया है और न ही उनकी नई पदस्थापनाएं की गई हैं। शिक्षकों की अनुपलब्धता के कारण सैकड़ों शालाएं शिक्षक विहीन स्थिति में हैं, जिससे छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। जनजातीय कार्य विभाग की सुस्ती का असर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक देखने को मिल रहा है। वहीं जिला प्रशासन की लचर व्यवस्था ने हालात को और बदतर बना दिया है। पिछले चार माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद रिक्त पदों पर शिक्षकों की पदस्थापना नहीं हो पाई है। हालांकि सरकार द्वारा जुलाई 2024 में यह निर्देश जारी किया गया है कि प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय में न्यूनतम दो शिक्षक, माध्यमिक में तीन शिक्षक और आवश्यकता अनुसार अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था की जाए। परंतु यह आदेश धरातल पर उतरता नजर नहीं आ रहा है। जिले में न अतिथि शिक्षकों की बहाली हो रही है और न ही नियमित शिक्षकों की पदस्थापना। ऐसे में शिक्षा सत्र 2024-25 की शुरुआत से पहले ही डिंडौरी जिले की शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

यथावत शैक्षणिक कार्य करने की छूट दी गई है। लेकिन स्थायी शिक्षक की पदस्थापना या अतिथि शिक्षक की नियुक्ति होते ही वह शिक्षक उस विद्यालय से मुक्त माना जाएगा।

आदेश का त्वरित अनुपालन जरूरी– आदेश को तत्काल प्रभावशील बताया गया है और पालन न करने पर वेतन अवरुद्ध करने की स्पष्ट चेतावनी दी गई है। यह निर्णय राज्य शासन द्वारा शिक्षकों के संलयन को पूर्णत: समाप्त करने के आदेश के परिपालन में लिया गया है।

मोहर्रम शांति पूर्वक मनाने को लेकर शांति समिति की बैठक

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)

मोहर्रम को लेकर गुरुवार को थाना ब्यौहारी मे शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन थाना प्रभारी अरुण पाण्डेय की अध्यक्षता मे हुआ। बैठक मे मोहर्रम को लेकर झांकी निकाले जाने के समय सारणी पर चर्चा हुई। थाना प्रभारी ने कहा कि इसके लिये जगह-जगह सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस बल तैनात किया जायेगा। बैठक मे तहसीलदार सुमित कुमार गुर्जर, नगर परिषद से वीरेंद्र चतुर्वेदी, उप. नि. मोहन प?वार, गणमान्य नागरीक, पत्रकारगण एवं थाना क्षेत्र के विभिन्न मोहर्रम कमेटी के स्थानीय जन प्रतिनिधि शामिल रहे।

अतिथि शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन समय पर नियुक्ति की मांग

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिला मुख्यालय में सैकड़ों अतिथि शिक्षकों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। जिला अध्यक्ष इमरान मलिक के नेतृत्व में अतिथि शिक्षक संघ डिंडोरी ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टरेट परिसर में तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि पिछले 17 वर्षों से अतिथि शिक्षक अल्प मानदेय पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ शिक्षा दे रहे हैं, लेकिन उनकी सेवाओं के अनुरूप न तो उन्हें पर्याप्त मानदेय मिल रहा है और न ही अन्य सुविधाएं। हर साल जुलाई-अगस्त में विज्ञापन जारी होते हैं और अप्रैल में सेवाएं समाप्त मान ली जाती हैं, जिससे उन्हें हर वर्ष नए सिरे से आवेदन करना पड़ता है। अध्यक्ष इमरान मलिक ने 2 सितंबर 2023 को महापंचायत में की गई घोषणाओं की याद दिलाते

हुए कहा कि सरकार ने अब तक अपने वादों को पूरा नहीं किया। इस बार डीपीआई का आदेश पहले आने के बावजूद जनजाति कार्य विभाग का आदेश लंबित होने से नियुक्तियों में देरी हो रही है, जिसका खामियाजा आदिवासी जिलों के बच्चों की पढ़ाई भुगत रही है ज्ञापन के माध्यम से अतिथि शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द से जल्द नियुक्तियां नहीं की गईं तो आंदोलन और धरने की राह अपनाई जाएगी। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी वीरेंद्र कुमार गर्ग, आनंद कटारिया, अमरपुर ब्लॉक अध्यक्ष चंद्र किशोर हरदा, निगोरी संकुल अध्यक्ष प्रकाश यादव, जिला सचिव हरीश खान, प्रियंका गायकवाड, निरुपमा नामदेव, अदिति सिंगरहा, अनुपमा नामदेव, अवध मरावी, वीरेंद्र, मिथलेश, अजय गवले, शाहपुरा ब्लॉक अध्यक्ष ग्रैंड कुमार दुबे सहित सैकड़ों अतिथि शिक्षक मौजूद रहे।

सर्वांग स्वेदन सम्पूर्ण शरीर के लिए आयुर्वेदिक उष्म चिकित्सा : योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला

शहडोल (स्वतंत्रमत)

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद में स्वेदन (स्टीम थेरेपी) एक महत्वपूर्ण उपचार प्रणाली है। इसमें शरीर से अम्ल (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालकर शरीर को हल्का, स्वस्थ और शुद्ध किया जाता है। सर्वांग स्वेदन पंचकर्म का एक अंग है, जिसमें सम्पूर्ण शरीर को उष्मीय प्रक्रिया से उपचारित किया जाता है।

क्या है सर्वांग स्वेदन?

स्वेदन का अर्थ होता है ष्पसीना लानाष्। आयुर्वेद के अनुसार, जब शरीर के दोष (वात, पित्त, कफ) असंतुलित हो जाते हैं, तो उन्हें बाहर निकालने के लिए पसीना निकालना एक प्राकृतिक तरीका है।

सर्वांग स्वेदन में पूरे शरीर को विशेष औषधीय भाप से उपचारित किया जाता है, जिससे त्वचा के रोमछिद्र खुलते हैं और शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं।

प्रक्रिया कैसे होती है?– सर्वांग स्वेदन के लिए रोगी को एक विशेष भाप पेटी में

लेटाया जाता है, जहां केवल उसका सिर बाहर रहता है। औषधीय का?ें (जैसे दशमूल क्वाथ, नीम, गुग्गुलु, पत्तेदार औषधियाँ आदि) को उबालकर भाप बनाई जाती है। यह भाप शरीर के सभी हिस्सों तक पहुँचती है और त्वचा व अंदरूनी अंगों पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। चिकित्सा का समय 10.20 मिनट तक होता है, जो व्यक्ति की प्रकृति और रोग के अनुसार तय किया जाता है।

सर्वांग स्वेदन के लाभ– वात विकारों में लाभकारी – जो?ों के दर्द, सायटिका, कमरदर्द, गर्दन दर्द शारीरिक जक?न आदि में आराम मिलता है। त्वचा रोगों में उपयोगी, फो?, फुंसी, दाद, खुजली, एक्जिमा आदि में लाभकारी है। 'शारीरिक शुद्धि' पसीने के माध्यम से शरीर से विषैले तत्वों का निष्कासन होता है। मानसिक विश्रांति' मस्तिष्क को शांत और तनाव को कम करता है। उत्तम पाचन' भूख में वृद्धि और पाचनतंत्र को मजबूती प्रदान करता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि' नियमित स्वेदन से शरीर की रोगों से ल?ने की शक्ति ब?ती है।

सावधानियाँ एवं निषेध– गर्भवती महिलाओं, अत्यधिक दुर्बल व्यक्ति, हृदय रोगी या उच्च रक्तचाप से पी?ित व्यक्तियों को इससे बचना चाहिए। भोजन के तुरंत बाद स्वेदन नहीं करना चाहिए। प्रशिक्षित चिकित्सक की सलाह एवं देखरेख में ही यह चिकित्सा कराना उचित है। योगाचार्य शिवाकान्त शुक्ला का कहना है कि सर्वांग स्वेदन न केवल रोग निवारण की प्रक्रिया है, बल्कि यह शरीर को भीतर से स्वस्थ और मन को शांत रखने का एक प्राकृतिक उपाय है। आयुर्वेद की यह परंपरा आज के तनावयुक्त जीवन में विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो रही है। हर व्यक्ति को योग एवं आयुर्वेद अपनाकर स्वस्थ रहने का स्वभाव बनाना चाहिए तभी स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सकेगा।

डिजिटल सिग्नेचर से बेच दी शा. भूमि

अधारताल तहसील के दो रीडर निलंबित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

तहसीलदार के डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग कर आधारताल तहसील के अंतर्गत ग्राम रेगवां की शासन की हित की 1.90 हेक्टेयर भूमि निजी व्यक्ति के नाम दर्ज करने के मामले में कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देश पर तहसील कार्यालय आधारताल में पदस्थ सहायक ग्रेड. तीन रमाशंकर मिश्रा और मिलन वरकड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किये गये कर्मचारी तहसीलदार आधारताल एवं अतिरिक्त तहसीलदार आधारताल के रीडर रहे हैं। इन कर्मचारियों के निलंबन के आदेश अपर कलेक्टर सुश्री मिशा सिंह द्वारा जारी किये गये हैं। निलंबन की यह कार्यवाही तत्कालीन तहसीलदार आधारताल दिलीप पटेल वर्तमान में तहसीलदार कुंडम के प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। निलंबन आदेश में कहा गया है कि इन कर्मचारियों ने उनकी अभिरक्षा में रखे गये तहसीलदार के डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग कर ग्राम रेगवां की शासन के हित में निहित भूमि को जिस निजी व्यक्ति के नाम किया था। उसने इस भूमि को खुर्द-बुर्द कर अन्य व्यक्तियों को बेच दिया है।

अधारताल तहसील में होते रहे फ्रॉड

आधारताल के तत्कालीन तहसीलदार दिलीप पटेल ने अपने प्रतिवेदन में कहा था कि उनके कार्यकाल के दौरान पूर्व में निराकृत न्यायालयीन प्रकरण अनिल चढ़ार पिता हुब्बीलाल चढार में उनके डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग किया गया है। इस प्रकरण का पंजीयन 25 जनवरी 2024 को हुआ था, 19 फरवरी 2024 को पूर्ववर्ती तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे द्वारा इसका निराकरण मात्र एक पंक्ति का आदेश पारित कर आर्डर शीट अपने डिजिटल सिग्नेचर से आरसीएमएस पोर्टल पर अपलोड की गई थी। लेकिन आरसीएमएस पोर्टल पर अपलोड किये गये इस आदेश में श्री धुर्वे ने 25 जनवरी 2024 को उनके द्वारा हस्तलिखित आदेश की वह आर्डर शीट संलग्न नहीं कीए जिसमें शासन के हित वाली ग्राम रेगवां की खसरा नम्बर 69 की 1.90 हेक्टयर भूमि निजी व्यक्तियों के नाम कर दी गई थी। गौरतलब है कि अधारताल तहसील में सर्वाधिक धांधली के प्रकरण सामने आ चुके हैं, तहसीलदार हरिसिंह ध्रुवे पर भी गाज गिर चुकी है।

तहसीलदार के दस्तखत कर अपलोड किये

तत्कालीन तहसीलदार हरिसिंह धुर्वे के इस हस्तलिखित आदेश की मूल प्रति को 1 मई 2024 को तहसीलदार दिलीप पटेल के कार्यभार ग्रहण करने के बाद बिना उनकी अनुमति के उनके डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग कर तत्कालीन रीडर रमाशंकर मिश्रा एवं तत्कालीन अतिरिक्त तहसीलदार के रीडर मिलन वरकड़े द्वारा आरसीएमएस पृथक से अपलोड कर दिया गया। प्रकरण सामने आने पर इन कर्मचारियों के पृथक से कथन लिये गये लेकिन ये दोनों समाधानकारक जवाब नहीं दे सके। बिना अनुमति के तहसीलदार के डिजिटल सिग्नेचर का दुरुपयोग कर निजी व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के आरोप में निलंबित किये गये कर्मचारियों में से तहसीलदार आधारताल के रीडर रहे।

डंडे से पीटकर मार दिये श्वान के 6 बच्चे

महाराजपुर क्षेत्र का मामला, आरोपी अरेस्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। महाराजपुर क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने 6 स्ट्रीट डॉग के पिल्लों को लाठियों से पीट-पीटकर सिर्फ इसलिए मार डाला, क्योंकि वे दिन-रात भौंककर उसे परेशान करते थे। बुधवार देर रात डॉग लवर की शिकायत पर आधारताल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ग्वारीघाट निवासी अजीत सिंह आनंद ने पुलिस को कुछ वीडियो और फोटो भी सौंपे हैं, जिनमें स्ट्रीट डॉग के बच्चे मृत अवस्था में पड़े दिखाई दे रहे हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों ने मृत श्वानों का पोस्टमॉर्टम कर रिपोर्ट पुलिस को सौंपी है।

ये है पूरा मामला-इस मामले में अधारताल थाना प्रभारी प्रवीण कुमरे ने बताया कि अजीत सिंह आनंद उर्फ मंगे सरदार उम्र 54 वर्ष निवासी आदर्श नगर ग्वारीघाट ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह एनिमल लवर ग्रुप जबलपुर से जुड़ा है। 2 जुलाई को ग्रुप के सदस्य सतीश यादव ने ग्रुप में मैसेज फारवर्ड किया कि राजेश दाहिया नामक व्यक्ति ने एक श्वान के 6 बच्चों को हाउसिंग बोर्ड महाराजपुर एबी किड्स स्कूल के पास डंडों से मारपीट की। जिससे श्वान के 5 बच्चे खत्म हो गये हैं तथा छठवें बच्चे की भी डंडे से मारकर हत्या कर दी है। उक्त घटना का विरोध आनंद सेन, विकास साहनी, शुभम गुप्ता, विष्णु गुप्ता ने किया तो राजेश दाहिया ने सभी के साथ गाली गलौज की थी। श्वान के पांचों बच्चे राजेश दाहिया ने कहीं फेंक दिये थे जिन्हें नगर निगर के सफाई कर्मचारी ले गये हैं। पुलिस ने इस मामले में आरोपी राजेश दाहिया उम्र 35 वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड महाराजपुर अधारताल को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

वन विभाग की गिरफ्त में पैंगोलिन तस्कर

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। विलुप्त प्रजाति के वन्य प्राणी पैंगोलिन की तस्करी के मामले में वन विकास निगम कुंडम परियोजना ने मझगवां थाना के ग्राम छनगवा से एक और सोनपुर गांव से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक ढीमरखेड़ा तहसील क्षेत्र में वन विकास निगम कुंडम परियोजना के कर्मचारियों को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि विलुप्त प्रजाति का वन्य प्राणी 4 वर्षीय मादा नस्ल का पैंगोलिन मझगवां थाना क्षेत्र के ग्राम छनगवा निवासी सुरेंद्र दहिया के द्वारा पकड़ा गया है । जिसका ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया मामले की जानकारी मिलने पर वन विकास निगम के प्रभारी रेंजर मनीष रोर के द्वारा मामले की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई । वन विकास निगम के संभागीय प्रबंधक राहुल मिश्रा के निर्देशन पर टीम के द्वारा मौके पर दबिश दी गई और सुरेंद्र दाहिया से पूछताछ करने पर सोनपुर निवासी कंधीलाल पटेल और तेजी गोंड के पास विलुप्त प्रजाति का पैंगोलिन होना पाया गया। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से आरोपी जेल भेजे गए।

ट्रांसको में चयनित अभ्यर्थियों का सत्यापन हुआ पूरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) में चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के भौतिक परीक्षण की तीन दिवसीय प्रक्रिया 3 जुलाई को सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। यह प्रक्रिया 1 जुलाई से प्रारंभ होकर लगातार तीन दिन चली, जिसमें कनिष्ठ अभियंता और सिविल अटेण्डेंट पदों के लिए बुलाए गए कुल 65 अभ्यर्थियों में से 62 ने दस्तावेज परीक्षण में भाग लिया। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत ट्रांसको को 41 कनिष्ठ अभियंता और 24 सिविल परिचारक पदों की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। इसके पश्चात मार्च 2025 में आयोजित ऑनलाइन परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को दस्तावेज परीक्षण हेतु बुलाया गया था। मुख्य

अभियंता धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि चयनित अभ्यर्थी नियत समय पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हुए और पूरी प्रक्रिया का पालन करते हुए परीक्षण पूर्ण कराया। दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शीघ्र ही नियुक्ति आदेश जारी किए जाएंगे, जिससे अभ्यर्थी विभाग में सेवा का आरंभ कर सकें। परीक्षण प्रक्रिया का संचालन अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, नवीन पांडे, एचआर मैनेजर नुसरत सिद्दीकी, अमित मेहरोलिया, सहायक अभियंता डीजी गोस्वामी, पीडी अग्रवाल, शैलेन्द्र चाल्स, सुधीर कुमार डे, अमितेन्द्र गौरव की टीम द्वारा किया गया।

नैमिषारण्य में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हिंदू तीर्थो के महातीर्थ नैमिषारण्य उत्तर प्रदेश में आगामी 16 जुलाई से 22 जुलाई तक सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस पवित्र आयोजन के मुख्य यजमान इंडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अर्चना तिवारी दंपत्ति होंगे। इस सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में व्यास पीठ पर स्वामी वेंकटेश प्रपन्नचार्य, पीठाधीश्वर गया (बिहार) व पुष्कर (राजस्थान), विराजमान होंगे और उपस्थित वैष्णव भक्तों को कथा का रसपान कराएंगे। इस आयोजन का संयोजन श्री वैष्णव भक्त मंडल, शोभापुर, जिला नर्मदापुरम द्वारा किया जा रहा है। व्यवस्था प्रमुख जगमोहन गट्टानी और पुरुषोत्तम लड्डा ने बताया कि इस कथा में देश भर से हजारों भक्तगण सम्मिलित होंगे। यह आयोजन भक्ति, आध्यात्म और भारतीय संस्कृति के संरक्षण का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई से 3 जुलाई तक किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत नवप्रवेशित स्नातक (यूजी) विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं, शैक्षणिक ढांचे, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अनंदी लाल कुर्मी ने किया।

श्रीराम-हनुमान मंदिर में चोरी सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

आगा चौक का मामला, पुलिस पर लापरवाही का आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आगा चौक स्थित ऐतिहासिक श्रीराम-हनुमान मंदिर में एक चोरी की वारदात सामने आई है। यह पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। इधर मंदिर के पुजारी एवं स्थानीय लोगों ने मिलकर लार्डगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाई। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस द्वारा न तो अब तक घटना स्थल का जायजा लिया गया। ना ही कोई कार्यवाही की गई।

ये है पूरा मामला

इस मामले में श्रीराम-हनुमान मंदिर के पुजारी परसोत्तम तिवारी ने बताया कि सुबह वे जब मंदिर पहुंचे तो उन्हें दान पेटी टूटी हुई मिली। मंदिर में लगा सीसीटीवी चैक करने पर चोर मंदिर की ग्रिल के ऊपर लगे जाल में बने छोटे सुराख से भीतर घुसते दिखे और दान पेटी को तोड़कर नकद राशि चुरा ली।

उनका आरोप है कि उन्होंने तुरंत लार्डगंज थाना जाकर चोरी की जानकारी दी, लेकिन पुलिस ने उनसे सिर्फ सादे कागज़ पर एक आवेदन लेकर उन्हें लौटा दिया। ना ही कोई एफआईआर दर्ज की गई, और ना ही अब तक कोई पुलिस टीम मौके पर जांच के लिए पहुंची है।

श्री तिवारी ने बताया कि इस घटना को कई घंटे बीत चुके हैं। लेकिन पुलिस की निष्क्रियता से श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मंदिर में पहले भी चोरी की कई वारदातें हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस हर बार मामले को दबाने की कोशिश करती है। इससे चोरों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने उठाई गश्त की मांग

मंदिर के पुजारी परसोत्तम तिवारी ने बताया कि मंगलवार को भगवान हनुमान के विशेष श्रृंगार का दिन होता है, जिसमें उन्हें चांदी के आभूषणों से सजाया जाता है। सौभाग्य से चोर इन आभूषणों तक नहीं पहुंच सका, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया। मंदिर समिति और क्षेत्रीय श्रद्धालुओं ने प्रशासन से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दर्ज कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी और मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त की मांग की है।

छात्रों की मैपिंग जल्द पूर्ण करें : सीईओ गहलोत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। डीपीसी योगेश शर्मा जिला शिक्षा केंद्र ने बताया मॉडल हाई स्कूल में समस्त विकासखंडों के बीआरसी, बीएसी, जनशिक्षकों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिपं सीईओ अभिषेक गहलोत ने शाला में दर्ज समस्त बच्चों की मैपिंग एक सप्ताह के अंदर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कक्षाओं विशेषकर कक्षा एक एवं कक्षा 6 में नामांकन में कमी दूर करने विशेष प्रयास करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी शासन की समस्त योजनाओं का क्रियान्वयन समय पर सफलतापूर्वक सुनिश्चित करें. सभी विकासखंड प्रत्येक कक्षा में नामांकन बढ़ाने, समस्त छात्रों की शतप्रतिशत मैपिंग करने,कम परीक्षा परिणाम वाली शालाओं पर विशेष फोकस एवं मॉनिटरिंग करने, जर्जर एवं क्षतिग्रस्त शालाभवनों का चिन्हांकन करने इनमें किसी भी स्थिति में कक्षा ना लगाने निर्देशित किया।

कल निकलेगी 11वीं विठ्ठल वारी यात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी में आषाढ़ी कार्तिकी वारी महामंडल मराठी भाषियों के तत्वावधान में कल शाम 4 बजे से पंढरपुर महाराष्ट्र की तरह आषाढ़ी एकादशी को 11 वीं श्री विठ्ठल वारी हरिनाम संकीर्तन एवं शोभायात्रा श्री दत्त मंदिर, गोलबाजार से निकाली जाएगी। डॉ, स्वाति सदानंद गोडबोले, जया पागे, रंजना भास्कर वर्तक, प्रतिभा भापकर, प्राजक्ता विप्रदास, सीमा, निधि अभय सवडतकर, प्रेरणा पोहरकर ने बताया कि श्रीहरि विठ्ठल रखुमाई की श्री विठ्ठल वारी यात्रा में श्रीहरि विठ्ठल रखुमाई माता के श्री विग्रह संत ज्ञानेश्वर जी महाराज, संत गजानन महाराज की पालकी रथारूढ होकर भगवान भक्तों को दर्शन देंगे।

सदानंद गोडबोले, संजय आपटे श्रीकांत बापट, प्रवीण विपदास किशोर कलमकर, राजेश तोपखाने वाले, मनीष नाजवाले, विजय भावे, पद्माकर तलवारें, धनाजी पाटील, सुरेश सालुंके, शाहजी पाटील ने हरिनाम संकीर्तन यात्रा दत्त मंदिर गोलबाजार, नेशनल हास्पिटल से पुराने जामदार हासपिटल, डी एन जैन स्कूल से मालवीय चौक, सुपर मार्केट, लार्डगंज चौक, कमानिया गेट, सराफा बाजार, कोतवाली थाना, राजा रसगुल्ला वाली गली से श्री विठ्ठल रखुमाई मंदिर हनुमान ताल तक निकाली जाएगी। हर्षल पुणतांबेकर, आशुतोष, ज्ञानेश, सांई कृष्णा पाटिल सहित युवा शक्ति विठ्ठल वारी यात्रा में विठ्ठल बैंड ढोल ताशे, बजाते हुए चलेंगे।

अपनी बताकर रिटायर्ड फौजी को बेच दी शा. जमीन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेना से रिटायर एक फौजी को कुछ लोगों ने अपनी जमीन बताकर एक सरकारी जमीन 25 लाख में बेच दी। और फिर 15 साल बाद अब फिर से इसी जमीन पर अपना दावा ठोंक दिया। पीड़ित ने पैसे वापस मांगे, आरोपियों ने हरिजन कल्याण थाने में मारपीट, जातिसूचक शब्द बोलने और जमीन हड़पने की शिकायत कर दी। दरअसल यह मामला मझगवां गांव का है। जहां पर पुलिस को देवप्रकाश दुबे ने बताया कि साल 2014 में उमेश पटेल के जरिये उनकी मुलाकात मझगवां निवासी रिखीराम से हुई थी। उसका कहना था कि बच्चे छोटे हैं, मां भी बीमार रहती है, इसलिए जमीन किराए पर देना हैं। मैंने 2024 तक के लिए 7 लाख रुपए में 2 एकड़ जमीन ले ली और खेती करने लगे। 2016 में पता चला कि रिखीराम इसी जमीन को बेच रहा है। मैंने जमीन की कीमत पूछी और 13 लाख में सौदा तय हो

गया। रिखीराम को 6 लाख रुपए देकर जमीन के दस्तावेज अपने पास रख लिए। उसने जल्द ही रजिस्ट्री कराने का कहा था। दुबे 2007 में सेना से रिटायर हुए थे। 2016 में देव प्रकाश जमीन पर तारों फेसिंग करवा रहे थे, तभी घमापुर निवासी रमेश सोनी पहुंचे और दस्तावेज दिखाते हुए जमीन अपनी बताई। सोनी ने कहा कि 2009 में साढ़े तीन लाख रुपए में रिखी राम और उसकी मां इलायची बाई ने यह जमीन हमें बेची है, जिस पर देवप्रकाश ने साढ़े 3 लाख रुपए रमेश को दिए और जमीन के दस्तावेज ले लिए। इसके बाद 2024 तक रिखीराम ने पत्नी, मां और बच्चों की बीमारी का हवाला देकर 9 लाख रुपए और ऐंठ लिए। उससे जब भी रजिस्ट्री का कहा जाता, वह रजिस्ट्रार ऑफिस में दस्तावेज जमा होना बताता था।

अब तक लाखों ऐंठे-पिछले महीनों मझगवां गांव से रिंग रोड स्वीकृत हुआ और शासन ने जांच की तो पता चला कि रिखीराम ने जिस जमीन को अपना बताकर लाखों रुपए में बेच दिया, वह सरकारी है। रिखीराम के पिता-दादा को खेती कर जीवन यापन करने के लिए दी गई थी। शासकीय जमीन का नाप-जोख करने के लिए जब तहसीलदार, पटवारी पहुंचे तो देवप्रकाश के होश उड़ गए। उन्हें लगा कि अपनी जमीन बताकर रिखीराम ने उसके साथ धोखा किया है, और अभी तक 25 लाख रुपए भी ले चुका है। दुबे ने एसपी और रांझी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कार्यवाही की मांग की है।

स्व. दर्डाजी का चिंतन आज भी प्रासंगिक है

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकारिता के पितृ पुरुष की जयंती मनाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकारिता के पितृ पुरुष, देश के विकास में प्रमुख भूमिका निभाने वाले, लोकमत समाचार समूह के संस्थापक स्व. जवाहरलाल दर्डा की जयंती पर संस्कारधानी जबलपुर में भव्य समारोह आयोजित कर उनका कृतज्ञतापूर्वक पुण्य स्मरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना ने स्व. जवाहर लाल दर्डा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का पुण्य स्मरण करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में उनके अभूतपूर्व योगदान को रेखांकित किया, जबलपुर में कारागार में युवा अवस्था में आजादी के संकल्प को विकसित भारत के नवनिर्माण के साथ जोड़ कर बाबूजी ने राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पत्रकारिता के चौथे स्तंभ में लोकमत के माध्यम से लोगों के विचारों को समाधान करती पत्रकारिता में स्थान दिया। बाबूजी के जबलपुर के प्रति अगाध श्रद्धा का सुपरिणाम सेठ गोविंददास चिकित्सालय में लोकमत समाचार समूह द्वारा चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जाना है।

जबलपुर की ओर स्व. बाबूजी एवं लोकमत समूह के सुकार्यों के प्रति कृतज्ञतापूर्वक नमन करता हूं। उन्होंने सेठ गोविंददास चिकित्सालय में लोकमत समूह के सेवा अनुष्ठान में आरंभ से ही सहभागिता का स्मरण किया।

बाबू जी को जबलपुर से था गहरा लगाव

सायंकाल शहीद स्मारक में आयोजित समारोह में स्व दर्डा जी का स्मरण करते हुए डायरेक्टर लोकमत पत्र समूह अशोक जैन ने बाबूजी स्व. जवाहर दर्डा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए, स्वतंत्रता संग्राम, देश के विकास और पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान का स्मरण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। एसएस खरे वाइस प्रेसिडेंट लोकमत पत्र समूह ने बाबूजी के जबलपुर से लगाव और जबलपुर में स्वास्थ्य सुविधा में लोकमत समूह की भूमिका पर प्रकाश डाला। आभार कार्यक्रम संयोजक संजय परोहा लोकमत समाचार समूह जबलपुर ब्यूरो चीफ व्यक्त किया।

डाइट उमरिया में अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक थैला मुक्त दिवस पर आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

प्राकृतिक विकल्पों को अपनाने का लिया गया संकल्प, थ्री आरश् और पंच परिवर्तन के महत्व पर हुई चर्चा

उमरिया

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) उमरिया एवं एच.पी.पी.आई. (हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया) संस्था के संयुक्त तत्वावधान में डाइट प्राचार्य प्रकाश चंद भट्ट के मार्गदर्शन में डी.एल.एड. प्रशिक्षु छात्रों द्वारा गुरुवार 3 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक थैला मुक्त दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रशिक्षु छात्रों ने प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर अपने विचार साझा किए एवं स्वयं द्वारा निर्मित कागज के थैलों की रचनात्मक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रशिक्षु छात्र जयभान सिंह एवं गौरव साहू ने प्लास्टिक के पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्लास्टिक के सूक्ष्म कण जल स्रोतों में मिलकर न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। नेट प्रभारी श्री बल्लाराम ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम आज यह संकल्प ले कि सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग कम से कम करेंगे तथा पर्यावरण संरक्षण के वैकल्पिक वस्तुओं को अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभाएँ। डाइट व्याख्याता डॉ. ब्रजेश शर्मा ने प्रशिक्षु छात्रों द्वारा बनाए गए कागज के थैलों की सराहना करते हुए श्पंच परिवर्तनश् की अवधारणा पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि कुटुंब प्रबंधन, स्वदेशी, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य एवं विशेष रूप से पर्यावरण संरक्षण के प्रति उत्तरदायित्व निभाना आवश्यक है। उन्होंने ष्थ्री आरष् दृ री-यूज, रिड्यूस और री-सायकल दृ की अवधारणा को जीवन में अपनाने पर बल दिया। डाइट सहायक प्राध्यापक श्री मंवारे ने भी थ्री आर की महत्ता को रेखांकित करते हुए इसे दैनिक जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डाइट प्राचार्य श्री प्रकाश भट्ट ने प्रशिक्षु छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डाइट उमरि को एक मॉडल डाइट के रूप विकसित हो रहा है जहाँ इस प्रकार की रचनात्मक एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित होती हैं। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का पुनः उपयोग करते हुए, यदि हम उसे दुकानदार को लौटा दें, तो यह न केवल पर्यावरण हितैषी कदम होगा बल्कि दुकानदारों के लिए भी आर्थिक रूप से सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन नेट शिक्षक प्रशिक्षक गोकरण शुक्ला द्वारा किया गया। श्री शुक्ला जानकारी दी कि डाइट उमरिया को पर्यावरणीय गतिविधियों के लिए क्लाइमेट सेंटर के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ समय-समय पर पर्यावरणीय दिवसों एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। उन्होंने पीएम श्री विद्यालयों के उपस्थित शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपने विद्यालयों में भी पर्यावरणीय प्रदर्शनी केंद्र की स्थापना करें ताकि छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिल सके एवं समुदाय को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सके। इस अवसर पर डाइट के प्रवक्ता सुशील मिश्र, डॉ. नीरज श्रीवास्तव, श्रीमती विभुसिता साहू, श्रीमती वंदना श्रीवास्तव, गुलाब सिंह, हरिशंकर गवले, सोनु नापित, अजय प्रजापति, रामधनी बैगा सहित प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु छात्र तथा उमरिया जिले के चार पीएम श्री विद्यालयों के प्रशिक्षु शिक्षक उपस्थित रहे।

नन्हे नवजात को मिली नई जिन्दगी

जिला चिकित्सालय उमरिया को लगातार तीसरी बार मिली सफलता

उमरिया

सिविल सर्जन डॉ. के.से.सोनी के नेतृत्व में जिला अस्पताल उमरिया नित्य नई इबादत गढ़ रहा है और नाउम्मीदी शब्द को हटाते हुए जीवनदान देने की मिसाल पेश कर रहा है। अपने अथक प्रयासों से रिफर अस्पताल के दाग को हटाते हुए अब बड़े महानगरों वाले अस्पताल के रूप में स्थापित करते हुए कई अवॉर्ड भी इस छोटे से शहर उमरिया के जिला अस्पताल को मिल चुका है जिसका श्रेय सिविल सर्जन डॉ. के.सी.सोनी और उनकी पूरी टीम को जाता है। बताया गया कि मानपुर के ग्राम नवगवां निवासी बेबी ऑफ सुनीता बैगा पति नवनीत बैगा को 30 सप्ताह की गर्भावस्था में बच्ची का जन्म घर पर 28 मई को 3 बजे बजे रात्रि में हुआ था। जन्म के पश्चात बच्चें के परिजन के द्वारा बच्चें को सी0एच0सी0 मानपुर में भर्ती कराया गया। भर्ती के पश्चात 30 सप्ताह की गर्भावस्था में जन्म होने एवं कम वजन 1.42 किलो ग्राम के कारण बच्चें को 28 मई को समय 6 बजे सायं को जिला चिकित्सालय के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया। भर्ती के समय बच्चा अति गम्भीर था तथा सांस लेने में कठनाई हो रही थी । परीक्षण उपरान्त बच्चा आरडीएस नामक बीमारी पाई गई बच्चें बीमारी की गम्भीरता को देखते हुए उसे सी एंड पीएपी पर तुरन्त रखा गया उसे जीवन रक्षक दवाईया दी गई। लगभग 30 दिन बच्चें को कंगारु मदर केयर प्रदान किया गया एवं 30 दिन बच्चा स्टेप डाउन में रहा। जिला चिकित्सालय उमरिया के एसएनसीयू में 35 दिन बच्चें का उपचार चला। गत 3 जुलाई को बच्चो के पूर्ण स्वस्थ्य होने पर का सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया। उस समय बच्चें का वजन 1.360 किलो ग्राम था। उक्त बच्चें के उपचार में सिविल सर्जन डॉ0 के.सी. सोनी, आर. एम.ओ. डॉ0 सदीप सिह के निर्देशन एवं डॉ0 एस.के. निपाने शिशुरोग चिकित्सक की मेहनत से तथा इंचार्ज नर्सिंग आफीसर श्रीमती पुष्पा पटेल, मनीषा सिंह, रिचा पटेल, आशा ठाकुरिया, भुमिका डोगरवार नर्सिंग आफीसर एवं किरण मिश्रा डी0ई0ओ0 वार्ड में उपस्थित समस्त वार्ड ब्याय, समस्त वार्ड आया, समस्त सुरक्षाकर्मी, समस्त सफाई कर्मचारी का इस सफलता में योगदान रहा।

मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य द्वारों पर खतरनाक नाली हुई जानलेवा...!

मानपुर

सामुायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर के निर्मार्ण स्थिति जर्जर हो चुकी है, यहां प्रवेश करने के लिये दो बड़े द्वार हैं दोनो के सामने से गहरे खाई के समान नाली निकली है। प्रथम द्वार में नाली के ऊपरी भाग पैक करवा दिया गया था जो कई जगह टूट गया है। यहां किसी के भी पैरे धोखे से अंदर प्रवेश कर टूट सकते हैं। यहां तो किसी के गाड़ी का पहिया नाली में समा सकता है, वही यहां के दूसरे द्वार के सामने गहरी खुली नाली पड़ी हुई है जहां से आवगमन रूका हुआ है, जो नाली कभी भी न जाने किसके जानलेवा हादसा करने के इंतजार में है ..? मानपुर के इस अस्पताल की सुरक्षा हेतु कोई बांउड्रीबाल नहीं है जिससे यहां आवारा कुत्ते और मवेसी अकसर बने रहते हैं, जिनसे काटने अथवा घतक प्रहार करने के भय में यहां आनेवाले मरीज भयभीत रहते हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर के सामने खुली नाली बदबू बनाये रखती है जहां से लोगों को नाक दबाकर निकलना पड़ता है, और इस गंदगी और बदबू के कारण मच्छरों के आतंक हैं जो अच्छे भले आदमी को बीमारी करने के लिए काफी है। इस अस्पताल एरिया के बगल से खरपतवार और कूड़ा कचरा का भरमार बना रहता है जहां बिसैले साँप, बिछुओ जैसे अन्य जन्तुओं के निवास होने का भय बना रहता है। बड़े दुख की बात यह है कि यहां बड़े पदाधिकारियों का भ्रमण अक्सर होता रहता है जिसके बाद भी यहां के जर्जर हालात में किसी भी प्रकार का कोई सुधार नहीं हो पाया है, जो क्षेत्र के लिए चिंतनीय विषय है..!

जबलपुर एसटीएफ ने उमरिया में पकड़ा 119 किलो गांजा

उमरिया । स्पेशल टास्क फोर्स की जबलपुर यूनिट ने गांजा की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को उमरिया जिले के ताला में पकड़ा है। उनके पास से कार समेत 119 किलो 260 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। आरोपियों को शहर लाकर न्यायालय में पेश किया, जहां से दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गयो। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिशा से गांजा लेकर अनूपपुर होते हुए उमरिया में स्टॉक करते थे, वहां से विभिन्न जिलों में डिलेवरी करते थे। एसटीएफ निरीक्षक निकिता शुक्ला ने बताया कि टीम को सूचना मिली कि ओडिशा से बिना नम्बर की कार से गांजा की बड़ी खेप उमरिया होते हुए ले जाई जा रही है। सूचना पर टीम सोमवार देर रात उमरिया पहुंची। बिना नम्बर की कार को रोका, उसमें कार चालक बुढ़ार निवासी इंद्र बहादुर सिंह वैश्य उर्फ शिवम, शहडोल के सोहागपुर निवासी करण सिंह चंदेल और मानपुर उमरिया निवासी प्रदीप कुमार पटेल सवार थे।

आदर्श महाविद्यालय में प्रवेश उत्सव दीक्षारंभ का हुआ समापन

उमरिया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय में सहज वातावरण अनुभव कराने,संस्थान की विशिष्ट प्रकृति तथा संस्कृति को सीखने के लिए आदर्श कालेज में त्रिदिवसीय प्रवेश उत्सव दीक्षारंभ कार्यक्रम गुरुवार 3 जुलाई को सम्पन्न हुआ। इसमें पहले दिन मुख्य अतिथि के रूप में पीटीएस उमरिया के डीएसपी श्री हिमांशु चौबे,विशिष्ट अतिथि डॉ एमएन स्वामी सेवानिवृत्ति प्राध्यापक एवं समापन दिवस पर स्वेतंत्रता सेनानी एवं भूतपूर्वक सैनिक श्री रामसिया शर्मा रहे। यह आयोजन महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ नियाज अहमद अंसारी की अध्यक्षता एवं प्रवेश प्रभारी डॉ पिंकी सोमकुंवर के नेतृत्वअ में हुआ।नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का महाविद्यालय में तिलक लगाकर पुष्पं वर्षा कर स्वातगत किया गया। जहां डीएसपी चौबे ने कालेज को चरित्र और भविष्यक निर्माण का सर्व सुलभ मंच बताया, वहीं पूर्व सैनिक शर्मा जी ने देश एवं जनसेवा के महत्वि को रेखांकित किया। दूसरे दिन प्राचार्य एवं राजनीति विज्ञान एवं व्यरक्तित्वी विकास के प्राध्यापक डॉ. नियाज अहमद द्वारा आज के बदलते समय में छात्रों एवं शिक्षकों के व्यंक्तित्वक विकास हेतु विभिन्नह मृदुल कौशल की आवश्ययकता को पीपीटी के माध्य म से समझाया। वरिष्ठ प्राध्याशपक डॉ अभय पाण्डे, प्रशासनिक अधिकारी शिव कुमार हल्दकार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विजय डाबर, एनएसएस अधिकारी एवं छात्रवृत्ति अधिकारी रेमसिंह हटिला सहित सहायक प्राध्याजपक निशि कर्ण एवं अतिथि विद्वानडॉ राजीव तिवारी, डॉ.नवीन उपाध्याय,डॉ. ब्रहमानंद शर्मा,डॉ. स्वतराज पाल,डॉ. जुगुल किशोर, डॉ रिचा तिवारी, डॉ. विष्णुाकांत तिवारी, आदि ने कालेज में उपलब्ध संकायों, विषयों, परीक्षा प्रणाली, छात्रवृत्तियों, हितग्राही मूलक योजनाओं, खेल सुविधाओं,महाविद्यालय की उपलब्धियां से अवगत कराया। तीनों दिन सभी अतिथि विद्वानों एवं छात्र-छाताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। तीनो दिन कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव तिवारी ने किया। सभी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया।

वनविकास समिति लेंडेझरी के अध्यक्ष बने रूपचंद बिसेन, तीन उम्मीदवारों ने दिया समर्थन तो एक उम्मीदवार ने लिया नाम वापस

बालाघाट

वनविकास समिति लेंडेझरी के निर्वाचन में रूपचंद पिता बानाजी बिसेन, निर्विरोध निर्वाचित घोषित हो गए है। हालांकि चुनाव कार्यक्रम के तहत, अधिकृत घोषणा कल की जाएगी लेकिन, चुनाव में सभी प्रत्याशियों के नामांकन फार्म वापस ले लिए जाने से यह साफ हो गया है कि रूपचंद बिसेन, वन विकास समिति लेंडेझरी के नए अध्यक्ष होंगे। जो चित्रसेन चौहान का स्थान लेंगे चित्रसेन चौहान का कार्यकाल 8 वर्षों का रहा। जिसमें उन्होंने वन समिति के अनेकों विकास कार्य किए। दरअसल, चुनाव कार्यक्रम के तहत वन विकास समिति लेंडेझरी के निर्वाचन की जारी अधिसूचना के अनुसार 30 जून से 1 जुलाई तक नामांकन और 3 जुलाई तक नामांकन फार्म वापसी का समय निर्धारित था। निर्वाचन के लिए रूपचंद बिसेन, निवर्तमान अध्यक्ष चित्रसेन चौहान, युवा नेता थानसिंह चौहान, लेंडेजरी ग्रा.पं.वार्ड 3 के पंच निरंजन बिसेनऔर पूर्व सरपंच एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि भाजपा नेता बाबुलाल भगत ने अपना नामांकन जमा किया था। लेकिन नामांकन फार्म वापसी तक चित्रसेन चौहान, थानसिंह चौहान,निरंजन बिसेन ने, रूपचंद बिसेन के समर्थन में अपना नामांकन वापस ले लिया। जबकि 03 जुलाई को पूर्व सरपंच और जनपद सदस्य प्रतिनिधि भाजपा नेता बाबुलाल भगत ने अपना नामांकन फार्म वापस ले लिया। जिससे निर्वाचन में रूपचंद बिसेन, इकलौते प्रत्याशी होने से, वह निर्विरोध निर्वाचित हो गए। आपको बताते चले कि रूपचंद बिसेन, गर्रा सरपंच और सरपंच संघ जिलाध्यक्ष वैभवसिंह बिसेन के खेमे के माने जाते है, जिन्हें अध्यक्ष बनाने के लिए वैभवसिंह बिसेन और पूर्व जनपद सभापति श्रीमती रंजना राधेलाल चौहान चुनाव की घोषणा और अधिसूचना जारी होने के बाद से लगातार सक्रिय रहे और अंततः सक्रियता और राजनीतिक विद्वता से उन्होंने अपने साथी रूपचंद बिसेन को निर्विरोध निर्वाचित कराने में सफल रहे।

स्कूल शिक्षा एवं जनजाति कार्य विभाग के प्राचार्य की हुई समीक्षा

बालाघाट

जिला शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय द्वारा जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं हाई स्कूल प्राचार्यों की बैठक 03 जुलाई 2025 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट के सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सत्र 2025-26 के नामांकन, अपार आईडी, अतिथि शिक्षकों का वेरिफिकेशन, सीएम हेल्पलाइन, सीएम डेस-बोर्ड, सी-मॉनिट की शिकायत, विमर्श पोर्टल पर पाठ्य पुस्तक वितरण की इन्ट्री, निःशुल्क सायकल वितरण, इंस्पायर अवार्ड 2025-26 हेतु आईडिया को अपलोड करना, पदोन्नति हेतु शिक्षको की गोपनीय चरित्रावली, बोर्ड कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विषयवार शिक्षकों के परीक्षा परिणाम की समीक्षा, शिक्षकों के पेंशन, ग्रेज्युटी, एरियर राशि भुगतान की समीक्षा की गई । मेरिट कम मीन्स, एससी-एसटी एवं स्क्क्ष्स्ष्ट छात्रवृत्ति का नेशनल स्कालरशीप पोर्टल पर विद्यार्थी के नामांकन की प्रक्रिया के संबंध में पीपीटी के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई। स्कूलों में खेलों को बढावा देने के लिए स्पोर्ट्स मैनेजमेंट सिस्टम पर विद्यालय के खिलाड़ी छात्र/छात्राओं का ऑनलाइन पंजीयन कराने हेतु निर्देशित किया गया । बैठक में जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी भी उपस्थित रहे । जिले के स्कूलों में वृक्षारोपण हेतु च्एक विद्यार्थी, एक वृक्ष अभियानज्ज की शुरूआत जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट द्वारा आज से की गई है । इस अभियान के तहत स्कूलों के प्राचार्य, प्रधानपाठक अपने-अपने स्कूलों में कार्य योजना बनाकर प्रत्येक विद्यार्थी को स्कूल प्रांगण, घर के आंगन, खेत-बाडी आदि उचित स्थान का चयन कर पौधारोपण हेतु प्रेरित करेगें । च्एक पेड़ माँ के नामज् का सार एक प्रतीकात्मक इशारा है - अपनी माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना माताओं की भूमिका का सम्मान करना । पेड़ जीवन को बनाए रखते हैं, और एक माँ की तरह, वे अगली पीढ़ी के लिए पोषण, सुरक्षा और भविष्य प्रदान करते हैं। इस पहल के माध्यम से, प्रतिभागी न केवल अपनी माँ के सम्मान में एक स्थायी स्मृति बनाते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की भविष्य की जरूरतों को भी पूरा करेगें ।

टपकती छत के नीचे बच्चों का भविष्य!

शासकीय प्राथमिक शाला भवन हर्राटोला का मामला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

टपकती छत के नीचे बच्चों की पढ़ाई एक गंभीर समस्या है जो भारत के कई सरकारी स्कूलों में देखी जाती है। बारिश के मौसम में, जब छत से पानी टपकता है, तो बच्चों को छाता या प्लास्टिक शीट का उपयोग करके पढ़ाई करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे न केवल उनकी पढ़ाई में बाधा आती है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी खतरा है। इधर, नवीन शिक्षण सत्र शुरु हो चुका है जिस के तहत जिले के समस्त शासकीय, गैर शासकीय शालाओं में अध्यापन कार्य प्रारंभ हो चुका है और पढ़ाई भी चल रहीं हैं। किंतु जर्जर भवनों के चलते कई स्थानों में शैक्षिक कार्य प्रभावित भी हो रहा है। कई शालाओं में शिक्षको की अनुपस्थिति भी बनी हुई है। इन्ही शिकायतों और जानकारी को देखते हुऐ यह प्रतिनिधि नक्सल क्षेत्र की कई गावों में संचालित शालाओं और छात्रावास भवनों का अवलोकन किया तो बरसात का पानी कमरों में टपकते हुए देखने को मिला। बैहर जनपद पंचायत के लाटरी पंचायत के हर्राटोला में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला भवन पूर्ण रूप से जर्जर हालत में दिखा, परिणाम स्वरूप सभी कमरे में बरसाती पानी टपकते हुए देखने को मिला जिस कारण वहा के बच्चे करीब के आगनवाड़ी भवन में पढ़ाई कर रहे हैं। जबकि अध्यापन कार्य कराने वाले शिक्षको ने बीआरसी, जनपद और डीपीसी शिक्षा को अवगत करा चुके हैं। इसी जनपद के जाता पंचायत की प्राथमिक भवन की भी स्तिथि उसी तरह दिखी सभी कमरों के छतों का पलस्तर उखड़ गया है और बरसाती पानी टपक रहा है, हेड मास्टर एसएल गजभिए कमरे के एक कोने में बच्चों को पढ़ाते हुए दिखे। इसी गांव में संचालित शासकीय सीनियर बालक छात्रावास भवन की भी स्तिथि दयनीय दिखी सभी कमरे की छतों का पलस्तर उखड़ गया है और पानी टपकते हुए देखने को मिला, इस भवन का निर्माण कार्य वर्ष 2009, 10 में हुआ था और ट्रैवल विभाग को हैंड ओवर हुआ, किंतू इतनी कम समय में भवन जर्जर स्तिथि में पहुंच गया है। टपकती छत से बिजली के तारों को भी नुकसान हो सकता है, जिससे शॉर्ट सर्किट या बिजली का झटका लगने का खतरा रहता है। बारिश का पानी कक्षा में फैल जाता है, जिससे फर्श गीला हो जाता है और कीचड़ जमा हो जाता है। इससे बच्चों को सर्दी, जुकाम, और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। वहीं भवन की जर्जर छत कभी भी सिर पर गिरने से बड़ी दुघर्टना घट सकती हैं। टपकती छत के नीचे बच्चों की पढ़ाई एक गंभीर समस्या है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

6 जुलाई को पौनिया में मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कटंगी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पौनिया में सेवा संकल्प के तहत समाजसेवी आलोक चौधरी के द्वारा 6 जुलाई रविवार को मेधावी विद्यार्थीयो का सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी समाजसेवी आलोक चौधरी के द्वारा दी गई।उक्त सम्मान समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में कटंगी खैरलांजी विधायक गौरव सिंह पारधी प्रमुख रूप से शामिल होकर प्रतिभावान छात्र छात्राओ को शैक्षणिक कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अंचल के बच्चो को पुरस्कार देकर सम्मानित करेंगे।पौनिया के युवा आलोक चौधरी ने बताया कि ग्राम पौनिया, धनकोषा, बोथवा, बोलडोंगरी, डोंगरगाँव के शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थी जो अनेक अभावों के बाद भी उच्च बौध्दिक क्षमता के साथ शिक्षा के क्षेत्र में शिर्ष अंक प्राप्त कर रहे है। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी का सम्मान कर स्वयं सम्मानित होने का उत्सव है।वही क्षेत्र वासियों से कहा की इस कार्यक्रम में आपकी गरिमामयी उपस्थिति से बच्चों का उत्साहवर्धन तो होगा ही साथ ही आलोक चौधरी द्वारा जन सेवा कार्यो को और अधिक गति मिल सकेगी । सम्मान समारोह के आयोजन का यह प्रथम वर्ष है जिसका उद्देश्य अंचल के बच्चो को शिक्षा के प्रति आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथी के रूप में विधायक गौरव सिंह पारधी,कौशल कुमार सूर्या थाना प्रभारी तिरोड़ी, सुरेश ठाकुर जन भागिदारी अध्यक्ष (महा. विद्या. तिरोड़ी),अविनाश देशमुख (भाजपा मंडल अध्यक्ष तिरोड़ी) प्रमुख विशिष्ट अतिथि रेखा शिशुपाल परिहार जनपद सदस्य,विनीता गनपत चकोले,सरंपच ग्राम पंचायत बोलडोंगरी अतिथि जितेन्द्र गौतम भाजपा युवा नेता समाजसेवी, दिप्ती पराग ठाकुर सरंपच ग्राम पंचायत बोथवा,रिमन बुद्ध सिंह धुर्वे सरंपच ग्राम पंचायत धनकोषा कार्यक्रम अध्यक्षता गीता लक्ष्मण भलावी सरंपच ग्राम पंचायत पौनिया सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

समुदायों के अधिकार को लेकर चल रही जन स्वाभिमान यात्रा का यह समापन नहीं है बल्कि यह और आगे बढ़ेगी

मण्डला।

विगत 9 जून को बालाघाट से निकाली गई स्वाभिमान यात्रा का संगम घाट महाराजपुर मंडला में समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में वर्षा और खेती किसानी के बावजूद दो दर्जन से अधिक गांव के सैकड़ों महिला-पुरुष प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बालाघाट जिला पंचायत के सदस्य मंशाराम मंडावी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। अभी संगठित होकर मुकाबला नहीं किया तो कुछ बचने वाला नहीं है। मवई की रूक्मिणी सुरेश्वर ने कहा कि आदिवासियों को जंगलों से दूर किया जा रहा है जो उनके जीविका का आधार है। चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति के अध्यक्ष दादु लाल कुड़ापे और मीरा बाई मरावी ने देश और प्रदेश के आदिवासी संगठनों को विस्थापन के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। बालाघाट के जिला पंचायत सदस्य दल सिंह पन्द्रे ने जल जंगल जमीन और जीवन को संरक्षित करने के लिए सरकार से ठोस कदम उठाने मांग की है। किसान नेता राम नारायण कुड़रिया ने कहा कि वन अधिकार कानून आदिवासियों पर हुए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए लाया गया था परंतु अभी बारिश में आदिवासियों को घर से बेदखल किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के आलोक शुक्ला ने कहा कि पूरे संसाधनों को कॉरपोरेट को सुपुर्द किया जा रहा है। पेसा और वन अधिकार कानून जैसे जन पक्षीय कानून को सरकार कमजोर करना चाहती है। जन स्वास्थ्य अभियान इंडिया के राष्ट्रीय संयोजक अमूल्य निधि ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार मिलकर जिला अस्पताल को निजी हाथों में सौंपने का टेंडर निकाल चुकी है। महाकौशल में बालाघाट जिला अस्पताल को निजी हाथों में देने का विरोध जन संघर्ष मोर्चा को करना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित बिछिया के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने कहा कि वर्तमान मध्यप्रदेश सरकार 37 हजार वर्ग किलोमीटर जंगल निजी पूंजीपतियों को देना चाहती है। इसका विरोध सभी लोगों को मिलकर करना होगा। निवास के विधायक चैनसिंह बरकड़े ने प्रस्तावित चुटका परियोजना, बसनिया बांध और राजा दलपत शाह अभ्यारण्य का उल्लेख करते हुए कहा कि बरगी बांध से विस्थापित परिवारों की दुर्दशा के बाद लोग अब अपना गांव और जमीन नहीं छोड़ना चाहते हैं। पूर्व विधायक डाक्टर अशोक मर्सकोले ने जल जंगल जमीन बचाने के लिए जनप्रतिनिधियों से जमीन को जगाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विरोध की रस्म अदायगी मात्र से प्राकृतिक संसाधनों की लूट को नहीं बचाया जा सकता है। बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिंहा ने 30 जून को 1855-56 को संथाल आदिवासियों द्वारा अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह को हूल दिवस के रूप में याद किया और कहा कि आज जल जंगल जमीन बचाने के लिए आत्म चिंतन का दिन है। जन संघर्ष मोर्चा के संयोजक और जन स्वाभिमान यात्रा के प्रमुख विवेक पवार ने कहा कि 365 दिनों में से एक सप्ताह सभी को अपने बलिदानी पुरखों के आदर्श को समझने और उस पर चिंतन के लिए निकालना चाहिए। तभी ये धरती और समाज बच पायेगा। उन्होंने कहा कि यह जन स्वाभिमान यात्रा समाप्त नहीं हुई है बल्कि यह आगे और बढ़ेगी उन्होंने यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मंत्री, आदिम जाति कल्याण मंत्रालय के नाम एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा गया। जिसमें मुख्य मांगें मंडला, बालाघाट डिंडोरी जिले में प्रस्तावित परियोजनाओं से होने वाले विस्थापन पर पूर्णत रोक लगाई जाए। बीजाडांडी और नारायणगंज के काश्तकारों द्वारा बरगी जलाशय से पानी लिफ्ट कर खेतों तक पानी पहुँचाने की मांग को तत्काल पूर्ण किया जाए। बरगी जलाशय में लगातार घटते मत्स्य उत्पादन का अध्ययन करा कर उत्पादन बढ़ाने का प्रयास किया जाए। बरगी जलाशय में प्रस्तावित फ्लोटिंग सोलर प्लांट योजना को तत्काल रद्द किया जाए। नर्मदा के भूकंप संवेदी और कान्हा टाईगर रिजर्व के पारिस्थितिकी संवेदनशील आदिवासी क्षेत्र में प्रस्तावित घातक चुटका परमाणु परियोजना को रद्द किया जाए। वन अधिकार कानून 2006 के अन्तर्गत व्यक्तिगत और सामुदायिक वन संसाधनों पर समुदाय के अधिकारों को सुनिश्चित किया जाए। वन भूमि पर काबिज दावेदारों के दावा परिक्षण निष्पक्ष रूप से किया जाकर बेदखली को रोका जाए। बालाघाट जिले के बैहर, बिरसा विकास खण्ड के 55 वन खण्डों को रिजर्व फारेस्ट घोषित करने में 40 गांव प्रभावित होकर 36833.672 हेक्टेयर वन भूमि को रिजर्व फारेस्ट घोषित किया जा रहा है। इन वन खण्डों को डि-नोटिफाई किया जाये। परसवाड़ा विकास खंड के लौगूर जंगल के 250 हेक्टर वन भूमि खनिज के लिए आबंटित किया गया जा रहा है। इसे निरस्त किया जाये। कान्हा नेशनल पार्क के कोर क्षेत्र के छः गांवों को राजस्व ग्राम घोषित करने की कार्यवाही को वन विभाग ने रोक दिया है। इसे तत्काल शुरू किया जाए। विभिन्न परियोजनाओं (बांध, नेशनल पार्क व टाइगर रिजर्व आदि) से विस्थापित परिवारों की आर्थिक स्थिति का सर्वे करा कर पुनर्वास का लाभ दिया जाए।

नाला पार करना युवक को पड़ा महंगा

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर है वहीं बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चर्राटोला मे स्थित नाले मे भी उफान जहां नाला पार करते वक्त एक व्यक्ति बह गया। उक्त युवक की पहचान गणेश तेकाम चर्राटोला के तौर पर हुई है। बिछिया पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और युवक की तलाश कर रही है। वहीं तेज बारिश के चलते बिछिया थाना क्षेत्र के ग्राम भवान और मेढाताल मे नदी और नाले का पानी लोगों को घरों जा घुसा है। जहां गांव में बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हुई लोगों को घरों से निकालकर सुरक्षित स्थान में पहुंचाया गया। भू अभिलेख विभाग के अनुसार जिले में औसतन 19.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। तहसीलवार आंकड़ों में नैनपुर में 27.6, मंडला में 27.2, बिछिया में 24.1, घुघरी में 18.6, निवास में 12.8 और नारायणगंज में 5.8 मिमी बारिश हुई। वहीं इस मानसून सीजन में 3 जुलाई तक जिले में 381.6 मिमी औसत बारिश हो चुकी है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 220.6 मिमी बारिश हुई थी। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए जिले में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज पंजीयन प्रारंभ

मण्डला (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग एवं जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 1 अगस्त को संपन्न होगी। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी् बरकड़े ने बताया कि जिले के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को पर्यटनं एवं संस्कृति से परिचित कराने के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया जा रहा है। क्विज मास्टर अखिलेश उपाध्याय ने बताया कि प्रत्येक स्कूल से एक टीम आमंत्रित है।

1 अगस्त को लिखित परीक्षा के बाद 6 टीमें चयनित कर उसी दिन मल्टीमीडिया क्विज का आयोजन किया जाएगा। इन समस्त टीमों को मध्यप्रदेश के पर्यटक स्थलों को घूमने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता के लिए पंजीयन ऑनलाइन प्रारंभ हो चुके हैं जिसकी अंतिम तिथि 18 जुलाई है। सभी शासकीय-अशासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल अपने-अपने विद्यालय के 3 छात्रों की एक टीम का पंजीयन निर्धारित तिथि के पूर्व पर्यटन बोर्ड पोर्टल पर कराए। पंजीयन की पृथक से लिंक प्राचार्यों को उपलब्ध करा दी गई है।

अत्याचार निवारण की समीक्षा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। *कलेक्टर की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण की समीक्षा बैठक गोलमेज कक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, एडीशनल एसपी शिवकुमार वर्मा, जयदत्त झा, एसी ट्रायबल श्रीमती वंदना गुप्ता, सहायक संचालक आदिवासी विकास रंजीत गुप्ता, एसडीओपी श्रीमती अर्चना अहीर, जिला अभियोजन अधिकारी मौजूद थे।*

आजीवन कारावास एवं जुर्माना

मण्डला (स्वतंत्रमत)। चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश श्रृंखला न्यायालय नैनपुर जिला द्वारा आरोपी चैनसिंह मरकाम पिता बिरजू मरकाम उम्र 51 वर्ष निवासी ग्राम अरोली थाना खटिया जिला मण्डला को धारा 376(2) (एल), 506 भाग-2, धारा 92 दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में आजीवन कारावास एवं कुल 3000रू. अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अभियोक्त्री ने इस आशय की रिपोर्ट लेख कराई कि वह कक्षा 8वी तक पढ़ी लिखी है वे लोग दो भाई और दो बहन है उसे बचपन से दाहिने आंख में दिखाई नहीं देता है तथा उसकी बायी आंख में उसे पास का दिखाई देता है परन्तु दूर का दिखाई नहीं देता है वह अपना काम स्वयं कर लेती है वह अकेली आना-जाना कर लेती है अभियुक्त चैनसिंह मरकाम को वह जानती पहचानती है। उक्त घटना की रिपोर्ट के आधार पर थाना खटिया के द्वारा अपराध क्र. 08/2023 अन्तर्गत धारा 376 (2)(एल), 506 भाग-2, धारा 92 दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 का अपराध पंजीबद्ध किया गया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

आशीष बनें आजीवन सदस्य

मण्डला (स्वतंत्रमत)। नगर के समाजसेवी आशीष द्विवेदी ने बुधवार को नमामि नर्मदे महाआरती ट्रस्ट की आजीवन सदस्यता ली। उन्होंने कलेक्टर सोमेश मिश्रा के समक्ष आजीवन सदस्यता शुल्क का चैक जमा किया। इस अवसर पर एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम उपस्थित रही।

समग्र स्वच्छता का नवाचार : वॉश ऑन व्हील्स

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जनपद पंचायत मण्डला ने वॉश ऑन व्हील्स समग्र स्वच्छता का नवाचार शुरू किया है। हाल ही में प्रदेश की केबिनेट मंत्री श्रीमती सम्पतिया उईके द्वारा इसका शुभारंभ किया गया था। कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत मण्डला के इस अभिनव पहल से नगर में ना सिर्फ स्वच्छता के नए आयाम स्थापित होंगे अपितु इससे लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी आएगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत श्रीमती प्रतिमा शुक्ला ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन जनपद पंचायत द्वारा संस्थागत एवं व्यक्तिगत शौचालय की साफ -सफाई को बढ़ावा देने हेतु इस कार्यक्रम को शुरू किया गया है। इसके लिए नगर के समीपस्थ ग्राम बड़ी खैरी के स्वच्छतासाथी संदीप बैरागी (9302574986) एवं मनीष चक्रवर्ती (7999341193) का चयन किया गया है। संबंधित स्वच्छता साथी के साथ ग्राम पंचायत संस्था का अनुबंध भी किया गया है। वॉश ऑन व्हील्स के स्वच्छता साथियों द्वारा बार कोड का उपयोग किया जा रहा है जिसके माध्यम से स्वच्छता साथी की सेवा ली जा सकती है एवं उन्हें भुगतान भी किया जा सकता है। इस कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन हेतु एक गूगल फार्म भी जनरेट किया गया है। जिसके माध्यम से स्वच्छता साथी को सफाई के लिए बुक किया जा सकेगा। इसके पश्चात गूगल लिंक के माध्यम से स्वच्छता साथी बुकिंग के आधार पर सफाई हेतु संबंधित स्थान पर उपस्थित होकर सफाई करेंगे। इस लिंक के माध्यम से कार्यालय जनपद पंचायत द्वारा भी मॉनीटरिंग की जा सकेगी। स्वच्छ भारत मिशन की विकासखंड समन्वयक श्रीमती रश्मि वर्मा ने बताया कि स्वच्छता साथी द्वारा सामुदायिक संस्थान की 5 कि.मी. की दूरी तक 200/- रूपये एवं उससे अधिक दूरी होने पर 250/- से 300/- तक तथा व्यक्तिगत शौचालय की सफाई हेतु 50 से 75 रूपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। आमजन इस प्रकार साधारण शुल्क देकर व्यक्तिगत तथा सामुदायिक स्वच्छता के इस नव प्रयोग को बढ़ावा देने के कार्य में सहयोग कर सकते हैं। समग्र स्वच्छता के इस नवाचार को बढ़ावा देने के लिए शासकीय कार्यालयों और आम नागरिकों का सहयोग मिल रहा है। गुरूवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय में सहायक संचालक राहुल वासनिक के निर्देश पर कार्यालय के शौचालयों की सफाई कार्य के लिए वाश ऑन व्हील्स के स्वच्छता साथियों की सेवाएं ली गई।

उप मुख्यमंत्री से मिले आशुतोष

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से बीते दिनों गोल्ड मेडल विजेता वूशु मार्शल आर्ट खिलाड़ी आशुतोष जायसवाल ने भोपाल में मुलाकात की। इस दौरान उनके पिता विकास जायसवाल एवं मां श्रीमती ज्योति जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित रही। आशुतोष जायसवाल को उपमुख्यमंत्री ने स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया है। यह क्षण न केवल एक युवा खिलाड़ी के हौसले को बढ़ाने वाला था बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायक सिद्ध हुआ है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने बुशू खेल के बारे में आशुतोष से जानकारी भी ली है।

नए प्रदेश अध्यक्ष बनने पर मनाया जश्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)। भाजपा के बैतूल से विधायक हेमंत खंडेलवाल को मध्यप्रदेश का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। श्री खंडेलवाल के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यालय में जश्न मनाया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में एकत्र होकर आतिशबाजी की। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, वरिष्ठ भाजपा नेता रोचीराम गुरवानी, विनय मिश्रा,पारस असरानी, जयदत्त झा, शिवा रानू राजपूत, सूर्यकांत जंघेला, बिटटू चौरसिया, सौरभ गुप्ता, मयंक विश्वकर्मा, संजय गुप्ता, सचिन शर्मा,सावन चौरसिया, अमित शर्मा, मोंटी मलिक, इशांक साहू, दिनेश चौधरी, राकेश पटेल, सुधीर दुबे, नितिन राय, यशवल तिवारी,देव रजानी,तिलक राम साहू, नितिन यादव, आनंद जैन, सहित मातृशक्ति, युवा मोर्चा के साथ नगर व जिला पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि हेमंत खंडेलवाल जब से राजनीति में है। तभी से मानव सेवा माधव सेवा उनका लक्ष्य रहा है गरीब शोषित और जरूरतमंदो के लिए हर समय मदद करने वाले श्री खंडेलवार के प्रदेश अध्यक्ष बनने से पार्टी में नई उर्जा का संचार होगा।

बाल गृह के बच्चों ने देखी फिल्म

मण्डला (स्वतंत्रमत)। प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों के लिए शासन बाल संरक्षण संस्थान संचालित करता है। नगर में आदर्श बालगृह संचालित है। बालगृह में रह रहे बच्चों को घर और परिवार दिलाने के लिए महिला बाल विकास बाल कल्याण समिति बालगृह और अन्य स्टेकहोल्डर्स सतत कार्यरत रहते हैं। पुर्नवास की राह देख रहे बच्चों को घर जैसा परवरिश देने के लिए हरसंभव प्रयास रहता है। महिला बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी और सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने बाल गृह के बच्चों के स्वस्थ मनोरंजन के लिए बच्चों को नगर के मल्टीप्लेक्स में सितारें जमीं पर फिल्म दिखाई। फिल्म देखकर बच्चे रोमांचित और प्रसन्नचित दिखे। महिला बाल विकास के सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने बताया कि बच्चों के सर्वोत्तम हित के लिए समाज जीवन के विविध आयामों के प्रसिद्ध लोगों को बच्चों से निरंतर और जीवंत संवाद के सार्थक प्रयास किया जा रहा है ताकि बच्चे समाज जीवन से समरस हो सकें।

परामर्शदात्रीकी बैठक आज

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक 4 जुलाई को जिला योजना भवन में आयोजित की गई है। अपरान्ह 4 बजे से होने वाली इस बैठक में सभी कार्यालय प्रमुख शामिल होंगे। सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि 31 मई को संपन्न हुई समिति की बैठक में दिये गये निर्देश के पालन प्रतिवेदन एवं अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में सम्मिलित होना सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय कंसल्टेशन मीटिंग संपन्न

मण्डला (स्वतंत्रमत)। साफ बिन परियोजना अंतर्गत कारितास इण्डिया और एमपीएसएसएस मंडला के द्वारा गुरूवार को जिला स्तरीय स्टेकहोल्डर्स, फार्मर्स कन्सल्टेशन मीटिंग एमपीएसएसएस, मंडला में संपन्न हुई। एक दिवसीय बैठक में जिला और ब्लॉक स्तरीय कृषि अधिकारी, हॉर्टिकल्चर, और स्वैछिक संस्थाओं के संचालक गण और 10 गांवो से 40 लीड किसान उपस्थित रहे। बैठक में जेडीएसएसएस संचालक फादर डोमिनिक थॉमस ने जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव छोटे धारक किसानों के आजीविका संकट पर किसानों को मोटिवेट किए। बैठक में परियोजना द्वारा संचालित जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव से छोटे किसानों के स्थायी कृषि प्रणाली पर संवाद का आदान-प्रदान किया गया। कृषि विभाग से प्रताप सिंह पतले ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा खरीफ के लिए सरकारी योजनाओं पर जानकारी साझा किये।

सीएसओ निशार कुरैशी, सीडीव्हीडी द्वारा कृषि आजीविका में मधुमक्खी पालन और शहद प्रसंस्करण पर किसानों को जानकारी साझा किये। चन्द्रहास पटेल नवीन सेवा भारती, योगेंद्र ग्राम सेवा ट्रस्ट मंडला, सतपुड़ा नर्सरी के संचालक नरेश गोल्हानी द्वारा छोटे किसानों के स्थायी कृषि प्रणाली पर जागरूकता किये। किसानों ने कृषि कार्य में आने वाले बीमारियों और चुनौतियों पर सवाल किए जिसका जवाब कृषि विभाग के श्री पटले द्वारा बताया गया।

महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। महाविद्यालय नैनपुर में मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार दीक्षाराम कार्यक्रम का आयोजन रखा गया । यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. जी.सी. मेश्राम के मार्गदर्शन एवं डॉ. जे. एस. उर्वेती के संयोजन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय की जनभागीदारी अध्यक्ष दामोदर झारिया एवं विशिष्ट अतिथि दिनेश पटेल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके उपरांत नवप्रवेशी छात्र छात्राओं को तिलक बंधन कर महाविद्यालय में उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. जे.एस.उर्वेती द्वारा अपने वक्तव्य में नवप्रवेशीत छात्र छात्राओं को महाविद्यालय की जानकारी दी गई एवं नई शिक्षा नीति के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम सहसंयोजक डॉ राजेश मासतकर ने अपने वक्तव्य पर छात्र छात्राओं को एनएसएस और एनसीसी की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य के साथ उनका स्वागत किया, इसके उपरांत महाविद्यालय के सभी अधिकारी कर्मचारियों से छात्र छात्राओं को अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राहुल विश्वकर्मा का विशेष योगदान रहा। इस दौरान डॉ. ज्योति सिंह , प्रो. एम.के.बघेल, डॉ. आर एस धुर्वे, डॉ. प्रियंका चक्रवर्ती डॉ. कुलभूषण रजक, प्रो रविन चौहान, प्रो.देव प्रकाश उइके, डॉ. नरेंद्र राहंगडाले, डॉ. रवि यादव, डॉ लक्ष्मी सिंह, विनोद कुमार ठाकुर उपस्थित रहे।

चक्र महामंडल विधान का शुभारंभ

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। व्रती नगरी पिंडरई में आचार्य श्री का चातुर्य मास जारी है। जहाँ श्रमण सूर्य आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य महाराज श्री समय सागर जी के मंगल आशीर्वाद से परम पूज्य मुनि श्री नीरज सागर जी, परम पूज्य मुनि श्री निर्मद सागर जी के पावन सानिध्य में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का शुभारम्भ घट यात्रा एवं ध्वजा रोहण के साथ किया गया । ध्वजारोहण राकेश ,आभा, डॉक्टर आर्यस के माध्यम से किया गया। सिद्धाराधना अर्थकारी न हो कर परमार्थकारी हैं। इसका एकमात्र उद्देश्य साधर्मी वात्सल्य एवं सोहाद्र की भावना जागृत करना हैं। मुनि संघ की उपस्थिति में व्रती नगरी के इतिहास में प्रथम बार ऐसा भव्य अनुष्ठान किया जा रहा हैं।

एसडीएम द्वारा गौ शाला, कांजी हाउस का किया निरीक्षण

आवारा पशुओं को गौ शाला में रखने की मांग

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नगर में यातायात व्यवस्था को सबसे ज्यादा बाधित करने वाले स?को में विचरण करते मूक पशु है। अब इन्हें सड़क से हटाकर उचित व्यवस्था की कवायद के तहत नगर पालिका का हाका गैंग सक्रिय किया गया है। बावजूद इसके नगर के प्रमुख जगहों पर इनका डेरा अभी भी नजर आ जाता है। कल नागरिक मंच ने एस डी एम नैनपुर आशुतोष महादेव ठाकुर को ज्ञापन सौंप कर स्थाई व्यवस्था बनाने की मांग की। जिस पर मांग की गई की मूक पशु को गौ शाला में रखा जाए। मूक पशुओ की सड़क मार्ग पर बैठक नगर के हर वार्ड है । लगातार बरसात की वजह से घटनाओ को और बल मिलता है । ये मूक पशु सार्वजनिक स्थलों पर बाधा डालने का काम कर रहे है । जिसे संज्ञान में लेकर एसडीएम नैनपुर आशुतोष महादेव ठाकुर ने नगर के कांजी हाउस और मुक्ति स्थल, गौ शाला का निरीक्षण किया । जिसमें भारी विसंगति पाई गई । आपने इस विधि विषय पर नाराजगी व्यक्त की और कहा है की संधारण पंजी का उपयोग किया जावे। यहां बताना यह लाजिमी है कि जब एसडीएम नैनपुर द्वारा पूछा गया की कुल कितने मूक है तो बताया गया की अंदाजन 50 होंगे । इस पर आप ने अंदाजन का मतलब पूछते हुए फटकार लगाई और निर्देश दिए की संधारण पंजी में लिखा जाए कितने मूक आए कितने गए कितने पर जुर्माना लगाया गया । यदि दूसरी बार वही मूक आया करता है तो पशु मालिक पर दुगना जुर्माना लगाया जाए। पशु धन मालिक के आधार कार्ड लिया जाए। गौ शाला पर व्यवस्था खाने पीने से लेकर बरसात को देखते हुए अन्य को दुरुस्त किया जाये। कांजी हाउस के निरीक्षण पर भी कमोवेश यही हाल देखने मिले। स्थान कम होने पर मूक पशु कीचड़ में खड़े मिले। जिस पर आपने व्यवस्था बनाने की बात

संपादकीय

पुरानी मिट्टी पर नए जिक्र

हिमाचल प्रदेश में विनाश के तहखाने में विकास की योजनाएं देख लोग इतरा रहे थे कि अब तो चांद सितारे तोड़ लाएंगे। जिन्होंने कुल्लू में बहती हुई गाड़ियां देखीं, धर्मशाला में बहते हुए शव देखे, उनकी आंखों ने गवाही दी है कि कहीं पहाड़ का पहाड़ पर कत्ल हो रहा है। असंतुलित मौसम के किरदार को भले ही बादलों के फटने का कसूरवार ठहराया जाए, लेकिन जहां प्राकृतिक जल रिसाव के मार्ग पर बाधाएं उत्पन्न हो रहीं, वहां कुछ तो सोचना होगा। पिछले कुछ दशकों की प्रगति ने मानव सोच को निर्माण सामग्री और प्रगति को प्रतिस्पर्धी बना दिया है।

कसूरवार हिमाचली विकास को बची जमीन है या तमाम बाधाओं के साथ सीना तानकर खड़े जंगल हैं। जंगल में सिर्फ पर्यावरण के प्रतीक देखे जा रहे हैं, लेकिन यह नहीं देखा जाता कि इसने भूमि के अभाव में प्रदेश की मानसिकता बदल दी। लोगों ने अपनी मिल्कियत में फंसे खड्डों के मुहाने, सीधे पहाड़ के कारनामे और जल रिसाव के रास्ते बदल दिए। अपनी जमीन को जंगल में खो चुका हिमाचल किस तरफ पांव बढ़ाए। घर बनाना ही महंगा है इस कद्र कि अब बचाने की क्षमता नहीं रही। त्वरित निर्माण की विधियों ने इससे कहीं आगे निकलकर पहाड़ी वास्तुशैली के बजाय सिर्फ फटाफट निर्माण का कौशल सीख लिया। फटाफट धन कमाने, आधिपत्य जमाने और अवसरों की खुदाई में भुला दिया गया कि प्रकृति की आत्मा हमेशा से नाजुक जमीन की तरह है। यहां पुरानी मिट्टी पर नए जिक्र हो रहे हैं। यानी चुनौतियां बिलकुल नई हैं, लेकिन नसीहत की मिट्टी पुरानी है। ऐसे में हिमाचल में प्राकृतिक विनाश के समाधान के लिए प्रकृति के पास जाना होगा। यह कैसे संभव है कि एक ओर हिमाचल या किसी अन्य पहाड़ी प्रदेश को सारे देश के मैदानी राज्यों की परेड में खड़ा करके एक समान दौड़ने को कहा जाए, लेकिन विकल्प कोई न दिया जाए।

धर्मशाला या किसी भी क्षेत्र की विद्युत परियोजना को लाभकारी क्षमता में उकेरने के लिए उपयुक्त जमीन की उपलब्धता व पर्यावरण अनुमतियां ठुकराई जाएंगी, तो जुगाड़ के लिए आत्मघाती कदम ही लिए जाएंगे। आज यह प्रश्न वाजिब है कि बिजली परियोजना के कर्मचारियों की बस्ती खड्ड के करीब क्यों बसी, लेकिन उस स्थिति में क्या जंगल की जमीन उदार होकर मानव सुरक्षा के लिए दो बीघे उपलब्ध हो जाती। मांगने पर जंगल बाड़ लगा देता है, लेकिन ढहने पर जान-माल बर्बाद करता है। अगर पर्यावरण केवल जंगल है, तो पर्यावरण के साथ जल संसाधन क्यों नहीं जुड़ते हैं। पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा को जल, जंगल और जमीन के संतुलन में देखना होगा। यह तो समुद्र के किनारे, हर विकास के साथ और राष्ट्रीय संसाधनों के आवंटन में भी होना चाहिए। घोषित कर दें कि हर पहाड़ी क्षेत्र आइंदा पर्यावरण राज्य होगा और प्राकृतिक विनाश से बचाना राष्ट्रीय प्राथमिकता होगी, वरना जो श्रमिक धर्मशाला की खड्ड में बहे वे पानी से बिजली उगाकर राष्ट्रीय संसाधन बढ़ाने की कसरत ही तो कर रहे थे। आश्चर्य है कि बाढ़ के विनाश को जल उद्गम पर नहीं देखा जाता। लोग हर साल अपने विकास, अपनी प्राकृतिक विडंबनाओं, भौगोलिक क्षमता और जीवन के संघर्ष को पर्यावरण की मिट्टी पर ही तो गंवाते हैं। आश्चर्य यह भी कि यह भयावह दृष्टि देश की आंख नहीं देखती। अगर देखती तो एक स्वतंत्र पर्वतीय विकास मंत्रालय के तहत पर्यावरण संतुलन के तरीके, भूमि आवंटन की जरूरतें और पर्वतीय संरक्षण की आर्थिकी को संबल जरूर मिलता।

सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता का उत्सव

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

हर वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन सहकारी संस्थाओं की उपलब्धियों को रेखांकित करने और उनके सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक योगदान को सम्मानित करने का अवसर होता है। सहकारिता एक ऐसा आंदोलन है जो 'एकता में शक्ति' की भावना को मजबूत करता है और लोकतांत्रिक, समावेशी और न्यायसंगत आदर्श समाज के निर्माण में सहायक बनता है। सहयोग की शक्ति और सामाजिक समरसता के इस उत्सव का 2025 की थीम है 'सहकारिता: एक बेहतर दुनिया के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान लाना।' यह थीम पर्यावरण-संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, और सामाजिक समावेशन जैसे विषयों को सहयोग के माध्यम से हल करने की प्रेरणा देती है। आज के समय में जब आर्थिक विषमता और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है, सहकारिता एक वैकल्पिक और मानवीय मॉडल प्रस्तुत करती है। यह न केवल आर्थिक विकास की राह दिखाती है, बल्कि सामाजिक विश्वास, सह-अस्तित्व और भाईचारे को भी बढ़ावा देती है।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त यह 29वां अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस और 101वां अंतर्राष्ट्रीय सहकारी दिवस होगा। यह सहकारी आंदोलन का एक वार्षिक उत्सव है जो अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन द्वारा 1923 से जुलाई के पहले शनिवार को मनाया जाता है। इस उत्सव का उद्देश्य सहकारिता के बारे में जागरूकता बढ़ाना, संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन के पूरक लक्ष्यों और उद्देश्यों को उजागर करना, संयुक्त राष्ट्र द्वारा संबोधित प्रमुख समस्याओं के समाधान में आंदोलन के योगदान को रेखांकित और विस्तारित करना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में घोषित किया है। यह घोषणा 2012 में पहले सफल आयोजन के बाद की गई है और वैश्विक स्तर पर सतत विकास को बढ़ावा देने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। दुनिया भर की सहकारी समितियां दिखाएंगी कि कैसे वे एकजुटता और लचीलेपन के साथ युद्ध, महामारी एवं प्राकृतिक आपदा संकट का सामना कर रही हैं और समुदायों को जन-केंद्रित और पर्यावरण की दृष्टि से न्यायसंगत पुनर्प्राप्ति की पेशकश कर रही हैं।

सहकारिता दिवस इस बात का प्रचार करने का अवसर है कि किस प्रकार मानव-केन्द्रित व्यवसाय मॉडल, जो स्वयं-सहायता और एकजुटता के सहकारी मूल्यों तथा सामाजिक उत्तरदायित्व और समुदाय के प्रति चिंता के नैतिक मूल्यों द्वारा समर्थित

है, असमानता को कम कर सकता है, साझा समृद्धि का सृजन कर सकता है। सहकारी समितियां, जो आर्थिक सफलता को सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ संतुलित करने की अपनी अनूठी क्षमता के लिए जानी जाती हैं, उन्हें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में देखा जाता है। संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव सदस्य देशों को सहकारी समितियों के लिए एक सहायक कानूनी और नीतिगत माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें कृषि, वित्त और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनके महत्व पर जोर दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) ने इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया है। आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने इस घोषणा को संगठन के सतत विकास के लिए चल रहे प्रयासों के साथ संरेखित करने पर प्रकाश डाला। इस घोषणा से वैश्विक स्तर पर समानतापूर्ण और लचीली अर्थव्यवस्था बनाने में सहकारी समितियों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है, खासकर जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता जैसी वैश्विक चुनौतियों के सामने। सहकारिता पर ध्यान केंद्रित करके, संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य टिकाऊ, समुदाय-केंद्रित समाधान प्रदान करने में मॉडल की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करना है।

सहकारिता, जिसे अंग्रेजी में कोआपरेटिव कहते हैं, एक ऐसा संगठन है जिसमें लोग स्वेच्छा से मिलकर काम करते हैं ताकि अपनी सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। यह एक लोकतांत्रिक रूप से नियंत्रित व्यवसाय है जहां सदस्य ही मालिक होते हैं और व्यवसाय का संचालन और लाभ का वितरण भी सदस्यों के बीच ही होता है। सहकारिता का अर्थ है, 'मिलजुल कर काम करना' या 'आपस में सहयोग करना'। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें लोग स्वेच्छा से एक साथ मिलकर काम करते हैं, ताकि वे अपने सामान्य आर्थिक, सामाजिक या सांस्कृतिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें. सहकारिता का मुख्य उद्देश्य आपसी सहयोग, समानता और सामूहिक हित को बढ़ावा देना है। इसका मूल मंत्र है 'सभी के लिए एक, और एक सभी के लिए।'

भारत में सहकारिता की भावना एवं विचारधारा आजादी से पहले से जन-जन में रची-बसी है। भारत की जनता के स्वभाव में सहकारिता घुली मिली है, ये कोई उधार लिया विचार नहीं है। सहकारिता भारत के संस्कार में है। भारत में सहकारिता आंदोलन कभी भी अप्रासंगिक नहीं हो सकता। सहकारिता की जड़ें 1904 के सहकारी ऋण समितियां अधिनियम से जुड़ी हैं। स्वतंत्रता के बाद यह आंदोलन और भी सशक्त हुआ। चाहे अमूल जैसी डेयरी सहकारी संस्थाएं हों या सहकारी बैंकों और किसान समितियां, उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में जब सहकारिता आंदोलन की सबसे अधिक जरूरत थी, तब यशस्वी एवं दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सहिकारिता मंत्रालय का गठन करके सहकार से समृद्धि के स्वप्न को साकार करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता को नये आयाम दिये हैं। उनके नेतृत्व में केंद्र सरकार सहकारिता क्षेत्र के माध्यम से करोड़ों किसानों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। सभी राज्यों के सहकारिता मंत्री अपने-अपने राज्यों में कृषि मंत्रियों के साथ समन्वय कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं ताकि आम लोगों के साथ-साथ धरती माता का स्वास्थ्य भी बेहतर हो सके।

गरीब कल्याण और गरीब उत्थान, बिना सहकारिता के सोचा नहीं जा सकता। नरेन्द्र मोदी के मन की इच्छा है कि छोटे से छोटे व्यक्ति को विकास की प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाना, सहकारिता की प्रक्रिया से हर घर को समृद्ध बनाना और हर परिवार की समृद्धि से देश को समृद्ध बनाना, यही सहकार से समृद्धि का मंत्र है। देश पर जब-जब कोई विपदा आई है, सहकारिता आंदोलनों ने देश को बाहर निकाला है। कॉपरेटिव बैंक बिना मुनाफे की चिंता किए लोगों के लिए काम करते हैं क्योंकि, भारत के संस्कारों में सहकारिता है। आज देश में लगभग 91 प्रतिशत गांव ऐसे हैं जहां छोटी-बड़ी कोई न कोई सहकारी संस्था काम करती है। सहकारिता गरीबों और पिछड़ों के विकास के लिए है। राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम-(एनसीडीसी) और सहकारिता मंत्रालय जैसे संस्थान इस क्षेत्र को संगठित और सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं। भारत की सहकारिता सोच एवं मोदी सरकार की प्रतिबद्धताएं दुनिया के लिये एक प्रेरक मॉडल है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, एक ऐसा आंदोलन जो समाज को जोड़ने, ऊपर उठाने, संतुलित विकास और ग्रामीण जीवन को टिकाऊ बनाने की क्षमता रखता है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि यदि हम साथ मिलकर कार्य करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। सहयोग ही सशक्तिकरण की कुंजी है।

राजनीतिज्ञों की हिंसक प्रवृत्ति!

आदित्य कुमार चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

स्वतन्त्र भारत की राजनीति में जिस प्रकार का नैतिक पतन हम देख रहे हैं उसे कई प्रकार से परिभाषित किया जा सकता है। यदि समाज के नजरिये से देखें तो जैसा समाज होगा वैसे ही लोग राजनीति में आकर उसका चरित्र बनायेंगे और यदि राजनैतिक नजरिये से देखें तो जो राजनीति का चरित्र होगा वैसा ही समाज बनेगा परन्तु भारतीय दृष्टि कहती है कि 'यथा राजा-तथा प्रजा'। इसका अर्थ यही है कि जैसे लोग राजनीति में आयेंगे वैसा ही वे समाज भी बनाने का प्रयास करेंगे। भारत दुनिया का सबसे बड़ा संसदीय लोकतन्त्र है और यहां हर पांच साल बाद लोगों के हाथों में सत्ता परिवर्तन की चाबी रहती है। इसका मतलब यही है कि राजा जनता के बीच से ही उठकर आता है न कि किसी महारानी के पेट से जन्म लेकर किन्तु भारत की राजनीति में जिस प्रकार परिवारवाद प्रभावी है उसने लोकतान्त्रिक व्यवस्था के लिए ही चुनौती खड़ी कर रखी है क्योंकि परिवार की विरासत संभालने वाले राजनीतिज्ञ तर्क देते हैं कि जब डाक्टर का बेटा डाक्टर हो सकता है और इंजीनियर का बेटा इंजीनियर हो सकता है तो राजनीतिज्ञ का बेटा राजनीतिज्ञ क्यों नहीं हो सकता, जबकि लोकतन्त्र में जनता ही किसी राजनैतिक परिवार की विरासत संभाले व्यक्ति को बहुमत से चुनकर विधानसभा या लोकसभा में भेजती है। ऐसे तर्क हम उन नेताओं से ही प्राय: सुनते हैं जो विशिष्ट जातियों के नेता होते हैं अर्थात जातिवादी दलों की कमान संभाले होते हैं।

इस जातिगत राजनैतिक व्यवस्था के चलते भारत का लोकतन्त्र ऐसे राजतन्त्र में बदल जाता है जिसमें राजा का मुंह देखकर ही आम जनता स्वयं को धन्य समझने लगती है और यह भूल जाती है कि उसे एक वोट का अधिकार दुनिया की ऐसी नियामत है जिसके प्रयोग से वह खुद भी राजा बन सकता है। सौभाग्य से भारत का प्रधानमन्त्री आज एक ऐसा व्यक्ति है जो बचपन में कभी चाय बेचा करता था। श्री नरेन्द्र मोदी का प्रधानमन्त्री बनना ही भारत के लोकतन्त्र की असलियत है जिसे परिवारवादी दल पचा नहीं पा रहे हैं । मगर आज असली सवाल राजनीति में आये नैतिक पतन का है। पतन इस हद तक आ चुका है कि मन्त्री खुद सरकारी अफसरों को पीट रहे हैं और लहूलुहान कर रहे हैं। जो मन्त्री जनता द्वारा चुना गया होता है वह अपनी कलम की जगह हाथों से काम ले रहा है।

हिमाचल प्रदेश में मन्त्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है कि उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दो अधिकारियों की पिटाई की जिनमें से एक तो अभी तक अस्पताल में दाखिल है। मन्त्री के खिलाफ प्राधिकरण की एक सड़क परियोजना के प्रबन्धक श्री अचल जिन्दल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि श्री अनिरुद्ध सिंह ने अपने चुनाव क्षेत्र में सड़क परियोजना के चलते उसके किनारे बने मकान के ढह जाने पर आक्रोशित होकर उनके साथ ही इलाके के 27 वर्षीय इंजीनियर योगेश वर्मा की भी पिटाई की और दोनों को बुरी तरह जख्मी कर दिया। दूसरी घटना ओडिशा की है जहां कुछ राजनैतिक कार्यकर्ताओं ने प्रादेशिक नागरिक सेवा के अधिकारी श्री रत्नाकर साहू के कार्यालय में घुसकर उन्हें दफ्तर से बाहर घसीट कर बुरी तरह पीटा। यह घटना भुवनेश्वर की है। अधिकारी रत्नाकर साहू भुवनेश्वर महानगर पालिका में अतिरिक्त आयुक्त पद पर आसीन हैं। यह कार्य भाजपा के कार्यकर्ताओं ने किया जबकि जिस मन्त्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ शिमला में पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई वह कांग्रेस पार्टी के हैं। भारतीय राजनीति में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है क्योंकि हिंसक तरीके अपनाने का दम भरने वाली कोई भी राजनैतिक पार्टी चुनावों में भाग नहीं ले सकती। श्री साहू ने थाने में छह अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें कहा गया है कि इन लोगों ने उनसे यह कहा कि क्या उन्होंने भाजपा नेता जग्गनाथ प्रधान से माफी मांगी या नहीं। प्रधान भुवनेश्वर भाजपा के नेता हैं। उपरोक्त दोनों घटनाएं बताती हैं कि राजनीति में हिंसक प्रवृत्ति के लोग बढ़ते जा रहे हैं और वे मन्त्री तक बन रहे हैं। जिस समय श्री साहू को दफ्तर से घसीट कर बाहर लाया गया उस समय वह आम लोगों की शिकायतें सुन रहे थे।

आम जनता के सामने इस प्रकार की घटना को अंजाम देकर आखिरकार राजनैतिक कार्यकर्ता क्या पैगाम देना चाहते हैं? असली पैगाम यही है कि राजनीति गुंडा तत्वों का शरण स्थल बन रही है। इस बारे में पश्चिमी विचारक को उद्धृत किया जा सकता है। भारत में इस प्रकार की हिंसक राजनैतिक प्रवृत्ति को रोकना होगा क्योंकि सरकारी अफसर भी हमारे लोकतन्त्र का एक स्तम्भ होते हैं। चुने हुए प्रतिनिधि इन्हीं के माध्यम से विकास व प्रगति के कार्यों को कराते हैं। भारत के लोकतन्त्र की कार्यपालिका एक मजबूत खम्भा है जो अपना कार्य संविधान की शपथ लेकर ही करती है। मगर इस स्तम्भ को क्षुद्र राजनीति का शिकार प्राय: बनाया जाता है और जबरन उससे राजनीतिज्ञ अपने मनमाने फैसले लागू करने की जिद करते हैं। इसका सीधा असर समाज पर पड़ता है और उसका चरित्र भी इसी सांचे में ढलता चला जाता है। जबकि लोकतान्त्रिक राजनीति में शालीनता इसका गहना होती है। जो भी व्यक्ति राजनीति के सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करता है उसका जीवन एक खुली किताब बन जाता है। यह इसीलिए है जिससे जनता राजनीतिज्ञों के जीवन से प्रेरणा ले सके और सभ्य व सुसंस्कृत समाज का निर्माण हो सके। महात्मा गांधी की दृष्टि यही थी। अत: बहुत जरूरी है कि हम राजनीति में हिंसक प्रवृत्ति रखने वाले व्यक्तियों को आगे न बढ़ने दें मगर जातिवादी पर परिवारवादी राजनीति के चलते यह कार्य दुष्कर होता जा रहा है।

दुनिया हमसे पीछे

संतोष उत्सुक ।

दुनिया को हमने फिर पीछे छोड़ दिया है। वैसे तो कई क्षेत्र हैं जहां दुनिया हमारी तरफ देखने के बाद खुद को विद्यार्थी जैसा ही महसूस करती है लेकिन ताज़ा खबर तो वाकई शानदार, मस्त कर देने वाली है। पढ़ लो देशवासियो। सोमरस पीने के मामले में दुनिया पीछे रह गई है और हम आगे बढ़ गए हैं। पढ़ने और सुनने और कहने में आ रहा है कि दुनिया भर में शराब की खपत कम हो रही है और हमारे यहां खपत का विकास हो रहा है।

व्यंग्य

अब तो हमने इस शान बढ़ाऊ, हिम्मत दिलाऊ पेय को सोमरस ही नहीं, बुधरस और शुक्ररस का नाम भी दिया है। मंगलवार और वृहस्पतिवार की शाम को इस लाजवाब रस को अछूत मानने वाले भी काफी बदल चुके हैं और बदल रहे हैं। उन वारों में यह पेय अब जीवनमंगल रस और वृहस्पतिकल्याण रस के रूप प्रयोग किया जा रहा है। शनीरस और रविरस तो ज़िंदगी की थकावट उतारने के लिए पहले से ही दुनिया भर में ज़रूरी माना जाता रहा है। हमारी युवा आबादी जी भरकर काम कर रही है। करोड़ों कमा रही है तो क्या सिर्फ एक बार मिली ज़िंदगी का पूरा लुत्फ़ लेने के लिए पूरी छोले खाएं, गोल गप्पे निगलें।

यह खुशखबर है हमारे यहां उत्कृष्ट ब्रांड्स की रचना की जा रही है। काफी समझदार व्यवसायी बाज़ार की नज़ाकत को ध्यान में रखते हुए प्रीमियम सेगमेंट में प्रवेश कर चुके हैं। ज़िंदगी का मज़ा लेने और देने में हम दुनिया से पीछे क्यूं रहें। उधर दुनिया के कई देश, ज़िंदगी का मज़ा लेने में हमसे पिछड़ रहे हैं। हमने उनसे खूब मज़ा लेना सीखा लेकिन उन्होंने मज़ा कम लेना शुरू कर दिया। हम उनके जैसे हो गए और वो वैसे... जैसे हम पहले थे। वैसे बहकने के मामले में तो हम खासे अनुभवी हैं। बहकने का अंग्रेज़ी अनुवाद किया जाए तो 'विहस्की' जैसा कुछ बनेगा जिसे हम 'विहस्कना' भी कह सकते हैं। ज़िंदगी का खरा सच यह माना जाता है कि जिन बेचारों ने इस दुनिया में आकर सोमरस का सेवन नहीं किया उन्होंने क्या ज़िंदगी जी। वे तो मिक्स दाल, आलू, कोल्ड ड्रिंक, ब्रेड, कढ़ी, खीर और खीरे खाते ही रह गए। खुद तो खा पी न सके लेकिन बच्चों को रोक न पाए।

हमारे तो कई ईष्टों द्वारा यह आनंद रस पीने के संदर्भ मिलते हैं। आज भी कई जगह प्रसाद में मदिरा वितरित होती है। हाय! हम अच्छे बुरे पाटों में पिसते रह गए लेकिन जो खाते पीते रहे वो आगे बढ़ गए, विकसित हो गए और उन्होंने दूसरों को पीछा छोड़ दिया। ठीक वैसे, जैसे अब देश के सामयिक समझदार लोगों के व्यावसायिक योगदान ने दुनिया को पीछे छोड़ दिया।

आम तौर पर हम अंतर्राष्ट्रीय सर्वे या अध्ययन को अपने विरुद्ध मानकर बुरा मान जाते हैं। यह अध्ययन भी दुनिया की एक लीडिंग ग्लोबल मार्किट रिसर्च एंड डाटा एनालिटिक्स फर्म, जो मदिरा रस उद्योग की विशेषज्ञ है, ने किया है। हमारे देश को दुनिया का सबसे ज्यादा शराब पीने वाला देश कहा जाए इसे एक दम स्वीकार नहीं करना चाहिए।

क्या भारत ग्लोबल साउथ में अपनी खोई विरासत फिर हासिल कर पाएगा ?

ओंकारेश्वर पांडेय

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद तमाम सवालों से घिरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब घाना की धरती पर उतरे, तो उनके कदमों में 75 साल की उम्र की थकान और हार न मानने की जिद एकसाथ झलक रही थी। अक्रा के हवाई अड्डे पर, हल्के नीले नेहरू जैकेट में सजे मोदी का चेहरा तनाव और सुकून के मिश्रित भाव लिए था। शायद यह नेहरू जैकेट सिर्फ एक परिधान नहीं, बल्कि उस नेहरू की याद का प्रतीक था, जिन्होंने कभी घाना की जनता को आजादी और ग्लोबल साउथ की एकजुटता का सपना दिखाया था। घाना के राष्ट्रपति जॉन ड्रामानी महामाहा ने उनका स्वागत किया, लेकिन हवा में सवाल गूँज रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर की आधी-अधूरी कहानी, अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्तता को कटघरे में खड़ा किया है, और हालिया भारत-पाक तनाव में चीन की सैन्य मदद ने ग्लोबल साउथ में भारत की साख को दांव पर ला दिया है।

क्या यह घाना, जो कभी गांधी और नेहरू की अहिंसा व साझेदारी से प्रेरित था, मोदी के नेतृत्व में भारत के ग्लोबल साउथ के सपने को नया जीवन दे पाएगा? क्या यह यात्रा, गंभीर सवालों से जूझ रही विदेश नीति को पुनर्परिभाषित करने की बजाय, एक और कूटनीतिक शो बनकर रह जाएगी?

पिछले महीने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने सीमित सैन्य कार्रवाई की। सेना निर्णायक कदम के लिए तैयार थी, मगर आखिरी पल में राजनीतिक नेतृत्व ने कदम पीछे खींच लिए। इंडोनेशिया में तैनात नौसेना अधिकारी कैप्टन शिव कुमार ने खुलासा किया, हम तैयार थे, लेकिन रणनीति में स्पष्टता की कमी ने हमें रोका। इस खुलासे ने देश में हलचल मचा दी। अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्त कूटनीति पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तंज कसा, मोदी सरकार की विदेश नीति अब फोटो सेशन और खोखली घोषणाओं तक सिमट गई है। नीतिगत दृढ़ता गायब है। पर्दे के पीछे, चीन की भूमिका ने आग में घी डाला। हालिया भारत-पाक तनाव में चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट, मिसाइल, और सैटेलाइट डेटा देकर समर्थन दिया, जिसे विशेषज्ञ भारत के खिलाफ रणनीतिक चाल मानते हैं।

इस तूफानी माहौल में मोदी अक्रा पहुंचे। घाना की संसद में उनका स्वागत पारंपरिक ढोल की थाप और स्थानीय गीतों ने किया। मोदी ने ट्वीट किया, अक्रा पहुंचना सम्मान की बात है। राष्ट्रपति महामाहा का स्वागत हमारे पुराने, भरोसेमंद रिश्तों का प्रतीक है। हम भारत-घाना संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाएंगे। लेकिन सवाल वही है-क्या यह यात्रा ऑपरेशन सिंदूर की चूक, अमेरिका पर निर्भरता, और चीन की बढ़ती चुनौती को पार कर भारत की साख सुधारेगी? या यह सिर्फ एक और कूटनीतिक चमक-दमक बनकर रह जाएगी? भारत-घाना व्यापार नेहरू काल से लंबा सफर तय किया है। 2004 में यह महज 213 मिलियन डॉलर था, जो मनमोहन सिंह के कार्यकाल में 2013-14 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचा। मोदी सरकार में यह 2017-18 में 3.34 अरब और 2018-19 में 4.48 अरब डॉलर तक गया, लेकिन 2023-24 में 2.51 अरब तक सिमट गया। 2024-25 (अप्रैल-अक्टूबर) में शुरुआती व्यापार 3.13 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार घाटा बढ़ा है, क्योंकि घाना से सोना और तेल तेजी से आयात हो रहा है।

भारत ने घाना को 450 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट दी, जिससे गांवों में बिजली, आईटी पार्क, और स्वास्थ्य सुविधाएँ बनीं। लेकिन चुनौती सामने खड़ी है-चीन। घाना इन्वेस्टमेंट प्रमोशन सेंटर के मुताबिक, भारत प्रोजेक्ट संख्या में दूसरे स्थान पर है, लेकिन निवेश राशि में चीन, स्पेन, और मिस्र से पीछे है। 1994-2024 में भारत का निवेश 1.92 अरब डॉलर रहा, जबकि चीन का इससे कहीं अधिक। 2023 में भारत का निवेश 77.93 मिलियन डॉलर था, लेकिन चीन की आर्थिक पकड़ मजबूत है।

हालिया भारत-पाक तनाव में चीन ने पाकिस्तान को फाइटर जेट, मिसाइल, और सैटेलाइट डेटा देकर समर्थन दिया, जिसे विशेषज्ञ भारत के खिलाफ रणनीतिक चाल मानते हैं। घाना की सड़कों पर पारंपरिक नृत्यों की रौनक के बीच मोदी की यह यात्रा सिर्फ भारत-घाना दोस्ती की कहानी नहीं है। यह ग्लोबल साउथ में भारत की साख को पुनर्जनन करने और चीन की आक्रामकता को टक्कर देने की कोशिश है। चीन ने अफ्रीका में 200 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है, जबकि भारत 80 बिलियन के आसपास है। घाना में चीन की पकड़ इंफ्रास्ट्रक्चर और खनन में मजबूत है। लेकिन भारत की ताकत उसकी सॉफ्ट पावर में है-ऐतिहासिक दोस्ती, सांस्कृतिक जुड़ाव, और लोकतांत्रिक मूल्य।

मोदी की यह यात्रा आर्थिक प्रतिद्वंद्विता का नया अध्याय भी शुरू कर सकती है। घाना के तेल-गैस भंडार, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, और ग्लोबल साउथ में नेतृत्व के लिए भारत के पास मौका है। यह भारत के लिए न सिर्फ घाना, बल्कि पूरे अफ्रीका में अपनी स्थिति मजबूत करने का अवसर है, बशर्ते यह चीन की रणनीति को संतुलित करने के लिए स्पष्ट कदम उठाए।

मोदी का इम्तिहान- घाना की संसद से लेकर अक्रा की सड़कों तक, मोदी की यह यात्रा कोई साधारण कूटनीति नहीं। यह भारत की विदेश नीति की अग्निपरीक्षा है। भारत कई मोर्चों पर जूझ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर का अधूरा नतीजा जनता के मन में सवाल छोड़ गया है। कैप्टन शिव कुमार जैसे सैन्य अधिकारियों ने सरकार की रणनीतिक अस्पष्टता पर उंगली उठाई है। अमेरिका की मध्यस्थता की खबरों ने भारत की स्वायत्तता को कटघरे में खड़ा किया। और अब, चीन की पाकिस्तान को सैन्य मदद ने भारत को ग्लोबल साउथ में अपनी साख बचाने की चुनौती दी है। मोदी के सामने सवाल है-कि क्या वह इस यात्रा को भाषणों और ट्वीट्स से आगे ले जा पाएंगे? यह मौका है-नेहरू और एनक्रूमा की ऐतिहासिक दोस्ती को नया जीवन देने का, ग्लोबल साउथ में भारत की पुरानी साख को पुनर्जीवित करने का, और चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने का। अगर यह यात्रा भाषणबाजी तक सिमट गई, तो विपक्ष का तंज-विदेश नीति उड़ानों और उद्घाटनों तक सीमित है-और गहरा हो जाएगा।

घाना क्यों ज़रूरी है?-घाना भारत के लिए एक रणनीतिक खजाना है। इसके बाजारों में कोको और सोने की चमक भारत की आर्थिक भूख को ललचाती है। यह देश तेल, बॉक्साइट, और कोको का पावरहाउस है। भारत ने यहाँ आईसीटी, हेल्थकेयर, कृषि, और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश किया है। 450 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट ने घाना के गाँवों में बिजली, आईटी पार्क, और अस्पताल बनाए हैं। घाना का तेल भारत की ऊर्जा जरूरतों को मिटा सकता है। अटलांटिक महासागर के समुद्री मार्ग भारत की सुरक्षा रणनीति का हिस्सा हैं। और सबसे बड़ी बात, घाना ग्लोबल साउथ में भारत के नेतृत्व को मजबूत करने का रास्ता खोल सकता है।

घाना की सामाजिक ताकत भी अनोखी है। यहाँ महिलाओं की आबादी पुरुषों से अधिक है, जो सामाजिक बदलाव की मिसाल है। भारत के लिए यह मौका है-साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने का, और अफ्रीका में अपनी सॉफ्ट पावर को चमकाने का। लेकिन चीन की गहरी आर्थिक पकड़ और यूरोपीय देशों की नई सक्रियता रास्ते में रोड़े हैं। घाना की सड़कों पर पारंपरिक नृत्यों की रौनक भारत-घाना की दोस्ती की गर्मी दिखाती है। मोदी की इस यात्रा से भारत और घाना नये बदलते वैश्विक दौर में रिश्तों की नयी परिभाषा लिखें, यह दोनों देशों की जनता चाहेगी। इसके लिए दोनों देशों को दिखावे से अलग जमीनी हकीकत और ज़रूरत के हिसाब से ठोस कदम उठाने होंगे।

यह यात्रा तस्वीरों और ट्वीट्स की चमक से आगे बढ़नी चाहिए। यह भारत के लिए मौका है-ग्लोबल साउथ में नेतृत्व को नई परिभाषा देने का, ऐतिहासिक साझेदारी को ठोस नीतियों में बदलने का, और चीन से मुकाबले के लिए रणनीतिक स्पष्टता लाने का।

घाना का इतिहास हमें सिखाता है कि सच्ची दोस्ती परस्पर विश्वास और ठोस कदमों से बनती है। नेहरू और एनक्रूमा ने यह दिखाया था। क्या मोदी इस बार उस विरासत को नया जीवन दे पाएंगे, या यह यात्रा एक और कूटनीतिक सैर-सपाटा बनकर रह जाएगी? भारत को चाहिए रणनीतिक स्पष्टता, आर्थिक ताकत, और सांस्कृतिक जुड़ाव। अगर यह मौका चूक गया, तो सुर्खियाँ भले बनें, मगर भारत का अफ्रीकी सपना अधूरा रह जाएगा।

यूक्रेन के साथ जंग में फंसे पुतिन के लिए तानाशाह किम जोंग उन का बड़ा फैसला

30000 अतिरिक्त सैनिक भेजेगा उत्तर कोरिया

मॉस्को

यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे रूस को उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने बड़ी मदद भेजने का फैसला किया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया ने पुतिन की खातिर लड़ने के लिए 30,000 अतिरिक्त सैनिक भेजेगा। सीएनएन ने यूक्रेनी खुफिया दस्तावेजों के हवाले से बताया है कि ये सैनिक नवम्बर तक रूस पहुंच सकते हैं। इन्हें रूसी टुकड़ी को मजबूती देने के लिए भेजा जा रहा है, जिसमें बड़े पैमाने पर आक्रामक सैन्य अभियान भी शामिल हैं। इसक साथ ही सैटेलाइट से हासिल तस्वीरों में रूस की तैयारियों के संकेत मिले हैं।

सैटेलाइट तस्वीरों में उत्तर कोरियाई तैनाती के लिए पहले इस्तेमाल किए गए जहाजों को रूसी बंदरगाहों में देखा गया और कार्गो विमानों के उड़ान पैटर्न से पता चला कि सैनिकों को रूस लाने वाले मार्ग सक्रिय थे। उत्तर कोरिया ने पिछले साल 11,000 सैनिकों को रूस की तरफ से लड़के लिए भेजा था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अप्रैल में उनकी मौजूदगी की पुष्टि की थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिकी

ने यूक्रेन को वायु रक्षा मिसाइलों की खेप रोकने का फैसला किया है।

रूस और यूक्रेन लंबी लड़ाई के बाद अब शांति की दिशा में कदम उठा रहे हैं। दो दौर की बातचीत लगभग सफल रही और अब क्रेमलिन को उम्मीद है कि रूस-यूक्रेन वार्ता के तीसरे दौर की तारीख जल्द तय हो सकती है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस पर जल्द ही सहमति बन जाएगी। उन्होंने दोहराया कि वार्ता का कार्यक्रम दोनों पक्षों की सहमति से ही तय किया जा सकता है। पेस्कोव ने स्पष्ट किया कि अभी तक कोई निश्चित तारीख तय नहीं हुई है और यह प्रक्रिया आपसी सहमति पर आधारित है। उन्होंने कहा, यह एक पारस्परिक प्रक्रिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता के मुताबिक, अगली वार्ता प्रक्रिया की गति कीव शासन और अमेरिका के मध्यस्थता करने के प्रयासों पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, जमीनी हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और उसे ध्यान में रखना जरूरी है।

रूस-यूक्रेन के बीच पहली बैठक में कैदियों की अदला-बदली पर सहमति बनी थी, जबकि दूसरी बैठक में 6000 यूक्रेनी सैनिकों के शवों की वापसी, बीमार और 25 साल से कम उम्र के कैदियों की अदला-बदली पर सहमति बनी थी। पहले दौर की वार्ता 16 मई को इस्तांबुल में हुई, जबकि दूसरे दौर में 2 जून को तुर्किए में दोनों देशों के बीच बातचीत हुई थी। पिछली बैठक में यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने प्रस्ताव दिया था कि तीसरी बैठक जून के आखिरी हफ्ते में आयोजित की जाए, लेकिन ये वार्ता नहीं हो पाई।

हालांकि, 2 जून को हुई सहमति के बावजूद रूसी मीडिया ने बताया कि क्रेमलिन ने संघर्ष विराम के लिए दो प्रस्ताव दिए थे, जिनमें यूक्रेनी सेना को चार क्षेत्रों (डोनेत्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया) से हटने की मांग की गई थी, जिन्हें रूस अपना हिस्सा मानता है। इसके अलावा 100 दिनों के भीतर यूक्रेन में राष्ट्रति चुनाव कराने की शर्त रखी गई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इन मांगों को शांति की मंशा के विपरीत बता रहे हैं। उनकी तरफ से नए प्रतिबंधों की मांग की गई। जेलेंस्की का मानना है कि ये मांगें वास्तव में यूक्रेन के सरेंडर करने की शर्तें हैं, जिसे वो स्वीकार नहीं करेंगे।

भारत और पाकिस्तान के बीच तेज हुई पानी की जंग

इस्लामाबाद

सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के भारत के फैसले के बाद से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इस बीच भारत ने एक और ऐसा फैसला किया है जो पाकिस्तान की नींद उड़ाने वाला है। भारत ने जम्मू-कश्मीर में तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट को फिर से पुनर्जीवित करने का फैसला किया है। अप्रैल में सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने के बाद यह भारत का पहला बड़ा कदम है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम शुरू हो गया है। भारत ने यह फैसला लेकर साफ कर दिया है कि सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने का फैसला केवल दिखाने के लिए नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के खिलाफ नई दिल्ली के पास पूरी प्लानिंग तैयार है। तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट को जम्मू और कश्मीर के सोपोर में झेलम नदी पर एक भंडारण सुविधा स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया था। इसे वुलर बैराज के नाम से भी जाना जाता है। इसे सर्दियों के महीने (अक्टूबर-फरवरी) के दौरान झेलम नहीं पर नेविगेशन की सुविधा के लिए इस्तेमाल किया जाना था, लेकिन सिंधु जल संधि का हवाला देते हुए पाकिस्तान ने इसे रोक दिया था। पाकिस्तान की आपत्ति के बाद से साल 1987 में इस परियोजना पर काम रोक दिया गया था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते पर रोक लगाए जाने के बाद से ही एक्सपर्ट इसे शुरू करने पर जोर दे रहे थे। 4.5 फीट ड्राफ्ट के साथ तुलबुल परियोजना से श्रीनगर और बारामुला के बीच आवाजाही में भी मदद मिलेगी।

हकीकत में बदलने वाला है शहबाज का डर भारी पड़ गया इंडिया से पंगा

परियोजना के अन्य लाभों में हाइड्रो पावर का उत्पादन, अंतरदेशीय परिवहन शामिल हैं। तुलबुल परियोजना पर चार दशक पहले 1984 में काम शुरू हुआ था। पाकिस्तान की आपत्तियों के बाद एक बार काम रोका गया। बाद में 1986 में फिर से काम शुरू हुआ, तो इस्लामाबाद ने सिंधु जल आयोग के समक्ष चिंता जताई। आखिरकार कई आपत्तियों के बाद भारत ने इस परियोजना को छोड़ दिया। पाकिस्तान का कहना है कि तुलबुल परियोजना सिंधु जल समझौते द्वारा निर्धारित शर्तों का उल्लंघन है। वहीं, नई दिल्ली का कहना है कि उसे अपने भौगोलिक सीमाओं के भीतर प्राकृतिक संसाधनों के साथ कुछ भी करने का पूरा अधिकार है। इसके अलावा संधि ने नई दिल्ली को गैर-उपभोग उद्येश्यों के लिए नदियों के उपयोग का अधिकार दिया है। ऐसे में तुलबुल प्रोजेक्ट भारत के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसे भारत हासिल करना चाहता है। भारत की योजना के बाद से ही पाकिस्तान को खौफ सताने लगा है। इसी सप्ताह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने देश में जल भंडारण की क्षमता को बढ़ाने पर जोर दिया है। इसे भारत के पानी रोकने के फैसले के डर के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान को डर सता रहा है कि अगर भारत ने पानी रोका तो उससे निपटने के लिए उसे क्या उपाय करना होगा।

अमेरिकी सांसद के नए रूस विरोधी बिल पर बोले जयशंकर

जब वो वक्त आएगा, तब देखेंगे

वॉशिंगटन

भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर अमेरिका दौरे पर हैं। बुधवार को उनसे अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम के नए विधेयक को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास और हमारे राजदूत लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं, बाकी जब विधेयक पारित होगा तो उस वक्त देखा जाएगा कि क्या करना है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंतित है और इस बारे में ग्राहम को भी समझाने की कोशिश हो रही है।

गौरतलब है कि अमेरिका के सीनेटर लिंडसे ग्राहम रूस प्रतिबंध विधेयक ला रहे हैं, जिसमें रूस से तेल, गैस, यूरेनियम और अन्य उत्पाद खरीदने वाले देशों से अमेरिका में आने वाले सामान पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रावधान है। अगर ऐसा होता है तो भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि जब से रूस यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, तब से भारत अपनी जरूरत के तेल का बड़ा हिस्सा रूस से ही खरीद रहा है। अब स्थिति ये है कि भारत जितना तेल खाड़ी देशों से खरीदता है, उससे ज्यादा अकेले रूस से खरीद रहा है।

जब डॉ. जयशंकर से लिंडसे ग्राहम के बिल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि सीनेटर लिंडसे ग्राहम के बिल की बात है तो जो कुछ भी हो रहा है और ये हमारे हितों पर भी असर डाल सकता है, इसलिए हम लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। हमारे राजदूत उनसे बात कर रहे हैं। हमारे ऊर्जा सुरक्षा संबंधी चिंताओं की उन्हें जानकारी दे दी गई है। लिंडसे ग्राहम के इस बिल को सीनेट में 80 सीनेटर्स का समर्थन मिल चुका है। रूस यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा और कूटनीति के जरिए सभी पक्षों को साधने में सफल रहा। हालांकि अब मुश्किल बढ़ती नजर आ रही है।

केजरीवाल ने किया साफ, बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम बिहार में कांग्रेस या इंडिया ब्लॉक सहयोगियों के समर्थन के बिना ही चुनाव में उतरेंगे। केजरीवाल ने कहा कि इंडिया ब्लॉक केवल लोकसभा चुनावों के लिए था। अब कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर गठबंधन था तो कांग्रेस ने विसावदर उपचुनाव क्यों लड़ा। वे हमें हराने आए थे। भाजपा ने हमें हराने और वोट काटने के लिए कांग्रेस को भेजा था।

बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। हालांकि, चुनाव आयोग ने तारीखों की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि बिहार में सभी 243 सीटों के लिए विधानसभा चुनाव अक्टूबर या नवंबर 2025 में होने हैं। पिछले विधानसभा चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2020 में हुए थे। चुनाव के बाद, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने। बाद में, अगस्त 2022 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने एनडीए से नाता तोड़ लिया और आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ सरकार बना ली। फिर, जनवरी 2024 में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) ने आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन से नाता तोड़ लिया और फिर से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ सरकार बना ली। इससे पहले गुजरात में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्य विपक्षी कांग्रेस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को भरोसा जताया कि लोग 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को सत्ता में लाएंगे। हाल में राज्य में विसावदर विधानसभा उपचुनाव में आप नेता गोपाल इटालिया की जीत से उत्साहित दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि अतीत के विपरीत, लोगों के पास आम आदमी पार्टी के रूप में एक विकल्प है। वह गुजरात में अपनी पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत करने के बाद यहां बोल रहे थे।

न्यायालय ने ट्रम्प के शरण प्रतिबंध पर रोक लगायी

सैक्रामेंटो/अमेरिका/ (वार्ता)

एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के देश में शरण बंद करने के नवीनतम आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश ने कहा कि व्हाइट हाउस ने कांग्रेस के आव्रजन कानूनों और संविधान दोनों का उल्लंघन किया। कोलंबिया जिले के अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश रैंडोल्फ डी मॉस ने बुधवार को 128-पृष्ठ के आदेश में लिखा कि श्री ट्रम्प की जनवरी की घोषणा जिसमें सीमा पार करने वालों की संख्या में वृद्धि को आक्रमण के रूप में ब्रांड किया गया था। चूंकि घोषणा में प्रवेश के बंदरगाहों के साथ-साथ आधिकारिक सीमा पर प्रवेश करने वाले लोगों को मानवीय जांच से वंचित किया था, इसलिए अदालत ने इसे अमेरिकी धरती पर किसी को भी शरण लेने का मौका देने की गारंटी देने वाले वैधानिक पाठ के साथ मौलिक रूप से असंगत पाया। उन्होंने संघीय आव्रजन कानून की धारा 1182 (एफ) के तहत आपातकालीन शक्तियों पर प्रशासन की निर्भरता को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रावधान राष्ट्रपति को कुछ गैर-नागरिकों को देश से बाहर रखने का अधिकार देता है लेकिन शरण को पूरी तरह से खत्म करने की अनुमति नहीं देता है।

माली में भारतीय नागरिकों का अपहरण...

बामाको

पश्चिमी माली में 1 जुलाई को कई जगहों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद तीन भारतीय नागरिकों को बंधक बना लिया गया है। यह हमला कायेस में डायमंड सीमेंट फैक्ट्री में हुआ, जहां हथियारबंद लोगों के एक समूह ने साइट में प्रवेश किया और मजदूरों का अपहरण कर लिया। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक पीड़ित इस फैक्ट्री के कर्मचारी थे और उन्हें जानबूझकर हिंसक घुसपैठ के दौरान निशाना बनाया गया था। आधिकारिक बयान में कहा है कि यह घटना 1 जुलाई को हुई, जब हथियारबंद हमलावरों के एक समूह ने फैक्ट्री परिसर में एक कॉर्डिनेटेड हमला किया था और तीन भारतीय नागरिकों को जबरन बंधक बना लिया।

हालांकि अब तक किसी आतंकी संगठन ने इस अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन हमले के दिन ही जिस प्रकार से माली के कई हिस्सों में कॉर्डिनेटेड आतंकवादी हमले हुए, उससे संदेह की सुई सीधे अल-कायदा समर्थित संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीनकी तरफ जाती है। छ्ष्ह्व्रूने उसी दिन कई अन्य शहरों जैसे कायेस, डिबोली और सांडरे में भी हमलों की जिम्मेदारी ली थी। भारत सरकार ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और माली सरकार से बंधकों की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करने की मांग की है। भारतीय दूतावास बमाको में स्थानीय अधिकारियों और फैक्ट्री प्रबंधन के

संपर्क में है और पीड़ितों के परिवारों को लगातार जानकारी दी जा रही है।

नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन यानि जेएनआईएम वर्ष 2017 में अस्तित्व में आया था, जब इसने पश्चिम अफ्रीका में सक्रिय चार बड़े जिहादी गुटों अंसार दिन, अल-मुराबितून, अल-कायदा इन द इस्लामिक मघरेब की साहेल ब्रांच और मकना कतीबात मसिना ने मिलकर इस संगठन की स्थापना की। ये भी एक कट्टर इस्लामिक संगठन है, जिसका मकसद एक कट्टर इस्लामिक शासन की नींव रखना है। ईयाद अग घाली और अमादौ कूफा इस संगठन को लीड करते हैं। ईयाद एक टुआरेग जातीय नेता है जबकि कूफा फुलानी, स्थानीय मुस्लिम समुदाय का प्रभावशाली इस्लामी उपदेशक हैं। दोनों की साझेदारी से पता चलता है कि सिर्फ इस्लामिक कट्टरता नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को भी रणनीति का हिस्सा बनाता है। जेएनआईएम ने खुद को अल-कायदा के आधिकारिक प्रतिनिधि के तौर पर स्थापित किया है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में इसके कुछ बयानों में अल-कायदा का जिक्र नहीं होने से अटकलें हैं कि संगठन अपनी वैचारिक दिशा में बदलाव पर विचार कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जेएनआईएम के पास इस समय करीब 5 हजार से 6 हजार लड़ाके हैं। इसकी संरचना काफी विकेंद्रित है, जिसकी वजह से ये अलग अलग स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढाल लेता है। ये संगठन यह फ्रेंचाइज शैली में काम करता है, मतलब विभिन्न इलाकों में इसके स्थानीय कमांडर स्वतंत्र रूप से फैसले लेते हैं। जेएनआईएम ना सिर्फ हथियारों से सुसज्जित है, बल्कि यह उन इलाकों में भी शासन करता है, जहां सरकार की पहुंच कमजोर है। यह इस्लाम के आधार पर अलग अलग गांवों से समझौता करता है और इस्लामिक कानून को मानने वावे गावों की सुरक्षा करता है। इसके बदले संगठन जकात (मजहबी टैक्स) वसूल करता है और इस्लामी शरीया कानून लागू करता है, जिसमें महिलाओं की पढ़ाई पर सख्त प्रतिबंध है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मैंने खूब आराम कर लिया है, अब मेरे पास अधिक स्पष्टता है

बॉलीवुड एक्टर विक्रांत मैसी अपने जमीन से जुड़े स्वभाव और प्रामाणिक अभिनय के लिए जाने जाते हैं। विक्रांत ने नोपोटिज्म के बाद भी बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है, बिना उस चमक-दमक और ग्लैमर पर निर्भर हुए जो अक्सर इंडस्ट्री को परिभाषित करता है। टेलीविजन से लेकर फिल्मों और ओटीटी में दमदार भूमिकाओं तक, विक्रांत ने साबित कर दिया है कि प्रतिभा बिना किसी चमक-दमक के भी चमक सकती है। हालाँकि, इस स्व-निर्मित अभिनेता को भी प्रसिद्धि के अनकहे नियमों से जूझना पड़ा है। अभिनेता विक्रांत मैसी ने कुछ दिनों पहले सिनेमा से थोड़ा ब्रेक लिया था। अब वह फिर से बड़े पर्दे पर नजर आने वाले है।

अभिनेता विक्रांत मैसी कुछ समय के विराम के बाद फिल्मी दुनिया में लौट आए हैं और उनका मानना है कि व्यक्तिगत या पेशेवर जीवन में भविष्य को लेकर उनके सामने अब ज्यादा स्पष्टता है। '12वीं फेल' से लोगों के दिलों पर छाने वाले मैसी ने पिछले साल अभिनय की दुनिया से कुछ समय के लिए दूरी बनाने का ऐलान किया था ताकि वह अपने परिवार और सेहत पर ध्यान दे सकें। उन्होंने कहा कि इस विराम का मतलब यह कतई नहीं समझा जाना चाहिए कि उन्होंने अभिनय की दुनिया बिल्कुल ही छोड़ दी है।मैसी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''अब विराम का दौर खत्म हो गया है। मैंने छह माह के लिए अभिनय की दुनिया से दूरी बनाई थी। अब मुझे हर चीज में पहले से कहीं ज्यादा स्पष्टता है, न सिर्फ मेरे पेशे में बल्कि मेरे निजी जीवन में भी। अभिनय मेरी जिंदगी का एक बेहद अहम हिस्सा है, लेकिन मेरी जिंदगी के कुछ और पहलू भी हैं जो उतने ही महत्वपूर्ण है। अब बहुत कुछ स्पष्ट है।''

अभिनेता ने बताया कि इस दौरान उन्होंने अपने एक साल के बेटे वरदान के साथ समय बिताया। साथ ही, उन्होंने अपनी सभी फिल्मों को दोबारा देखा और यह समझा कि किन-किन क्षेत्रों में उन्हें अपने अभिनय कौशल को बेहतर बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''मैंने अपनी सारी फिल्मों को कई बार देखा और उन बातों को गौर किया जो अब काम नहीं करतीं... मेरा मकसद खुद को एक बेहतर अभिनेता बनाना है। शारीरिक और मानसिक थकान के अलावा, मेरे अंदर एक ठहराव भी था।''

मैसी ने कहा, ''मुझे लगा कि मैं अपने प्रदर्शन में स्थिर हो गया हूं और दोहराव हो रहा है। इसलिए, मैंने अपनी सभी फिल्में देखीं और ऐसी चीजों पर गौर किया जिन्हें मैं ज्यादा बेहतर कर सकता था। मैंने खूब आराम किया है। अगले साल मैं जिन फिल्मों की शूटिंग करूंगा, उनके साथ आगे बढ़ने के लिए एक नया दृष्टिकोण है।'' मैसी ने इस बात पर बल दिया कि जब किसी के पास परिवार हो तो जीवन में एक बेहतर संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

राम कपूर ने बताया 3 साल में पैसे डबल करने का तरीका

राम कपूर इस वक्त अपनी नई सीरीज मिस्त्री को लेकर चर्चा में हैं और इसके प्रमोशन के दौरान किए गए आपत्तिजनक कमेंट्स के कारण भी वह सुर्खियों में रहे। राम कपूर टीवी के पॉपुलर और महंगे स्टार्स में से एक रहे हैं। आज वह टीवी के अमीर स्टार्स में गिने जाते हैं। राम कपूर की नेट वर्थ 135 करोड़ रुपये बताई जाती है। राम कपूर ने हाल ही बताया था कि उनके पास इतना पैसा है कि आने वाली पीढ़ियां बैठकर खा सकती हैं। अब उन्होंने बताया है कि वह कैसे दिन-ब-दिन अमीर होते चले गए। राम कपूर हाल ही भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में नजर आए। इसमें उन्होंने अपनी प्रॉपर्टी के अलावा इन्वेस्टमेंट के बारे में बात की। साथ ही बताया कि कैसे तीन साल में पैसे डबल किए जा सकते हैं। राम कपूर ने कहा कि बैंक में पड़ा पैसा एकदम डेड मनी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही वक्त पर सही इन्वेस्टमेंट करना जरूरी है।

राम कपूर ने आगे बताया, इस दौरान, मैं अपने इन्वेस्टमेंट और प्रॉपर्टीज पर काम करता हूं। दुबई में मेरी प्रॉपर्टी है...इन्वेस्टमेंट भी आपको अमीर बनाता है। जब आप पैसे कमाना शुरू करते हैं, और आप इसके बारे में समझदार होते हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि उस पैसे का क्या करना है। यह महत्वपूर्ण है। राम कपूर ने फिर कहा, अगर आप सही इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो आपके पास इतना पैसा होगा कि आप कल्पना भी नहीं कर सकते। आपके पास सही दिमाग होना चाहिए, या आपको सही सलाह देने वाले लोग होने चाहिए। पैसा कमाना सिर्फ पहला चरण है। दूसरा चरण यह है कि आप उस पैसे का क्या करते हैं। बैंक में रखा पैसा बेकार पैसा है, आपको पता होना चाहिए कि उसका क्या करना है। अगर आपको पता है कि उसका क्या करना है, तो आप हर तीन साल में अपना पैसा दोगुना कर सकते हैं।

दीपिका हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम में शामिल

दीपिका पादुकोण को 2026 में हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम में शामिल किया गया है, जिससे वह यह सम्मान पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। बता दें कि उन्हें यह सम्मान मोशन पिक्चर कैटेगरी में दिया जाएगा। हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बुधवार रात इस सूची की घोषणा की। अभिनेत्री ने भी इस खबर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर आभार लिखा है।

दीपिका के साथ, इस सूची में एमिली ब्लंट, कोटिलार्ड, रेचल मैकएडम्स, फ्रेंको नीरो, टिमोथी चालमेट, रामी मालेक, स्टेनली टुकी, डेमी मूर और गॉर्डन रामसे जैसे अभिनेता भी शामिल हैं। 20 जून को 35 नामों का चयन किया गया और 25 जून को निदेशक मंडल ने इस सूची को मंजूरी दी।

दीपिका पादुकोण को 2018 में टाइम पत्रिका की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में भी शामिल किया गया था। वह ञ्जढ्ढरूश्व100 इम्पैक्ट अवार्ड की प्राप्तकर्ता भी थीं। कतर में फाइनल मैच में फीफा विश्व कप ट्रॉफी का अनावरण करके वैश्विक हस्ती ने इतिहास रच दिया। अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के अलावा, जैसा कि इतिहास के सुनहरे पन्नों में लिखा गया है, वह लुई वुइटन और कार्टियर के लिए वैश्विक लक्जरी फैशन हाउस द्वारा हस्ताक्षरित पहली भारतीय बनीं। कान्स जूरी का सदस्य होना भी उनकी उपलब्धियों में से एक है।

2026 की कक्षा में जगह बनाने वाले अन्य लोगों में अभिनेता एमिली ब्लंट, रेचल मैकएडम्स, मौली रिंगवाल्ड, सारा मिशेल गेलर, रामी मालेक और नोआ वाइल शामिल हैं; पूर्व एनबीए स्टार से खेल विश्लेषक बने शैक्विले ओ%नील; और गुड मॉर्निंग अमेरिका के सह-एंकर रॉबिन रॉबर्ट्स और जॉर्ज स्टेफानोपोलोस, जिनके लिए दोहरा समारोह होगा। इतालवी विशेष प्रभाव कलाकार कार्लो रामबाल्डी और निर्देशक टोनी स्कॉट को मरणोपरांत सम्मानित किया जाएगा।

दीपिका के नाम की घोषणा लाइव स्ट्रीम पर की गई। वह यह सम्मान पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री हैं। उन्होंने विन डीजल के साथ रिटर्न ऑफ़ ज़ेंडर केज से हॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। यह फिल्म 2017 में रिलीज़ हुई थी। दीपिका और उनके पति रणवीर सिंह ने 8 सितंबर, 2024 को अपनी बेटी का स्वागत किया। इस जोड़े ने 2018 में शादी की थी। पिछली दिवाली पर, उन्होंने अपनी बेटी को दुनिया के सामने पेश किया, उसका नाम दुआ पादुकोण सिंह बताया, साथ ही एक सार्थक संदेश भी दिया। जोड़े ने लिखा, दुआ~ जिसका अर्थ है प्रार्थना। क्योंकि वह हमारी प्रार्थनाओं का जवाब है। हमारे दिल प्यार और कृतज्ञता से भरे हुए हैं।

या हुसैन या हुसैन के नारे के साथ निकला मेंहदी ताजिया अलम जुलूस

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर में मोहर्रम की 7 तारीख को नए बस स्टैंड काजी मोहल्ला से शाम के वक्त मेहदी ताजिया अलम का आलीशान जुलूस निकला । जो बंसल वाली गली से चौकी ,चावडी, महावीर भवन, शक्ति चौक, शिवालय चौक से झंडा चौक होता हुआ वापस नए बस स्टैंड बाबली दरगाह शरीफ पहुँचा वहा पर जुलूस का समापन किया गया । जगह जगह मुस्लिम भाईयो ने मेहदी ताजिये अलम के समक्ष अकीदत के साथ लोभान च?ाकर जुलूस का इस्तकबाल कर तबर्रुक तकसीम किया । जुलूस में शामिल लोग या हसन या हुसैन , या अली के नारे लगाते हुए चल रहे थे । शहर में शरबत व लंगर का वितरण भी चलता रहा । शक्ति चौक पर हसनी हुसैनी सोसाइटी द्वारा अब्बास अलमदार की शान में लगाये गए परचम के सामने युवाओ ने गर्मजोशी के साथ जुलूस का स्वागत किया । मोहर्रम की 7 तारीख को रात्रि में इमामबाड़ों की सवारियों ने बाबाओ की आमद के साथ शहर में रन किया, देर रात तक मजमा रहा । दरगाहो इमामबाड़ों पर जायरीन अकीदत के साथ दीदार करने पहुचे व चादर संदल पेश किया ।

बड़वली इमामबाड़ा मोहर्रम पर आकर्षण का केंद्र बिंदु रहता है यहां पर सभी सबारियो ने बाबाओ की आमद के साथ अपनी हाजिरी पेश की । नगर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में मोहर्रम का पर्व मनाया जा रहा है । मोहर्रम पर्व को लेकर जुलूस व अन्य स्थानों पर पुलिस की बेहतर व्यवस्थाएं देखी जा रही हैं ।

धार्मिक आयोजन सहित धर्मानुरागियों का हुआ सम्मान अभिनंदन

नरसिंहपुर। नरसिंह वरिष्ठ जन परिषद नरसिंहपुर के तत्वाधान में पी डब्लू डी बरिया बारे हनुमान मंदिर परिसर में सुंदर काण्ड हनुमान चालीसा पाठ संकीर्तन और सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया।भगवान के पूजन अर्चन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।साहित्यकार कवि अशोक त्रिपाठी ने सभी वरिष्ठ जनो का नमन करते हुए कहा कि परिषद द्वारा आयोजित सांस्कृतिक साहित्यिक सामाजिक राष्ट्रीय धार्मिक आयोजनों सहित वरिष्ठ बुजुर्ग जनों के निरंतर सम्मान अभिनंदन की श्रृंखला में आप सभी की सहभागिता उत्साह ऊर्जा और गरिमा देती है।परिषद अध्यक्ष गणेश कुमार चतुर्वेदी ने नियमित भक्ति सत्संग सहित जुलाई माह में पौधरोपण और उनके रख रखाव पर बल दिया।

उक्त अवसर पर भक्ति सत्संग और धार्मिक आयोजनों में अपनी सक्रिय सहभागिता देने बाले सर्व श्री प्रेमशंकर राघव डा केदार गुप्ता योगाचार्य प्रभात राय पं.सी बी शर्मा जनक लोधी संतोष राजपूत और योगेन्द्र जी सोनी का परिषद द्वारा पुष्पमाला शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया।बक्ताओं में डी डी गोस्वामी बी एस पटेल उमाशंकर उपाध्याय डा महेश त्रिपाठी सुबोध शर्मा एस के चतुर्वेदी अनिल राय कवि शंकर सहर्ष अशोक वर्मा पंडित एम एल हरदेनिया पं गणेश कुमार चतुर्वेदी ने सम्मानित बरिष्ठों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।संचालन कविवर अशोक त्रिपाठी ने व आभार प्रदर्शन अरुण कुमार खरे ने किया।आयोजन में बड़ी संख्या में वरिष्ठ जन उपस्थित थे।आरती प्रसाद अपराह्न कार्यक्रम का समापन हुआ।

33/11 केव्ही डोंगरगांव सब स्टेशन का औचक निरीक्षण

करेली।

अधीक्षण अभियंता नरसिंहपुर व कार्यपालन अभियंता नरसिंहपुर द्वारा बरमान वितरण केंद्र के 33/11 केव्ही डोंगरगांव सब स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। जिसमे सप्लाई संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि सप्लाई संबंधित शिकायतो का नियमानुसार निराकरण कर पोर्टल पर प्रविष्टि करना सुनिश्चित करेंगे।

साथ ही 33/11 केव्ही उपकेंद्र डोंगरगाव में लॉगबुक में कुछ त्रुटियां पाई गईं जिस पर सुधार हेतु सही प्रविष्टि करने हेतु निर्देशित किया गया। उपकेंद्रों में खराब एबी स्विच को तत्काल सुधारने एवं साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित किया गया। बरमान वितरण केंद्र प्रभारी सहायक अभियंता को आवश्यक निर्देश दिए गए वर्षा ऋतु को देखते हुए लाइनों के सुधार कार्य वक्त रहते पूरे किए जाएं। उपभोक्ताओं को किसी तरह की कोई परेशानी ना हो यह ध्यान रखते हुए कार्य पूर्ण कराया जाए। इस तरह के निर्देश भी जारी किए गए।

आज मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप राशि का ट्रांसफर करेंगे

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिले के नागरिकों से कहा है राज्य सरकार द्वारा ऐसे सभी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं जो कि माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है, ऐसे प्रतिभाशाली, मेधावी विद्यार्थी को लैपटॉप प्रदान करने के लिए राशि की प्रतिपूर्ति सरकार करती है और इस सिलसिले में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज 4 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा इस संबंध में निर्देश है कि जिला स्तर पर भी एक कार्यक्रम किया जाये और साथ में विकासखंड स्तर पर भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जहां पर प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। लैपटॉप की राशि डायरेक्टली सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा छात्र-छात्राओं के खातों में ट्रांसफर की जायेगी।

प्रेस फोटोग्राफर संजय राय का किया सम्मान

ऑल इंडिया लीनेश क्लब द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

नरसिंहपुर। लीनेश क्लब द्वारा डॉक्टर डे पर आयोजित कार्यक्रम में मातृशक्तियों द्वारा नरसिंहपुर के प्रेस फोटोग्राफर संजय राय का सम्मान किया गया। संजय राय जो कि विगत 18 मई को केदारनाथ यात्रा के लिए गए हुए थे उनकी सफलतम यात्रा से वापस आने पर नरसिंहपुर नगर में समाज सेवा में अग्रणी रहने वाली संस्था जो किसी परिचय का मोहताज नहीं है हमेशा जनहित एवं सामाजिक कार्य में लगे रहने वाले प्रेस फोटोग्राफर संजय राय को सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई ।

इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी ने कहा ईश्वर से आस्था रखने वाला हर व्यक्ति धर्म से जुड़ा हुआ रहता है । हर व्यक्ति को अपने जीवन में तीर्थ स्थल पर जाना चाहिए । वहीं लिनेस क्लब की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी ने कहा कि कम उम्र में तीर्थ करना भी कहीं ना कहीं पारिवारिक संस्कारों को उजागर करता है । अंत में सभी मातृशक्तियों के द्वारा शाल श्रीफल भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

दीक्षरंभ समारोह का आयोजन

दमोह। शासकीय कमला नेहरू महिला महाविद्यालय दमोह में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश के आदेश अनुसार तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम नव प्रवेशित छात्राओं के लिए महाविद्यालय प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ जीपी चौधरी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य डॉ रेखा जैन द्वारा किया गया। 1 जुलाई से 3 जुलाई तक आयोजित इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस डॉण् रेखा जैन द्वारा छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के दिशा निर्देशों का पालन करना बताया। साथ ही डॉ. अवधेश जैन ने छात्राओं को महाविद्यालय गणवेश में आने पर स्वयं की सुरक्षा निहित होने की बात कही। तीन दिवस के दौरान महाविद्यालय में अध्ययन करने हेतु महत्वपूर्ण बिंदु जैसे छात्रवृत्ति, शैक्षणिक संरचना एवं परीक्षा प्रणाली, कैरियर परामर्श, सूचना का अधिकार, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, भारतीय ज्ञान परंपरा, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, लोक सेवा गारंटी अधिनियम एवं समस्त विभाग और स्टाफ का परिचय महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अरूणा एम जैन, डॉ एनपी नायक, डॉ डीके नेमा, डॉ राजू प्रसाद अहिरवाल, डॉ मालती नायक, डॉ बृजेंद्र सिंह कुसमारिया, डॉ असलम खान, डॉ आराधना श्रीवास, डॉ प्रणव मिश्रा, डॉ राधा ताम्रकार, श्रीमती जया अहिरवार, बृजेश मौर्य, श्रीमती भारती चौरसियाए डॉ प्रिया थापा द्वारा दिया गया। नव .प्रवेशीत छात्राओं को महाविद्यालय परिसर एवं उसमें उपलब्ध विभिन्न संसाधनों जैसे लाइब्रेरी, ई लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, कॉमन रूम, प्रयोगशालाएं, ओपन जिम, खेल मैदान, इनडोर आउटडोर गेम्स आदि का अवलोकन डीपी मेहरोलिया, डॉ चंद्रशेखर राठौर, डॉ अजय कुमार सिंह, डॉ दिनेश कुमार पटेल, डॉ अनुभा सोधिया, श्रीमती करिश्मा कटारे द्वारा कराया गया।

कार्यक्रम के समापन के अवसर पर महाविद्यालय संरक्षक डॉ जीपी चौधरी ने छात्राओं के हित में बताते हुए संबोधित किया कि हमारा महाविद्यालय परिवार सदा आपके साथ है उनसे मार्गदर्शन लेते हुए अपना भविष्य उज्जवल बनाएं।

आबकारी विभाग दमोह द्वारा जप्ती की कार्यवाही की गई

दमोह। अवैध मदिरा विक्रय, संग्रहण, परिवहन और उपभोग के विरुद्ध कार्यवाही के क्रम में जिला आबकारी अधिकारी रविंद्र खरे के निर्देशन में आबकारी वृत अ प्रभारी अनुरोध सेन द्वारा थाना दमोह देहात अन्तर्गत दमोह बालाकोट मार्ग पर सिद्ध बाबा पहाड़ी पास एक संदिग्ध मोटर साइकिल चालक को रोककर मोटर साइकिल पर टंगे थैले की तलाशी लेने पर उससे कुल 120 पाव देशी मसाला मिलने पर उक्त अवैध मदिरा और मदिरा परिवहन में प्रयुक्त वाहन मोटर साइकिल को जप्त करते हुए आरोपी मोटर साइकिल चालक के विरुद्ध आबकारी अधिनियम का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

जप्त साम्रगी मदिरा और वाहन की कीमत लगभग 62000 रुपए है। कार्यवाही में आबकारी आरक्षक कुलदीप कटारे, भूपति सिंह और महिला आरक्षक गीतांजलि गुप्ता शामिल रहे।

बालाराम की सेवानिवृत्ति पर विदाई

हटा। उच्च श्रेणी शिक्षक बालाराम अहिरवार सेवानिवृत्त होने पर एक निजी संस्थान में विदाई समारोह आयोजित किया। जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ एमएम पांडे एवं जनपद अध्यक्ष गंगाराम पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती पूजन अर्चन एवं पुष्प अर्पित कर की गई। माध्यमिक शिक्षक सुरेश श्रीवास्तव ने श्री अहिरवार के कार्यकाल की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने बताया कि 39 वर्ष की सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इन्होंने अपना पूरा काम ईमानदारी से किया एवं इनके जैसे कार्य आने वाले शिक्षकों को करना चाहिए। उपस्थित लोगों ने श्री अहिरवार का शाल श्रीफल माला से स्वागत किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु की कामना की। कार्यक्रम में बीओ बीएल बिदौल्या, बीआरसी एमएल अहिरवार, साधुराम पटेल, हुकुमचंद अहिरवार, प्रदीप पटेल आदि की उपस्थित रही।

शैक्षिक उन्नयन समिति की बैठक संपन्न

दमोह। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय शैक्षिक उन्नयन समिति की बैठक संपन्न हुई बैठक में जुलाई माह से कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी विद्यालयों में संचालित होने वाली विभिन्न अकादमी गतिविधियों जैसे मासिक टेस्ट, प्रबल विद्यार्थियों हेतु शिक्षक वार्डन, प्रार्थना के समय संकल्प पत्र का वाचन, प्रति मंगलवार आयरन टेबलेट का वितरण, प्रखर विद्यार्थियों हेतु निरंतर मार्गदर्शन की आवश्यकता, मॉनिटरिंग, शिकायत पेटी का संधारण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। विभिन्न शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी विद्यालय में कक्षा नवमी 10वीं 11वीं एवं 12वीं के दी एवं ए ग्रेड विद्यार्थियों हेतु सूची तैयार की जानी है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत संगोष्ठी और पौधारोपण

अभियान के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक ग्राम की 10 महिलाओं को 11 पौधे वितरित किए जाएंगे

पथरिया। जिला प्रशासन एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला दमोह के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था नेहरू युवा नव जागृति नव युवक मंडल समिति द्वारा किशुनगंज सेक्टर के ग्राम महूना में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान जन अभियान परिषद जिला दमोह के पथरिया विकासखंड समन्वयक उमाशंकर उपाध्यायए परामर्शदाता दिलीप कुमार पटेल, संस्था अध्यक्ष सेक्टर प्रभारी घनश्याम पटेल, धरातल जन कल्याण विकास समिति पथरिया से बसंत पटेलए ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति किशुनगंज से मुकेश पाण्डेय, जोरतला से उमा पटेलए भोले पटेलए मुकेश सिंह लोधी सहित अन्य सदस्यों कि उपस्थिति रहीं। संगोष्ठी के पश्चात सभी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत आम और नींबू के 21 पौधे रोपित किए और उनका संरक्षण करने की शपथ ली।

विकासखंड समन्वयक उमाशंकर उपाध्याय ने बताया कि जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सेक्टर के प्रत्येक ग्राम कि 10 महिलाओं को 11 पौधे नवांकुर संस्था द्वारा भेंट किए जाएंगे, जिनकी देख भाल रख रखाव और सभी प्रकार कि जिम्मेदारी महिलाओं कि रहेगी और वो उनको अपने घर या मंदिर परिसर या अन्य जगह जहां वो चाहती हैं वहां पर रोपण कर सकती है और एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत हम सभी का एक प्रयास है जो हमारी मातृभूमि और प्रकृति के प्रति हमारे सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इस अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा।

संस्था अध्यक्ष सेक्टर प्रभारी घनश्याम पटेल ने कहा कि आज जन अभियान परिषद पथरिया के विकासखंड समन्वयक उमाशंकर उपाध्याय के जन्म दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत हमारी नवांकुर संस्था द्वारा 21 पौधों का रोपण किया गया। जिनका संरक्षण ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति किशुनगंज के सदस्यों द्वारा किया जाएगा।

18 किलोमीटर का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा ग्रामीणों को

जिला पंचायत उपाध्यक्ष के प्रयासों से मिलेगी आवागमन की सुविधा

बिछिया से झलवारा स्टेशन मार्ग पर नहर के ऊपर होगा पुल निर्माण

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के प्रयासों से जनपद पंचायत कटनी के अंतर्गत आने वाले 20 गांव के लोगों की आवागमन की समस्या का समाधान हुआ है। जिले में कई ऐसे गांव ऐसे हैं, जहां लोगों को शहर तक पहुंचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कुछ इसी तरह की परेशानी का सामना कटनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले 20 गांव के लोगों को करना पड़ रहा था। 20 गांव के लोगों की हर दिन की समस्या को गंभीरता पूर्वक लेते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने बुधवार को अधिकारियों के साथ आवागमन के लिए नहर के ऊपर पुल निर्माण स्थल का निरीक्षण किया एवं जल्द पुल का कार्य कराए जाने के लिए कहा। नहर के ऊपर पुल निर्मित हो जाने से 20 गांव के लोगों को अब लगभग 18 किलोमीटर का चक्कर लगाने से मुक्ति मिल जाएगी।

कटनी जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत केवलारी के ग्राम बिछिया से झलवारा स्टेशन मार्ग में नहर के ऊपर स्टाफ डैम के पास पुल निर्माण हो जाने से 20 गांव के लोगों को लाभ मिल जाएगा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, जनपद पंचायत कटनी सीईओ एवं एसडीओ के साथ स्थल निरीक्षण करने पहुंचे।

अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण करते हुए उन्होंने नहर के ऊपर अतिशीघ्र पुल बनाए जाने के लिए कहा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विश्वकर्मा द्वारा पुल निर्माण की पहल किए जाने से 20 गांव के लोगों को आने-जाने में काफी सहूलियत हो जाएगी और अब उन्हें 18 किलोमीटर की दूरी का चकर नहीं लगाना पड़ेगा। स्थल निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने जल्द ही नहर के ऊपर पुल बनाकर आवागमन प्रारंभ कराने की बात कही।

प्रिंयदर्शनी बस स्टेन्ड में मूलभूत सुविधाओं के संदर्भ में सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रियदर्शनी बस स्टेन्ड अपने नाम से बिल्कुल उल्टा है, यहाँ यात्रियों एवं बसो के लिए मूलभूत समस्याओं का पूर्णत: अभाव है, जब कि कि सीभी शहर का बस स्टेन्ड शहर का प्रवेश द्वार होता है और शहर की व्यवस्थाओं का आकंलन होता है। वैसे भी प्रियदर्शनी बस स्टेन्ड शापिंग काम्पलेक्स जादा है जिससे नगर पालिक निगम को बहुत बडे राजस्व की प्राप्ति होती है। अभी जुलाई से किसी नए ठेके दार को ठेका दिया गया है जो पूरी फौज के साथ मनमानी वसूली पूरी रंगदारी के साथ वसूलने के लिए तत्पर है। समस्त बस आपरेटर निम्नाकित मांग करते है जिन्हें तत्काल पूरी करने का कष्ट करें। हमको बस खडी करने के लिये जगह दी जाये नही तो हमको हमारे ओडोटोरियम वाली जगह दी जाये जो कि कलेक्टर अजीता बाजपेयी द्वारा बस ऑपरेटर को दी गई थी। हम सभी शुल्क तभी देंगे जब बस स्टेन्ड को शांपिग काम्पलेक्स मुक्त किया जाये जैसे जबलपुर में है। बस स्टेन्ड को अतिक्रमण मुक्त किया जाये। बस स्टेन्ड में ऑटो वालो का प्रवेश बन्द किया जाये। हमको बस धोने के लिये बस स्टेन्डमें एक वॉशिंग ऐरिया दिया जाये। हमको बस स्टेन्ड में 4 गार्ड दिया जाये जो हमारी खडी हुई बसों की देखरेख कर सके। हमको ऐसी प्रतीक्षालय एवं बस डिस्पले बोर्ड दिया बोर्ड दिया जाये।

वसूली करने वालेसभी कर्मचारियों का पुलिस वेरीफेकेंशन अति अनिवार्य किया जाय। बस स्टेन्ड विचरण करते जानवरो और साडों से मुक्त किया जाय। बस स्टेन्ड में नित्य सफाई कराई जाये जो अभी महीने में शायद ही एक बार होती है। बस स्टेन्ड में शुद्ध पेयजल की व्यवस्था यात्रियों के लिए किया जाय। अस्तु आपसे आग्रह है कि तत्काल उपरोक्त बिंदुओं की मांगो को पूरा करने का कष्ट करें।

वैश्य महासम्मेलन की हरियाली तीज महोत्सव की जोरदार तैयारियां

कटनी (स्वतंत्रमत)।

वैश्य महासम्मेलन की जोरदार तैयारियां हरियाली तीज महोत्सव की, जिसमें हम सभी भव्य रूप में वृक्षारोपण सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने वाले हैं। हरे भरे सावन में हरे भरे पेड़ पौधों के साथ मनाया जाएगा हरियाली तीज महोत्सव! जन जन को जगना है, वृक्ष हमे लगाना है। सावन की फुहार की प्रथम बैठक में उपस्थित प्रदेश महामंत्री परम सीमा जैन, जिला अध्यक्ष दीपाली गुप्ता, आशू, सुमन, अल्का, सीमू, प्रतिभा, विभा, रश्मि, नीतू, मोहनी, अर्चना, नीता, आरती, रजनी, ऊषा, संगीता, शोभा, प्राची, रीना आप सभी के सहयोग और विचारों से सफल बैठक एवं कार्यक्रम की तैयारी में जुट चुके हैं।

काम को मिला सम्मान और स्थान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने पूर्व विधायक राजू पोद्दार

कैलाश मानसरोवर, तिब्बत की चीन के कब्जे से मुक्ति के अभियान को संघ ने अपनी केंद्रीय टोली से दी गति

कटनी (स्वतंत्रमत)। विदित हो तिब्बत अनादि काल से हमारा आध्यात्मिक भाई रहा है, चीन एक क्रूर विस्तारवादी देश है उसकी नापाक नजरे तिब्बत पर गड़ी हुई थी। 1951 में उसने तिब्बत पर बलात कब्जा कर एक स्वतंत्र देश का अस्तित्व समाप्त करके अपनी सीमाओं में मिला लिया, फल स्वरुप वहां के सर्वे सर्वा दलाई लामा को जान बचाने भाग कर भारत में आकर शरण लेनी पड़ी भारत ने अपनेपन का परिचय देते हुए परम पावन दलाई लामा को भारत में शरण दी। यही से तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने की अनुमति दी जो आज तक अनवरत काम कर रही है भारत सरकार और देश की जनता पूरा सहयोग कर रही है। तिब्बत पर कब्जा कर लेने से हमारी सनातन आस्था का केंद्र कैलाश मानसरोवर भी चीन के कब्जे में चला गया। सनातन धर्मावलंबियों को कैलाश मानसरोवर जाकर पवित्र सरोवर में डुबकी लगाने के लिए चीन सरकार की स्वीकृति पर निर्भर होना पड़ गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जो की सनातन आस्था, भारत की सुरक्षा का सतर्क सजग प्रहरी है। हिंदुत्व अस्तित्व संबंधी प्रत्येक घटना, हलचल पर चिंतन मनन कर अपनी कार्य दिशा तय करता है अपने स्वयंसेवक, कार्यकर्ता, पदाधिकारियों के माध्यम से काम करता है, उसके द्वारा 1999 में भारत तिब्बत सहयोग मंच की स्थापना कर कैलाश मानसरोवर, तिब्बत की चीन के कब्जे से मुक्ति के कार्य हेतु अपने वरिष्ठ अनुभवी कार्यकर्ता, पदाधिकारी डॉ. इंद्रेश को इस समस्या के समाधान पर काम करने के लिए लगाया। तब से भारत तिब्बत सहयोग मंच संपूर्ण देश और देश के बाहर जन जागरण का कार्य कर रहा है। विगत 28,29 जून को दिल्ली में संपन्न राष्ट्रीय परिषद की बैठक के पूर्व भारत तिब्बत सहयोग मंच के कार्य को और गति व विस्तार देने के लिए अपने ऊर्जावान नेतृत्व में से एक रुपेश जो कि जम्मू कश्मीर, पंजाब, हिमाचल और चीन की सीमा से सटे अन्य सभी क्षेत्रों का गहन अध्ययन कर विस्तृत जानकारी रखते हैं उनको और एक पालक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया। कटनी पूर्व विधायक गिरिराज किशोर उपाख्य राजू पोद्दार पुश्तैनी रूप से ही जाने माने हिंदुत्व वादी परिवार के सदस्य हैं। स्वयं उनका संगठनात्मक कार्य करने का अनेक दिशाओं में, अनेक प्रकल्पों में काम करने का विस्तृत अनुभव है। जिस भी कार्य में वह लगते हैं अपने कार्य की अमिट छाप छोड़ते हैं। भारत तिब्बत सहयोग मंच के मध्यक्षेत्र संयोजक के रूप में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में जनजागरण का कार्य करते हुए अमिट छाप छोड़ी है। तिब्बत की निर्वासित सरकार के सांसदों का जनवरी 2024 में 12 दिवसीय प्रवास बड़ी कुशलता से संपन्न करवाया। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के शीर्ष राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक नेतृत्व पत्रकार, मीडिया जगत से रूबरू करवा कर अपनी क्षमता की अमिट छाप छोड़ी। फरवरी 2025 में तिब्बती यूथ बाइकर्स द्वारा 22 राज्य 20000 किलोमीटर का 2 महीने का सफर किया गया मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ से गुजरने के दौरान उनका भी सतत सहयोग कर मध्यक्षेत्र में स्मरणीय सफल यात्रा करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्रीय स्तर के सभी तय कार्यक्रमों को आयोजित करने में अपनी कार्य कुशलता का परिचय दिया। उनकी इसी ऊर्जा को पहचान कर, स्वीकार कर डॉ. इंद्रेश रूपेश, राष्ट्रीय महामंत्री पंकज ने उन्हें और बड़ा दायित्व देते हुए पूरे देश में कार्य करने का अवसर देते हुए भारत तिब्बत सहयोग मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्ति देकर सम्मानित किया राष्ट्रीय नेतृत्व ने अपेक्षा व्यक्त की कि भारत तिब्बत सहयोग मंच अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर देश के लगभग 780 जिलों में से 500 जिलों तक में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चुका है 300 से अधिक जिलों में प्रत्यक्ष कार्य संचालित है। कैलाश मानसरोवर, तिब्बत की मुक्ति अभियान के सभी नए पुराने कार्यकर्ता पदाधिकारी का सहयोग लेते हुए, समन्वय बनाते भारत सरकार के समस्त अभियान परम पावन दलाई लामा के तिब्बत की मुक्ति के संकल्प राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख आयाम को तेजी से जन जागरण द्वारा पूरा कर देश में कैलाश मानसरोवर मुक्ति तिब्बत की आजादी के भाव की, जागरण की लहर उत्पन्न करेंगे। राष्ट्रीय परिषद की बैठक में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों द्वारा हर्ष ध्वनि से गिरिराज किशोर राजू पोद्दार की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। पूरे देश में भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया गया। हर-हर महादेव। तिब्बत की आजादी, भारत की सुरक्षा है।

रायबाड़ा सनशाइन अकादमी के छात्रों ने मोआना 2 फिल्म का लुत्फ उठाया

कटनी (स्वतंत्रमत)। सनशाइन एकेडमी रायबाड़ा के सभी छात्रों ने मोअना 2 मूवी का आनंद लिया। सभी बच्चे फिल्म को देखने के लिए बहुत ही ज्यादा उत्साहित थे सनशाइन एकेडमी ने हर साल की तरह अपने सभी बच्चों को फिल्म दिखाने का आयोजन किया सभी बच्चों की पसंदीदा मोअना का नया भाग मोआना 2 को दिखाया गया ये फिल्म मोआना 2 देखकर बच्चो ने सिखा की वो कितनी निडर है बच्चों ने ये भी जाना कि हमें हालात से डरना नही चाहिए, ना ही कभी पीछे हटना चाहिए, हमें उसका डट कर सामना करना चाहिए सभी सनशाइनर्स को बहुत मजा आया विद्यालय की समस्त शिक्षिकाओं ने बच्चों को मोआना की जानकारी दी बच्चे जिसे सुनकर बहुत ही खुश हुए शिक्षिकाओ के सहयोग से ये कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिक्षिकाओं ने सभी बच्चों की सराहना की। इस अवसर पर स्कूल की निर्देशिका जूही जैन और वाईस प्रिंसिपल शबनम अख्तर, रायबाड़ा की इंचार्ज नाजनीन तौफीक की उपस्तिथि रही साथ ही साथ सनशाइन अकादमी राहुलबाग, सनशाइन अकादमी समदड़िया और डीपीएस के शिक्षिकाओं और छात्रों की उपस्तिथि भी रहीं सभी ने बच्चों की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

वैश्य महासम्मेलन जिला कार्यकारिणी बैठक संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)।

प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल के निर्देशानुसार वैश्य महासम्मेलन जिला कटनी की तीनों इकाइयों के समस्त प्रदेश पदाधिकारी, संभाग पदाधिकारी जिला एवं तहसील पदाधिकारीयों की बैठक संपन्न सर्व प्रथम मंचासीन अतिथि दयाशंकर कनकने प्रदेश उपाध्यक्ष वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश, मुख्य अतिथि पदम खेमका प्रदेश महामंत्री, दयाल गुप्ता प्रदेश संयोजक साहित्य प्रकोष्ठ बालमुकुन्द गुप्ता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं कटनी जिलाप्रभारी सीमा जैन कटनी संभाग प्रभारी महिला प्रकोष्ठ, रजत जैन जिलाध्यक्ष वै.महा.म.प्र.कटनी, रमेश गुप्ता जिला कार्यकारी अध्यक्ष आशीष खेमका संभागीय युवा अध्यक्ष जयंती खंताल, जिला प्रभारी महिला हितेष बिलैया युवा जिलाध्यक्ष वै.महा.म.प्र., अशोक वर्मा तहसील अध्यक्ष बरही मुकेश अग्रवाल, संभागीय अध्यक्ष शहडोल मनीष त्रिसोलिया, पूर्व जिला अध्यक्ष कटनी के सभी पदाधिकारी द्वारा त्रिदेवियों का पूजन एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात वैश्य गान महिला प्रकोष्ठ की नीता गुप्ता, शालनी सोनी, सारिका गुप्ता, मोहनी बरसैंया, नीता बिचपुरिया, निधि जैन, आशा सुहाने के द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत युवा सदस्य द्वारा किया गया। सम्माननीय अतिथियों के स्वागत उपरांत मुख्य अतिथि पदम खेमका प्रदेश महामंत्री ने वैश्य हित उनकी सुरक्षा एवं समस्या के हल के लिये सारगर्भित उद्बोधन किया।

किसी क्रम में दयाशंकर कनकने, बालमुकुंद गुप्ता, मुकेश अग्रवाल एवं वैश्य महासम्मेलन अध्यक्ष रजत जैन एवं संगठन के प्रदेश पदाधिकारियों, संभागीय प्रभारी अपने उदबोधन से प्रस्तुति दी। बैठक मे रमेश गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष आशीष जैन, अशोक अग्रहरि, मोहनलाल सोनी, संजय गुप्ता, प्रमोद सोनी, उपाध्यक्ष नवीन गुप्ता, मनीष जैन, अनित बजाज, आकेत जैन, जिला मंत्री अभय गुप्ता, संगठन मंत्री संजय कंनकने, मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल, अनिल नेम, मीडिया चंचल कनकने, कार्यालय मंत्री सलिल कनकने, जिला प्रचार मंत्री कमलकांत गुप्ता, जिला मंत्री नरेंद्र सुहाने की उपस्तिथि रही। कार्यक्रम का कुशलता पूर्वक सफल संचालन सीमा जैन एवं आभार प्रदर्शन रमेश गुप्ता द्वारा किया गया।

एम.पी.ई.बी. कटनी शहर में विद्युत व्यस्था बनाये रखने हेतु चली अनूठी पहल

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर संभाग कटनी अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वर्तमान में त्यौहारों का समय चल रहा है जिसमें मुख्यत: जगन्नाथ यात्रा 27 जून एंव वापसी जगन्नाथ यात्रा 04 जुलाई एंव मोहर्रम पर्व की तैयारियां चल रही है जिसमें जूलूस मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सर्विस तार लूज होने संबंधी जानकारियां प्राप्त हुई थी। जिसमें आठ सदस्य टीम गठित करते हुए लूज तारों को ठीक किया गया जिसमें नोडन अधिकारी संदीप यादव कनिष्ठ अभिंयता एंव राजू पाण्डे कनि.अभि. को नियुक्त किया गया है। कार्यपालन अभियंता शहर संभाग कटनी द्वारा लूज तारों की कार्यवाही चिन्हित स्थानों में चयन करते हुए सही करा दी गयी है, जिसमें त्योहारों के दिनों में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहें। इसी प्रकार शहर संभाग कटनी अंतर्गत बिजली संबधी शिकायतों के निराकरण हेतु तत्परता से कार्यवाही के लिये शहर संभाग कटनी में 03 नग (स्त्रह्लष्ट) एंव आपातकालीन विद्यत व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यवाही की गयी। 01 जुलाई को रामजानकी वार्ड हनुमान मंदिर के पास रोशन नगर में 100 के.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर खराब हुआ था। जिसकी जानकारी लगते ही समय रात 11:30 बजे खराब ट्रांसफार्मर के स्थान पर नया 100 के.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर 3 घंटे के भीतर स्थापित कर विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बहाल की गयी है। अधीक्षण अभियंता संचा./संधा वृत्त एवं कार्यपालन अभियंता शहर संभाग कटनी द्वारा सभी (स्त्रह्लष्ट) काल सेंटर पर औचक निरीक्षण करते हुए शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु प्रयास किये जा रहे है।

इटौरा हल्का पटवारी रघुवीर शरण सिंह पर गिरी गाज, एसडीएम ने थमाया निलम्बन का आदेश

कटनी (स्वतंत्रमत)। विजयराघवगढ़ अनुविभागीय दंडाधिकारी महेश मंडलोई ने 02 जूलाई को इटौरा इटमा का औचक निरीक्षण किया। जिसमे पाया गया की संबंधित पटवारी रघुवीर शरण सिंह पटवारी अपने हल्का इटमा इटौरा बिना किसी के अनुपस्थित रहे। साथ ही पटवारी पर लापरवाही की अनेको शिकायतों पर एसडीएम ने कारण बताओ नोटिस दिया पटवारी रघुवीर शरण सिंह ने आज दिनांक तक एसडीएम के नोटिस का न जबाब दिया और नही शासकीय कार्यालय मे साप्ताहिक बैठक मे सामिल होते अनेको शिकायतों को लेकर एसडीएम महेश मंडलोई ने कार्यालय में मुखाग्र रुप से समझाईस देते हुए कहा था की आप की बजह से इटमा इटौरा के लोगों को बार बार कार्यालय के चक्कर काटने पडते है शासकीय कार्य मे आप ध्यान दीजिए और अपने हल्के के ग्रामीणों के कार्य कर उनकी मदद कीजिए किन्तु पटवारी पर न समझाईस का असर हुआ और न ही नोटिस का अंततोगत्वा एसडीएम को कठोर कार्रवाई करनी पडी। अंतत: उक्त वरिष्ठ कार्यालय के पत्र के परिपालन में म.प्र. सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एंव अपील नियम 1966 के नियम-9 (1) बी तथा म.प्र. भू-अभिलेख नियमावली में वर्णित प्रावधान अनुसार रघुवीर शरण सिंह, हल्का पटवारी इटौरा, इटमा तहसील विजयराघवगढ जिला कटनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया तथा तहसील कार्यालय शाखा कानूनगो में संलग्न किया जाता है। निलंबन अवधि में संबंधित पटवारी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता ही दिए जाने के आदेश दिए गये।

नोटिस का उल्लेख

विजयराघवगढ़ अनुविभागीय दंडाधिकारी महेश मंडलोई द्वारा दिए गये नोटिस कुछ इस प्रकार है कार्यालय तहसीलदार तहसील विजयराघवगढ़ अंतर्गत नायब तहसीलदार सिनगौडी सर्किल का 02 जूलाई को ग्राम इटौरा, इटमा में मेरे द्वारा निरीक्षण किया गया जिसमे निरीक्षण उपरांत पाया गया कि संबंधित पटवारी रघुवीर शरण सिंह पटवारी ग्राम हल्का इटौरा, इटमा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित थे, जिससे कि ग्रामवासियों को बार बार तहसील कार्यालय के चक्कर कटना पड़ता है एंव उन्हें काफी समस्याओं का समाना करना पड़ता है। इसके पूर्व भी आपको मौखिक रूप से आदेशित किया गया था, कि आप अपने हल्को में जाकर ग्रामवासियों की समस्याओं का निराकरण करें एवं इस कार्यालय के कारण बताओ सूचना पत्र क्रमांक /90/का. गो/अ.वि.अ./2025 विजयराघवगढ़ 12 जून के द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था, और संबंधित पटवारी के व्हाट्सएप नंबर पर भेजा गया था, किन्तु आपके द्वारा आज दिनांक तक कोई जवाब नहीं दिया गया, एवं न्यायालय नायब तहसीलदार सिनगौंडी उबरा तहसील विजयराघव-गढ़ के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/ 399/ प्रवा/ ना. तह. /2025 विजयराघवगढ़ 15 फरवरी के द्वारा इस आशय का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था कि फार्मर रजिस्ट्री, आर.ओ.आर का जो लक्ष्य निर्धारित है जिसमें आपकी प्रगति बहुत कम होने से 12 फरवरी को ग्राम इटौरा का भ्रमण किया गया जिसमें आप ग्राम इटौरा में अनुपस्थित थे। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार आपके द्वारा कार्य नहीं किया गया था। उक्त नोटिस का जबाब आज दिनांक तक प्रस्तुत नहीं किया गया है। एवं न्यायालय नायब तहसीलदार सिनगाँडी/उबरा तहसील विजयराघवगढ़ के कार्यालयीन पत्र क्रमांक/63/प्रवा/ना. तह. /2025 विजयराघवगढ़ दिनांक 16 मई के द्वारा आवेदक गोविंद प्रसाद पिता रोहणी प्रसाद गौतम निवासी इटौरा के बटवारा प्रकरण मे भूमि खसरा नं. 977/1, 977/2, 977/3 कुल रकवा 1-07 हे. का फर्द बटवारा प्रस्तुत नहीं किये जाने से कारण कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था उसके बावजूद आपके द्वारा प्रकरण मे फर्द बटवारा प्रतिवेदन प्रस्तुत नही किया गया एवं कारण बताओ नोटिस का जबाब भी प्रस्तुत नहीं किया गया यह कि साप्ताहिक आयोजित की गई बैठक में भी रघुवीरशरण सिंह समीक्षा बैठक में भी अनुपस्थित रहते हैं। उक्त कृत्य मध्यप्रदेश मूलभूत नियम 18 एवं सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-7 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लघंन है तथा मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील नियम 1966 के प्रावधान्तर्गत दण्डनीय है।

इटौरा पटवारी की शिकायत पर औचक निरीक्षण कर एसडीएम ने निलम्बित कर जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता दी

अत: उक्त वरिष्ठ कार्यालय के पत्र के परिपालन में म.प्र. सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एंव अपील नियम 1966 के नियम-9 (1) बी तथा म.प्र. भू-अभिलेख नियमावली में वर्णित प्रावधान अनुसार रघुवीर शरण सिंह, हल्का पटवारी इटौरा, इटमा तहसील विजयराघवगढ जिला कटनी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाकर तहसील कार्यालय शाखा कानूनगो में संलग्न किया जाता है। निलंबन अवधि में संबंधित पटवारी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। नोटिस की छाया प्रति सम्बोधित सभी अधिकारियों तक पहुचाई कर सूचित भी किया गया।

नाम सुधार सूचना

मैं, राम शरण पिता भल्ली प्रसाद मेहरा, 35 वर्ष निवासी म.नं. 77, वार्ड नं. 3 ग्राम लमकना तहसील व जिला कटनी सार्वजनिक तौर पर यह घोषित/सूचित करता हूं कि मेरा सत्य व सही नाम राम शरण है जो त्रुटिवश मेरे सर्विस बुक में राम शरण मेहरा दर्ज है। अस्तु, मुझे मेरे सही नाम राम शरण के नाम से जाना-पहचाना-संबोधित किया जाए, मेरा यही नाम समस्त दस्तावेजों में दर्ज है।

त्रुटिपूर्ण नाम
राम शरण मेहरा
सत्य व सही नाम
राम शरण

कटनी, दिनांक 25.06.2025

सूचितकर्ता/घोषणाकर्ता
रामशरण

भारतीय कप्तान गिल ने दोहरा शतक ठोक रचा इतिहास

तोड़े बड़े रिकॉर्ड्स

बर्मिंघम । भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में दोहरा शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन में कप्तान शुभमन गिल ने जोश टंग के 122 वें ओवर की पांचवी पर सिंगल लेकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। ये गिल का टेस्ट क्रिकेट में पहला दोहरा शतक है. इसके साथ ही गिल ने कई रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं और कई दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए नया कीर्तिमान रच दिया है।

शुभमन गिल ने इंग्लैंड में लगाया दोहरा शतक-भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 199 बॉल में 11 चौकों की मदद से मैच के पहले दिन अपना शतक लगाया था। उन्होंने पहले दिन के खेल के अंत तक 226 बॉल में 12 चौकों की सहायता से 114 रन बना लिए थे। आज मैच के दूसरे दिन गिल ने अपनी पारी को आगे बढ़ाया और दूसरे सेशन में 311 बॉल का सामना करते हुए 21 चौके और 2 छक्कों की मदद से अपने 200 रन पूरे कर दोहरा शतक ठोक दिया। गिल अब तक क्रीज पर 255 रनों पर नाबाद बल्लेबाजी कर रहे हैं। इस शानदार पारी के साथ ही गिल ने कई दिग्गज खिलाड़ियों के रिकॉर्ड भी तोड़ डाले हैं।

टेस्ट में इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान- गिल ने इंग्लैंड में भारतीय टेस्ट कप्तान के रूप में सबसे बड़ा स्कोर बनाया है. उन्होंने 1990 में मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में मोहम्मद अजहरुद्दीन के 179 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. विराट कोहली 2018 में बर्मिंघम में 149 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं. इसके साथ ही गिल इंग्लैंड में टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशिया के भी पहले कप्तान बन गए हैं। शुभमन गिल - बर्मिंघम में 200* (2025),मोहम्मद अजहरुद्दीन - मैनचेस्टर में 179 (1990),विराट कोहली - बर्मिंघम में 149 (2018),एमएके पटौदी - लीड्स में 148 (1967),शुभमन गिल - लीड्स में 147 (2025)

इंग्लैंड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज- शुभमन गिल अब इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में भारत के लिए सर्वोच्च स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 1979 में ओवल में सुनील गावस्कर के 221 रन को पीछे छोड़ दिया है. उन्होंने सुनील गावस्कर के साथ-साथ राहुल द्रविड़ और सचिन तेंदलुकर को इस मामले में पीछे छोड़ दिया है. वो इंग्लैंड में दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं। शुभमन गिल - बर्मिंघम में 222* (2025),सुनील गावस्कर - द ओवल में 221 (1997),राहुल द्रविड़ - द ओवल में 217 (2002),सचिन तेंदुलकर - लीड्स में 193 (2002),रवि शास्त्री -द ओवल में 187 (1990)

शुभमन गिल ने तोड़े कई बड़े रिकॉर्ड्स- गिल ने कप्तान के रूप में अपनी तीसरी पारी में ही दोहरा शतक पूरा कर लिया, जो सुनील गावस्कर (205 बनाम वेस्टइंडीज, वानखेड़े, 1978) के साथ भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे तेज दोहरा शतक है। यह किसी भारतीय कप्तान द्वारा विदेशी टेस्ट में बनाया गया दूसरा दोहरा शतक है, इससे पहले 2016 में नॉर्थ साउंड में विराट कोहली ने 200 रन बनाए थ। गिल (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड) देशों में दोहरा शतक लगाने वाले पहले एशियाई कप्तान बन गए हैं. पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तिलकरत्ने दिलशान ने 2011 में लॉर्ड्स में 193 रन बनाए थे। शुभमन गिल सेना देश में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पहले बल्लेबाजी बन गए. इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सचिन तेंदुलकर का 2004 में एससीजी में 241 रन था। अब गिल ने उन्हे पीछे छोड़ दिया है। गिल अब तक 255* रन बना चुके हैं।

टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी-23 वर्ष 39 दिन - एमएके पटौदी बनाम इंग्लैंड, दिल्ली, 1964, 25 वर्ष 298 दिन - शुभमन गिल बनाम इंग्लैंड, एजबेस्टन, 2025, 26 वर्ष 189 दिन - सचिन तेंदुलकर बनाम न्यूजीलैंड, अहमदाबाद, 1999,27 वर्ष 260 दिन - विराट कोहली बनाम वेस्टइंडीज, नॉर्थ साउंड, 2016

भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ी

7 दोहरे शतक - विराट कोहली,1 दोहरा शतक - एमएके पटौदी, सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, शुबमन गिल

टेस्ट और वनडे दोनों में दोहरा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज-भारत के लिए टेस्ट और वनडे दोनों फॉर्मेट में डबल सेंचुरी लगाने वाले शुभमन गिल चौथे प्लेयर बन गए हैं. उन्होंने रोहित शर्मा, सचिन तेदुलकर, वीरेंद्र सहवाग के इस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली ह। रोहित शर्मा,सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग शुभमन गिल।

250 से ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज 4 - वीरेंद्र सहवाग,1 - वीवीएस लक्ष्मण, राहुल द्रविड़, करुण नायर, विराट कोहली, शुभमन गिल

दिलीप मालव ने अमेरिका में दिखाया दम , कराटे में जीता गोल्ड

झालावाड़। जिले के निवासी और सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) में कार्यरत जवान दिलीप कुमार मालव ने अमेरिका के बर्मिंघम शहर में 27 जून से 6 जुलाई 2025 तक आयोजित 21वें वर्ल्ड पुलिस गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए कराटे प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत लिया है. दिलीप ने इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए देश और अपने राज्य राजस्थान का नाम गौरव से ऊंचा किया है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में करीब 70 देशों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। जिला खेल अधिकारी कृपा शंकर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि दिलीप ने सेमीफाइनल मुकाबले में मलेशिया की टीम को और फाइनल में रोमानिया के खिलाड़ी को एकतरफा शिकस्त देकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। सांसद दुष्यंत ने दी बधाई- इस प्रतियोगिता में दिलीप के साथ महेंद्र यादव, अनिल शर्मा और अजय थंगचन भी मौजूद रहे. दिलीप के इस अद्वितीय प्रदर्शन से पूरे जिले और प्रदेश के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है. इस मौके पर झालावाड़-बारां से सांसद दुष्यंत सिंह ने भी दिलीप कुमार मालव को फोन कर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. दिलीप मालव 7 जुलाई को अमेरिका से भारत लौटेंगे। झालावाड़ पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

नौरी ने टियाफो को हराया

लंदन, (वार्ता) ब्रिटेन के स्टार कैमरून नौरी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले में फ्रांसेस टियाफो को हराकर विंबलडन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। ब्रिटेन के नंबर एक खिलाड़ी नौरी ने बुधवार को खेले गये मुकाबले में अमेरिका के टियाफो के खिलाफ 4-6, 6-4, 6-3, 7-5 से जीत दर्ज की और अब नौरी का अगला मुकाबला इटली के विश्व नंबर 73 मैटिया बेलुची से होगा।

खेल जगत में छाई शोक की लहर

कार एक्सीडेंट में 28 वर्षीय खिलाड़ी डिओगो जोटा की मौत

नई दिल्ली। लिवरपूल के फुटबॉल प्लेयर डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई। ये फॉरवर्ड प्लेयर पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम में क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथी भी थे. उन्होंने हाल ही में देश की जर्सी में यूईएफए नेशंस लीग जीती थी। जोटा और उनके भाई गुरुवार की सुबह स्पेन के जमोरा प्रांत में हुई कार दुर्घटना में शामिल थे। मार्का की रिपोर्ट से पता चला कि दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। लिवरपूल के इस फुटबॉलर की पिछले महीने 22 जून को शादी हुई थी. स्वाभाविक रूप से पुर्तगाली फुटबॉलर की मौत से विश्व फुटबॉल में शोक की लहर पैदा कर दी है। जोटा के भाई 26 वर्षीय आंद्रे सिल्वा, जिनकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई। वो भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे. वह पुर्तगाल के दूसरे डिविजन क्लब पेनाफेल के लिए खेलते थे. बीबीसी ने बताया कि यह दुर्घटना आज जमोरा प्रांत में उस समय हुई जब दो लोगों की कार के टायर अचानक फट गए। टायर फट गया और कार सड़क के किनारे किसी चीज से टकरा गई. तभी उसमें आग लग गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार आग की लपटों में घिरी हुई थी। लिवरपूल ने 2020 में एक बड़ी रकम के सौदे में वॉल्वरहैम्प्टन से जोटा को साइन किया था। वह अपनी मृत्यु तक उस क्लब के लिए एक फुटबॉलर थे. जोटा द रेड्स के लिए इंग्लिश प्रीमियर लीग (2024-25), एफए कप (2022) और दो लीग कप (2022, 2024) जीतने वाली टीम के सदस्य थे. जोटा ने लिवरपूल के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 182 मैचों में 65 गोल और 28 असिस्ट किए हैं। 18 वर्षीय जोटा क्लब फुटबॉल के साथ-साथ राष्ट्रीय टीम में भी समान रूप से शानदार थे। उन्होंने पुर्तगाल के लिए 49 मैचों में 14 गोल किए हैं. जोटा उस टीम के प्रमुख सदस्य थे जिसने पिछले महीने स्पेन को हराकर देश का दूसरा नेशंस लीग खिताब जीता था।

अब तन्वी की नजरें एशियाई जूनियर चैंपियनशिप पर लगीं

चंडीगढ़ । उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा अब अगले महीने होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने की तैयारी करेंगी। इसके लिए वह गुवाहाटी में भारतीय बैडमिंटन टीम के शिविर में शामिल होगी। ये टीम अगले महीने इंडोनेशिया में होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में भाग लेगी। तन्वी ने हाल ही में हाल ही में बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन 2025 के महिला एकल वर्ग में रजत पदक जीता था। तन्वी को बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन के महिला एकल के फाइनल में अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। विश्व में 66वें स्थान पर कायम तन्वी इसके बाद जूनियर विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी बन गई है और विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में शीर्ष 50 में शामिल हो गई है। बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 में अपने प्रदर्शन से उसने सभी को हैरान किया है। उसने इस दौरान अपने से उंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। तन्वी ने 6 साल की छोटी सी उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया था। तन्वी ने पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में चार साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया है। इस दौरान उसे भारत की कुछ शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अभ्यास का अवसर मिला जिससे उसका कौशल भी बेहतर हुआ। इस दौरान तन्वी को अपने परिवार का भी पूरा सहयोग मिला।

पाकिस्तान टीम को भारत में आकर खेलने की मिली मंजूरी

एशिया कप में धमाल मचाने को तैयार

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान की हॉकी टीमों को अगले महीने भारत में होने वाले एशिया कप और जूनियर विश्व कप में भाग लेने से नहीं रोका जाएगा क्योंकि चिर प्रतिद्वंद्वी टीम को रोकने का कोई भी कदम ओलंपिक नियमों का उल्लंघन होगा। एशिया कप का आयोजन बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से 7 सितंबर तक होना है जबकि जूनियर विश्व कप का आयोजन चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक किया जाएगा. इस टूर्नामेंट में खेलने पाकिस्तान की टीम आती है तो अगस्त से सितंबर में उसके मुकाबले देखने को मिलेंगे। सूत्र ने कहा, हम किसी भी टीम के भारत में बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के खिलाफ नहीं हैं। अगर हम पाकिस्तान को रोकने की कोशिश करते हैं तो इसे ओलंपिक चार्टर का उल्लंघन माना जाएगा लेकिन द्विपक्षीय संबंध अलग हैं और इस मामले में कोई ढील नहीं दी जाएगी। चार्टर ओलंपिक आंदोलन के संविधान के समान है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए खेल को एक उपकरण के रूप में महत्व देता है। नतीजतन किसी प्रतिद्वंद्वी देश को बहुराष्ट्रीय आयोजन से रोकने का कोई भी प्रयास मेजबान देश के भविष्य में मेजबानी के अधिकार पाने की संभावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यह पूछे जाने पर कि क्या इसका मतलब यह है कि भारत को सितंबर में क्रिकेट के एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की अनुमति दी जाएगी. सूत्र ने कहा, बीसीसीआई ने अभी तक इस पर मंत्रालय से संपर्क नहीं किया है. जब वे हमसे संपर्क करेंगे तो हम इस प्रश्न का उत्तर देंगे। भारत और पाकिस्तान करीब दो दशकों से द्विपक्षीय खेल आयोजनों से बचते रहे हैं लेकिन अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या के बाद बहुपक्षीय मुकाबले भी संदेह के घेरे में थे. मई में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया, जिसके कारण तनावपूर्ण सैन्य टकराव हुआ, जो पाकिस्तान के युद्धविराम के अनुरोध पर कम हो गया। अंतर्राष्ट्रीय खेलों की मांग है कि हम बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने से पीछे नहीं हट सकते. उदाहरण के लिए, रूस और यूक्रेन को लें, वे युद्ध में हैं, लेकिन वे बहुराष्ट्रीय आयोजनों में भाग लेते हैं और प्रतिस्पर्धा भी करते हैं। हॉकी इंडिया (एचआई) ने पाकिस्तान की हॉकी टीमों को भारत में एशिया कप और जूनियर विश्व कप में खेलने की अनुमति देने के निर्णय का स्वागत किया. हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, हम सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। हमारा रुख शुरू से ही यही रहा है कि सरकार जो भी फैसला लेगी।

डालर के मुकाबले रुपया 31 पैसे मजबूत

नयी दिल्ली (वार्ता) अंतर बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में गुरुवार को रुपया अमेरिकी डालर के साथ 31 पैसे मजबूत हो कर 85.31 (अनंतिम) रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। रुपया प्रारंभ में नरमी दिखी लेकिन, ब्रेंट क्रूड की नरमी तथा अन्य प्रमुख एशियायी मुद्राओं के आगे अमेरिकी मुद्रा के नरम पड़ने से रुपये का रुख बदल गया । विदेशी मुद्रा बाजार के कारोबारियों के अनुसार अमेरिका में गैर कृषि क्षेत्र के रोजगार बाजार के आज शाम जारी होने वाले साप्ताहि आंकड़ों से पहले डॉलर इंडेक्स ङ्क 96.832 के दायरे स्थिर था। न्यूयार्क जिंस बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 0.333 प्रतिशत नरम होकर 68.83 डालर प्रति बैरल के स्तर पर बोला जा रहा था। कारोबार के दौरार डालर 85.19 से 85.70 रुपये के दायरे में घट-बढ़ के बाद अंत में 85.31 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक श्रीराम अय्यर के अनुसार विदेशी बैंकों की ओर से डॉलर की बिकवाली के जोर और रुपये के प्रति कारोबारियों की धारणा में सुधार से स्थानीय मुद्रा को बल मिला।

एलकेपी सिक्योरिटीज के जिंस और करेंसी बाजार प्रभाग के वाइस प्रेसिडेंट (अनुसंधान) जतिन त्रिवेदी ने बाजार पर टिप्पणी में कहा 'रुपये को घरेलू पूंजी बाजारों में व्यापक आधार वाली मजबूती और डॉलर इंडेक्स में निरंतर कमजोरी का समर्थन मिला। हाल ही में आरबीआई द्वारा ब्याज दरों में कटौती ने भी रुपये की स्थिरता को बढ़ाया है और किसी भी सुधारात्मक कदम पर मुद्रा को सहारा देने की उम्मीद है। उम्मीद है आगे चलकर, रुपया बाजार में 85.10 से 85.75 प्रति डॉलर के बीच रह सकता है।'

सोने में तेजी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी रही जबकि चांदी के वायदा कारोबार में नरमी रही। घरेलू बाजार में आज सोने की कीमतें 97,450 रुपये जबकि चांदी 1,07,450 रुपये के करीब रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर कुछ समय में ही ये नीचे आने लगा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध गिरावट के साथ ही 97,389 रुपये के भाव पर पहुंच गया जबकि ये गत दिवसस 97,390 रुपये बंद हुआ था। आज यह अनुबंध 60 रुपये की तेजी के साथ ही 97,450 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,500 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 97,389 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल कर लिया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,01078 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे

चांदी की चमक पड़ी फीकी- चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का सितंबर अनुबंध आज 107 रुपये टूटकर 1,07,411 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,07,518 रुपये था। ये अनुबंध 61 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,07,457 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,7,457 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,07,313 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,09,748 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना चांदी की कीमतें शुरुआती तेजी के बाद नीचे आने लगीं। कामेक्स पर सोना 3,369 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 3,359.70 डॉलर प्रति औंस था। वहीं चांदी के वायदा भाव 36.79 डॉलर के भाव पर खुले। इस पिछला बंद भाव 36.72 डॉलर था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 170 और निफ्टी 48 अंक नीचे आया

मुम्बई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर हुए। वहीं गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही थी। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 170.22 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,239.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 48.10 अंकों के नुकसान के साथ ही 25,405.30 अंकों पर आकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आये जबकि शेष 19 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आकर बंद हुए। वहीं इसी प्रकार निफ्टी 50 में से केवल 17 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और बची हुई 32 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 0.98 फीसदी ऊपर आकर बंद हुए जबकि कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1.91 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में इंफोसिस के शेयर 0.51 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.44 फीसदी, एनटीपीसी 0.36 फीसदी, हिंदुस्तान

यूनिलीवर 0.36 फीसदी, , टाटा मोटर्स 0.29 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.29 फीसदी, आईटीसी 0.16 फीसदी, सनफार्मा 0.05 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.05 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व के शेयरों में 1.38 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.30 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.80 फीसदी, टाइटन 0.76 फीसदी, ट्रेंट 0.76 फीसदी , एसबीआई 0.75 फीसदी, टीसीएस 0.66 फीसदी, भारती एयरटेल 0.59, एचसीएल टेक 0.43 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.40 फीसदी, पावरग्रिड 0.39 फीसदी, एलएंडटी 0.34 फीसदी, बीईएल 0.20 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.16 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.16 फीसदी की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 68.28 अंक करीब 08 फीसदी बढ़कर 83,477.97 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 19.30 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी उछलकर 25,472.70 पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार वीकली डेरिवेटिव एक्सपायरी के करण बाजार में अस्थिरता देखी गयी।वहीं गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी बिकवाली जारी रखते हुए 1,561.62 करोड़ रुपए के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 3,036.68 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में बैंकॉक, चीन, जापान, सोल और जकार्ता के बाजार ऊपर आये। वहीं हांगकांग के बाजार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजारों में गत कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स में 10.52 अंक की गिरावट रही और ये 44,484.42 पर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स 29.41 अंक बढ़कर 6,227.42 पर बंद हुआ और नैस्डैक 190.24 अंक बढ़त के साथ ही 20,393.13 पर बंद हुआ।

नगरीय क्षेत्रों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने कार्य-योजना बनाई जाए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की नगरीय विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के नगरों में झुग्गी बस्तियों के विस्तार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से, लोगों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए किफायती और सुविधाजनक आवास सुविधा विकसित करने कार्य-योजना बनाई जाए। नगरीय क्षेत्र में पर्यावरण की बेहतरी के लिए उद्यानों को विकसित करना और विकास प्राधिकरण, हाउसिंग बोर्ड सहित सभी आवासीय परियोजनाओं में पौध-रोपण को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब के आसपास अवैध निर्माण का सर्वेक्षण करवा कर उन पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नगरीय विकास एवं आवास विभाग की मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

कॉलोनियों के विकास में बिल्डर्स-कॉलोनाईजस को जोड़ा जाए-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों में कॉलोनियों के विकास में देश के प्रतिष्ठित बिल्डर्स एंड कॉलोनाईजस को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों के साथ औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाली आकस्मिक घटनाओं पर नियंत्रण के लिए अग्निशमन सेवा का आधुनिकीकरण तत्काल किया जाए। अंतर्शहरी क्षेत्र में रेल सेवा के विस्तार के लिए नमो ट्रेन की योजना तैयार की जाए। जल्द ही इस पर केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा कर मदद ली जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को प्राथमिकता के आधार पर आवास सुविधा उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश में मीट-मछली के दुकानदारों को व्यवस्थित करने और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराने के लिए नगरीय निकायों को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

दीनदयाल रसोई योजना के विस्तार पर जोर-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार्मिक क्षेत्रों में दीनदयाल रसोई योजना के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य में सरकारी मदद के साथ स्वंयसेवी संस्थाओं और निजी दानदाताओं की मदद ली जाए। शहरी क्षेत्रों में स्थानीय समुदाय के स्व-सहायता समूह तैयार कर उन्हें आधुनिक लॉण्ड्री शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता और उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं अन्य योजनाओं में तैयार किए गए आवासों के आधिपत्य बनने के साथ ही सौंपे जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पर्यावरण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसके लिए जरूरी है कि शहरी क्षेत्रों में आरक्षित भूमि चयनित कर नगर वन अधिक से अधिक विकसित किए जाएं और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय बैठक में प्रमोशन प्रक्रिया की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों को तय समय-सीमा में प्रमोशन दिया जाए। इससे रिक्त होने वाले पदों पर अभी से भर्ती की प्रक्रिया की कार्य-योजना तैयार कर ली जाए।

धार्मिक एवं पर्यटन शहरों के विकास की योजना तैयार - नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि धार्मिक एवं पर्यटन शहरों के विकास में एकीकृत विकास की योजना तैयार की जा रही है। चित्रकूट नगर में 2800 करोड़ रूपए की कार्य-योजना तैयार की गई है, जिसमें नगरीय विकास विभाग द्वारा 800 करोड़ रूपए का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रीडेंसिफिकेशन परियोजनाओं की संभावना को देखते हुए हाऊसिंग बोर्ड को निर्देश दिए गए हैं।

लाड़ली बहनों को दिए जाएंगे आवास-बैठक में राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में शहरी क्षेत्रों की एक करोड़ 30 लाख लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता के साथ आवास दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 में 8 लाख 55 हजार आवास बनकर तैयार हो गए हैं। इस योजना के दूसरे चरण में अब तक 4 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो गए हैं। बैठक में संकल्प-पत्र के बिन्दुओं पर भी चर्चा की गई। बताया गया कि संकल्प बिन्दु के अनुसार वर्ष 2027 तक भोपाल और इंदौर मेट्रो लाईन का पूर्ण संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना में 1070 करोड़ रूपए की 1062 परियोजनाएं मंजूर हैं। बताया गया कि 183 नगरीय निकायों में महिलाओं के लिए 218 पिंक शौचालय संचालित हो रहे हैं। बैठक में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के मुद्दे पर चर्चा की गई। नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति और सीवरेज की 333 परियोजनाएं स्वीकृत हैं।

नव-प्रवेशित छात्राओं का भारतीय परम्परानुसार हुआ स्वागत

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या महाविद्यालय का दीक्षारंभ समारोह

भोपाल । सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय भोपाल में 1 से 3 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। नव-प्रवेषित छात्राओं एवं अभिभावकों का स्वागत, भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा से किया गया।

इसके बाद प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित कर सभी संकायों के शैक्षणिक स्टॉफ का परिचय कराया और महाविद्यालय की सुविधाओं की जानकारी दी। दीक्षारंभ के द्वितीय दिवस का शुभारम्भ एन.डी.आर.एफ. दल ने छात्राओं को आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय के पुस्तकालय, स्वशासी प्रकोष्ठ, एन.सी. सी., एन.एस.एस तथा महाविद्यालयीन छात्रावास की जानकारी दी गई। दीक्षारंभ के तीसरे दिन छात्राओं एवं अभिभावकों को महाविद्यालय परिसर का भ्रमण कराते हुये महाविद्यालय के भौतिक संसाधनों का परिचय कराया गया। इसके बाद महाविद्यालय के आईक्यूएसी ने महाविद्यालय में संचालित खेल-कूद, साहित्यिक, रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं अकादमिक गतिविधियों की जानकारी दी। दीक्षारम्भ कार्यक्रम का समापन समारोह, अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुराप्रसाद एवं महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष डॉ. भारती कुम्भारें सातनकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

विद्यालय प्रबंधन कलेक्टर के आदेश का परिपालन सुनिश्चित करे

दमोह। राज्य समिति के आदेश अनुरूप सेंट जॉन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल दमोह द्वारा अभिभावकों को 6 करोड़ 25 लाख 86 हजार 2 सौ 90 रूपये वापस करना होंगे। साथ ही जिला समिति द्वारा अधिरोपित की गयी 2 लाख रूपये की शास्ति राशि आयुक्त लोक शिक्षण के खाते जमा करनी होगी। इस संबंध में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने बताया सेंट जॉन्स स्कूल में अधिक फीस लेने और इसके अलावा फर्जी आईएसबीएन नंबर की किताबों के परिचालन और इन सभी विषयों को लेकर शिकायतें आई थीं जिला स्तरीय समिति के द्वारा इस पर विचार किया गया था और विद्यालय प्रबंधन के ऊपर 2 लाख की शास्ति और इसके अलावा फीस वापस करने का आदेश और फर्जी आईएसबीएन नंबर वाली किताबों को बंद करने आदि तमाम तरह के निर्णय लिए गये थे।

पैदल चलने लायक भी नहीं बची सड़क

कॉलोनाइजर ने कॉलोनी के लिए मार्ग बनवा लिया लेकिन जो मार्ग बनना था न.पा. ने उसे छोड़ दिया

हटा। हटा सीएम राइज स्कूल के बाजू से शिक्षक कॉलोनी मॉडल स्कूल डाइट आदि जाने के लिए एक कच्चा रास्ता है जिसे पक्के बनने की दरकार है। यह मार्ग कॉलोनी जाने के लिए राजस्व के नक्से में भी अंकित है। इस एक मात्र रास्ते के भ्रम में एक कॉलोनाइजर ने नगर पालिका से अपनी कॉलोनी के लिए पहुंच मार्ग का निर्माण भी करा लिया लेकिन जो मार्ग बनना था नगर पालिका ने उसे छोड़ दिया। वर्तमान एसडीएम राकेश मरकाम ने अपनी पिछली तैनाती में नगर पालिका के प्रशासक के रूप में जिस सीसी सड़क का निर्माण डाइट के सामने से कराया था, वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई और उसमें बड़े बड़े गड्ढे भी हो गए हैं। सड़क निर्माण के दौरान भी इस सड़क में गड़बड़ी की शिकायत हुई थी जिस पर अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया और सड़क का अस्तित्व ही अब खतरे में है। इसी कारण अब सीएम राइज के बाजू वाली कीचड़मय सड़क के बनने की मांग उठने लगी है।अध्यक्ष शैलेन्द्र खटीक से मांग की गई है कि वह नपा के तकीनीकी टीम के साथ भ्रमण कर रोड की दुर्दशा देखें जो बरसात में पैदल चलने लायक भी नहीं बची।

पुरस्कृत होंगे वन विभाग के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी : डॉ. मोहन यादव

अंतर्राष्ट्रीय बाघ तस्कर को जेल पहुंचाने के लिए किए गए बहुआयामी प्रयास

भोपाल ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश वन विभाग के वन्य जीव संरक्षण प्रयासों और उसमें प्राप्त हो रही सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग में रहकर उत्कृष्ट कार्य और बहुआयामी प्रयास करने वाले अधिकारियों और अन्य अमले को पुरस्कृत किया जाएगा। हाल ही में स्टेट टाइगर फोर्स के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों-कर्मचारियों के संयुक्त प्रयासों में सफलता का एक महत्वपूर्ण आयाम जुड़ा है। स्टेट टाइगर फोर्स ने न सिर्फ अंतर्राष्टीय बाघ तस्कर के विरूद्ध की गई सटीक विवेचना की बल्कि न्यायालय के स्तर पर भी ठोस पक्ष रखने का कार्य किया, जिसके फलस्वरूप आरोपित व्यक्ति ताशी शेरपा को 5 वर्ष की सजा सुनाई गई है।

फाइल फोटो

मध्यप्रदेश की पहचान बनाए रखने के लिए गंभीर प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान सघन और पर्यावरण हितैषी वन क्षेत्र और भारत की समृद्ध जैव विविधता के प्रतीक विभिन्न वन्य प्राणी हैं। मध्यप्रदेश वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी गंभीरता और परिश्रमपूर्वक प्रदेश की वन और वन्यप्राणी सम्पदा के संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। स्टेट टाइगर फोर्स जहां भारत सरकार के निर्देश पर वन्य जीवों की तस्करी की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, वहीं आरोपित व्यक्तियों को सजा दिलवाने का लक्ष्य भी पूरा कर रही है।

इंटरपोल मुख्यालय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंटरपोल मुख्यालय ल्योन, फ्रांस से जारी पत्र में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर फोर्स को अंतर्राष्टीय बाघ तस्कर ताशी शेरपा के सफलतापूर्वक अभियोजन को पूरा करते हुए सजा दिलवाने के लिए बधाई दी है। स्टेट टाइगर फोर्स की कार्यवाही से अंतर्राज्यीय एवं अंतर्राष्ट्रीय गिरोह बेनकाब हुए हैं। जिन गिरोहों के अपराधी भारत सहित नेपाल, भूटान और चीन तक वन्य जीवों की तस्करी में लिप्त रहते हैं, उन पर नजर रखते हुए टाइगर फोर्स ने वैज्ञानिक ढंग से विवेचना का कार्य किया है। ब्रेन-मेपिंग और पॉलीग्राफी टेस्ट से प्राप्त महत्वपूर्ण साक्ष्यों एवं सायबर डेटा एकत्र कर न्यायालय में उनके प्रस्तुत किए जाने से वन्य प्राणियों की तस्करी करने वालों को दोषी सिद्ध ठहराया जा सका। इस पूरे प्रकरण में यह भी महत्वपूर्ण है कि यह अपने तरह का ऐसा पहला मामला है, जिसमें बाघ के शिकारियों, बिचौलियों और तस्करों सहित 28 अपराधियों के गिरोह को गिरफ्तार किया गया। गिरोह के एक फरार तस्कर जेई तमांग उर्व पसांग लिमी के विरूद्ध इंटरपोल ने रेड कार्नर नोटिस जारी किया है।

वन विभाग के माध्यम से 13 लाख पौधे लगाये जायेंगे : कलेक्टर

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा है जिले में पौधारोपण कार्यक्रम के लिए 30 तारीख को सभी सामाजिक संगठनों और विभागों के साथ बैठक ले ली गई है और कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा तैयार हो रही है कि कहां-कहां किस तरीके से वृक्षारोपण किया जायेगा। स्थानों का निरीक्षण भी कर लिया गया है। वन विभाग के द्वारा लगभग 11 से 13 लाख वृक्ष लगाए जाएंगे जिसमें पहाड़ी एरिया, राजनगर का कैचमेंट, सीता बावड़ी इसके अलावा कई एरिया जहां पर वृक्षारोपण संभव है, वहां सभी जगह वन विभाग के माध्यम से लगभग 13 लाख के आसपास वृक्ष लगाए जाएंगे।कलेक्टर ने कहा सभी स्कूल, छात्रावास, शैक्षणिक या गैर शैक्षणिक संस्थान जहां-जहां पर बाउंड्रीवाल है, जहां पर पौधों को सुरक्षित सहेज कर रखा जाना संभव है, उन सभी जगह पर पौधारोपण 30 सितंबर तक कराया जायेगा। इसके अलावा नगर पालिका क्षेत्र में डिवाइडर है, उनके मध्य में भी वृक्षारोपण कराना जाना है। जटाशंकर पार्क को सर्वप्रथम अच्छे से डेवलप करके फिर उसके बाद वृक्षारोपण किया जायेगा। इस तरह से पूरी एक कार्ययोजना बनाई गई है और उस कार्ययोजना को चरणबद्ध रूप से क्रियान्वित किया जायेगा। उन्होंने कहा इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखा जाएगा कि पौधे वहीं लगाए जाएं और तभी लगाए जाएं जब उनकी उत्तर जीवितता सुनिश्चित हो सकेए संख्या से ज्यादा गुणवत्ता के ऊपर ध्यान दिया जाएगा।

नाम सुधार सूचना

मैं परमजीत कौर पति हरजिंदर सिंह निवासी मकान नं. 1919 गुलाटी पेट्रोल पंप के सामने प्रेम नगर मदन महल जबलपुर (म.प्र.) ये कथन करती हूँ कि मेरी 10वीं मार्कशीट में मेरा नाम थांडी परमजीत कौर (THANDI PARAMJIT KWOR) लिखा है जो गलत है मेरा सही नाम परमजीत कौर (PARAMJIT KAUR) है। अब से मुझे इस नाम से जाना, पहचाना जावे।

गलत नाम-थांडी परमजीत कौर (THANDI PARAMJIT KWOR)

सही नाम-परमजीत कौर (PARAMJIT KAUR)

सरनेम सुधार सूचना

मैं अनिता छत्तानी पति नरेश छत्तानी निवासी 1221/22 नेपियर टाउन, जबलपुर (म.प्र.) ये कथन करती हूँ कि मेरा पूर्व पासपोर्ट (PASSPORT NO. M4728333 में मेरे सरनेम की स्पेलिंग CHATTANI लिखी है, जो गलत है। मेरे सभी बाकी दस्तावेज में आधार कार्ड, पेन कार्ड आदि अनिता छत्तानी (ANITA CHHATTANI) से है जो सही है। कृपया मुझे अनिता छत्तानी लिखा-पढ़ा जावे।

गलत नाम-अनिता छत्तानी (ANITA CHATTANI)

सही नाम-अनिता छत्तानी (ANITA CHHATTANI)

सीएम राइज का पुराना छात्रावास भवन क्षतिग्रस्त

अनुपयोगी होने से हो रही सामग्री की चोरी

हटा। सीएम राइज स्कूल के स्वामित्व के पुराने छात्रावास भवन के क्षतिग्रस्त होने से यह अनुपयोगी हो गया है जिसकी देखरेख न होने से इसकी सामग्री की चोरी हो रही है, कुछ लोग दबी जवान से यह भी कहते है। इस भवन में अनैतिक कार्य भी हो रहे है जो भी हो इस भवन का सदुपयोग होने की भी चर्चा है। इस पुराने छात्रावास भवन में दो दर्जन से ज्यादा कमरे है जिसमे तीन बड़े-बड़े मेस के हाल हैं। तीन अलग-अलग भागों में निर्मित होने के कारण बड़े-बड़े बरामदें है जिनमें पानी की टंकियां है और अलग-अलग टॉयलेट भी बने है। इस भवन में 80 के दशक में छात्रावास था, छात्रावास बन्द होने के बाद नवोदय विद्यालय खुलने के बाद तीन साल नवोदय विद्यालय भी इसी भवन से संचालित हुआ था।

अलग-अलग प्रशिक्षण आदि में ऊपयोगी होने के बाद 2000 के दशक में तत्कालीन मंत्री राजा पटेरिया द्वारा आयोजित कराए गए राज्य खेल टूर्नामेंट में प्रदेश भर के खिलाड़ियों को रुकने इस भवन का सदुपयोग किया गया था, तब के बाद से भवन अनुपयोगी है 2016-17 में जब केंद्रीय विद्यालय के लिए भवन की जरूरत पड़ी तब तत्कालीन कलेक्टर स्वतंत्र सिंह के निर्देश पर पूरे भवन की साफ सफाई कर निरीक्षण भी किया था और इसके सुधार हेतु तत्कालीन ईई पीडब्लूडी द्वारा 70 लाख का प्राक्कलन तैयार हुआ था जिसमें फर्स, खिड़की, दरवाजे छपाई सीलिंग आदि के कार्य प्रस्तावित हुए थे।

कलेक्टर के अचानक स्थानांतरण से कार्य रूक गये तब से भवन लगातार क्षतिग्रस्त होता जा रहा है। इसी भवन में लाखों की सागौन भी रखी थी जो उपयोग न किये जाने के कारण कबाड़ हो गई। अब लोग इस भवन की छत की लकड़ी आदि चोरी करने लगे हैं और चोरी छिपे अनैतिक कार्य भी हो रहे है। इस संबंध में प्राचार्य अशोक अग्रवाल का कहना था कि निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं करेंगे।

पिछड़े वर्ग की जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने जनसुनवाई आज

भोपाल। प्रदेश की पिछड़े वर्ग की जातियों को केन्द्र की सूची में शामिल करने 4 जुलाई को पूर्वान्ह 11 बजे से व्हीआईपी स्टेट गेस्ट हाउस लालघाटी के सभागार में जनसुनवाई होगी। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर, सदस्य भुवन भूषण कमल जनसुनवाई करेंगे। इस अवसर पर राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया एवं सदस्य सीताराम यादव उपस्थित रहेंगे। राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव देवेश कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश राज्य की पिछड़ा वर्ग की 32 जातियों, दवेज, भोपा मनभाव, दमामी, हरिदास, कोहरी, फूलमाली (फूलमारी), कलार, जायसवाल, डउसेना, लोढ़ा (तंवर)।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में भवन क्र. एलआईजी 951 श्री अंशु साहू पिता श्री राम मनोहर साहू के नाम आवंटित है । जिसका विक्रय विलेख दिनांक 3.2.2021 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री अंशु साहू पिता श्री राम मनोहर साहू ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 30.1.2022 के माध्यम से श्रीमति आरती साहू पति श्री निलेश साहू एवं श्री निलेश साहू पिता श्री विष्णु प्रसाद साहू को विक्रय किया है। अतः श्रीमति आरती साहू पति श्री निलेश का स्वर्गवास दिनांक 15.1.2024 को हो गया है। एवं श्री निलेश साहू द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/ आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति. संस्था आदि को उपरोक्त हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

आम सूचना

जबलपुर सिख संगत रजि. संस्था की प्रबंध कार्यकारिणी की बैठक एवं संस्था के चुनाव दिनांक 21 जुलाई 2025 दिन सोमवार शाम 5.00 बजे संस्था के रजिस्टर्ड कार्यालय म.नं. 1415/3-AC/O स्व.मलकियत सिंह भंगू काली बाड़ी मंदिर के पास गुप्तेश्वर वार्ड मदन महल जबलपुर में सभा की प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा निर्धारित किए गए हैं संस्था के सभी सम्मानीय सदस्यों से अनुरोध है कि निर्धारित स्थान, तिथि, समय पर उपस्थित हो कर बैठक एवं चुवाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने में सहयोग करें। सूचना दी जाती है।

सचिव
प्रहलाद सिंह बिन्द्रा
मो. 9425656789

(ओम प्रकाश रजक)
जिला न्यायाधीश
पाटन, जबलपुर (म.प्र.)

Presiding Officer: ओमप्रकाश रजक
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(MJC GW/0000010/2025)

श्रीमती उजाला पाठक व अन्य.......................वादी
Vs
म.प्र. राज्य द्वारा जिला कलेक्टर जबलपुर......
....प्रतिवादी

Process Id-/2025
पेशी दिनांक- 31/07/2025

प्रेषिती-
(1) आम जनता पता- आम जनता प्रकाशन हेतु क्रमांक 2 को समाचार के माध्यम से

यह कि प्रार्थी श्रीमती उजाला पाठक व अन्य ने आपके विरुद्ध हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षक अधिनियम के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में सर्बाधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 02 July 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(ओम प्रकाश रजक)
जिला न्यायाधीश पाटन, जबलपुर (म.प्र.)

1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रखेगा तो आगामी कार्य दिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

कार्यालय कलेक्टर (न्यायालय अपर कलेक्टर शहर) जबलपुर म.प्र.

Room no.10 II Telephone: 0761624351 II E-mail: admjabalpur@gmail.com

राजस्व प्रकरण क्रमांक/0118/अ-20 (1)/2024-25
जबलपुर दिनांक 01/07/2025

आम इश्तहार

आवेदिका श्रीमति शैल पारवानी पति श्री सुरेश कुमार पारवानी निवासी-जैक्शन होटल साउथ सिविल लाईन जबलपुर द्वारा सि.स्टे. ब्लाक नं 23 प्लाट नं 3/23 कुल रकवा 2706 व फु, जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 18.07.2025 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर कक्ष क्रमांक 12 जबलपुर पर 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद्वारा द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वतः या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्थाई पट्टे का विवरण

ब्लाक नं. 23,प्लाट नं. 3/23, रकवा (व.फु.) 2706, उपपट्टेदार- श्रीमती शैल पारवानी पति श्री सुरेश कुमार पारवानी, निवासी- जैक्शन होटल साउथ सिविल लाईन जबलपुर। भू भाटक 519.55/-रुपये प्रतिवर्ष

जारी दिनांक 01.07.2025
पेशी दिनांक 18.07.2025

अपर कलेक्टर, जबलपुर

कार्यालय कलेक्टर (न्यायालय अपर कलेक्टर शहर) जबलपुर म.प्र.

Room no.10 II Telephone: 0761624351 II E-mail: admjabalpur@gmail.com

राजस्व प्रकरण क्रमांक/0115/अ-20 (1)/2024-25
जबलपुर दिनांक 01/07/2025

आम इश्तहार

आवेदिका श्री सुरेश कुमार पारवानी पिता श्री कुंदनदास पारवानी निवासी-जैक्शन होटल साउथ सिविल लाईन जबलपुर द्वारा सि. स्टे. ब्लाक नं 23 प्लाट न. 3/17 3/19 कुल रकवा 3180 व.फु. जिला जबलपुर ने इस न्यायालय के समक्ष नीचे विनिर्दिष्ट स्थाई पट्टे का भूमि स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है और जबकि यह संपरिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है एवं सुनवाई की तारीख 18/07/2025 स्थान न्यायालय अपर कलेक्टर शहर कक्ष क्रमांक 12 जबलपुर पर 3.00 बजे नियत की गई है। उक्त स्थाई पट्टे में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को एतद्वारा द्वारा सूचित किया जाता है कि वे या तो स्वतः या विधिक व्यवसायी या मान्यता प्राप्त अभिकर्ता के माध्यम से नियत तारीख को उपस्थित हो और अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो तो प्रस्तुत करें।

आपके उपस्थित नहीं होने पर एवं आपत्तियां को प्रस्तुत नहीं कर पाने की स्थिति में किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्थाई पट्टे का विवरण

ब्लाक नं. 23,प्लाट नं. 3/17, 3/19, रकवा (व.फु.) 3180, उपपट्टेदार- श्री सुरेश कुमार पारवानी पिता श्री कुंदनदास पारवानी, निवासी- जैक्शन होटल साउथ सिविल लाईन जबलपुर। भू भाटक 610.56/- रुपये प्रतिवर्ष

जारी दिनांक 01.07.2025
पेशी दिनांक 18.07.2025

अपर कलेक्टर, जबलपुर

ट्रक-पिकअप में भीषण भिंड़त, 2 मौत

गौर नदी मार्ग पर दर्दनाक हादसा, चार गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गौर क्षेत्र में पीली बिल्डिंग के सामने ट्रक और पिकअप में सीधी भिंड़त हो गई, वाहनों में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। चार के शरीर पर गंभीर चोटें आई है, जिन्हें उपचार के लिए मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर चारों की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार मंडला से नागपुर जाने के लिए निकला ट्रक क्रं. एपी15 एचए 5990 गरुवार दोपहर जब गौर क्षेत्र पीली बिल्डिंग के सामने से गुजर था, इस दौरान सामने से पिकअप वाहन क्रं. एमपी 19 जीए 5933 आ गया। दोनों वाहनों में हुई आमने सामने से हुई भिंड़त में पिकअप में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चार लोग उछलकर सामने की ओर गिरे। दुर्घटना के

बाद ट्रक आगे एक डिवाइडर से टकरा गया था, खौफनाक हादसा होते देख राह चलते लोगों में चीख पुकार मच गई। यहां तक कि आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

बुरी तरह वाहन में फंसे थे

हादसे की सूचना पाकर गौर चौकी प्रभारी टेकचंद शर्मा स्टॉफ सहित पहुंचे, जिन्होंने स्थानीय लोगों ने पिकअप में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला, जिनकी उस वक्त मौत हो चुकी थी। वहीं सड़क पर पड़े चारों लोग को उठाकर मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर चारों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। चौकी प्रभारी टेकचंद शर्मा का कहना है कि मृतकों की शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे है। घटना के बाद इस रोड पर जाम के हालात निर्मित हो गए थे, पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से हटवाया, इसके बाद यातायात शुरु हो सका।

लोक सेवा पदोन्नति नियम संबंधित हुई बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला स्तर पर जिन लोगों के प्रमोशन होना है उनके संबंध में लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को लेकर बैठक कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी आज शाम 5 बजे तक कर्मचारियों की एसीआर व डाटा संबंधित अधिकारी के पास प्रस्तुत करें। साथ ही कहा कि इस संबंध में शीघ्र ही एक समिति गठित कर काम शुरु कर दिया जाये। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि इस संबंध में सोमवार टीएल बैठक के बाद एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। अत: सभी विभागों के जिला अधिकारी आवश्यक तैयारियों के साथ बैठक में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सक्सेना ने कहा कि पदोन्नति संबंधी समस्तन कार्यवाही 31 जुलाई तक पूर्ण कर ली जाये। साथ ही परामर्शदात्री की बैठक भी शीघ्र की जाये। बैठक में अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, संयुक्त कलेक्टर पुष्पेन्द्र अहाके व विभागीय जिला अधिकारी उपस्थित थे।

आज मेधावियों को मिलेगी लेपटॉप की राशि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत आज भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से माध्यमिक शिक्षा मंडल की बारहवीं कक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लाने वाले प्रदेश के 94 हजार 234 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय करने 25.25 हजार रुपये की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित करेंगे। जबलपुर जिले के 2 हजार 800 मेधावी विद्यार्थी भी शामिल हैं, जिला स्तरीय कार्यक्रम सांसद आशीष दुबे के मुख्य आतिथ्य में मॉडल स्कूल में सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया गया है।

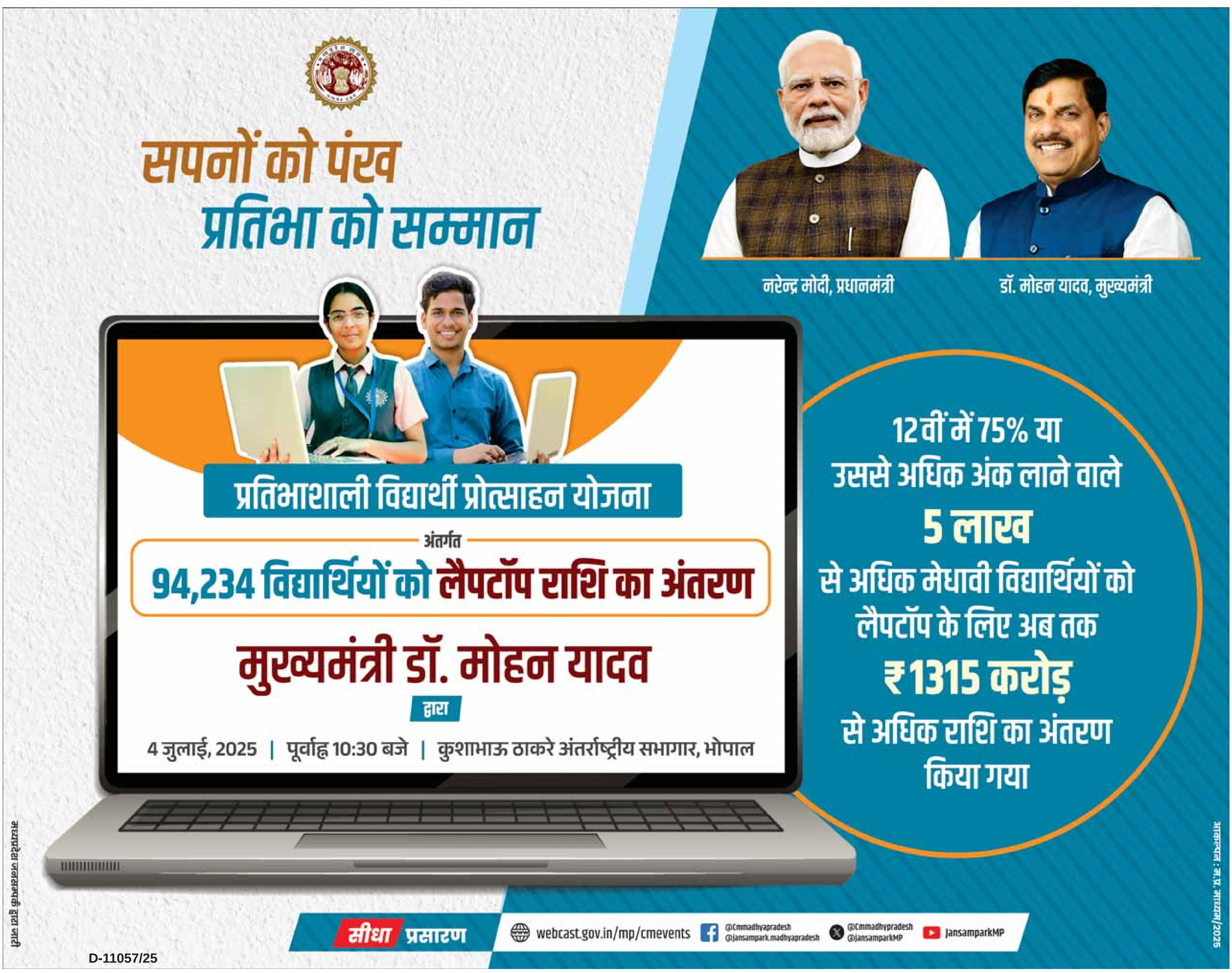

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2023-25, **RNI No. 64561/96.**